3 | राजधानी
सीएम आवास मुद्दे पर विस में हंगामा

6 | अभिमत
लाभदायक मोटे अनाज

11 | विदेश
भारत में इजराइल के नए राजदूत होंगे रूवेन अजार

12 | स्पोर्ट्स
भारत की दृष्टि श्रृंखला जीतने पर

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 45
नई दिल्ली, मंगलवार, 19 दिसंबर, 2023
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री विजयन और एसएफआई के खिलाफ रुख कड़ा किया

राष्ट्रीय-10

दोनों सदनों से 78 सांसद पूरे सत्र के लिए निलंबित

इनमें 33 लोकसभा और 45 राज्यसभा के, संसद में सुरक्षा सेंध पर किया था हंगामा

● पांच दिनों में कुल 92 सांसद निलंबित, विपक्ष ने इसे लोकतंत्र निलंबित करार दिया

● भाजपा ने कांग्रेस और सहयोगियों पर लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति का अपमान करने का आरोप लगाया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नई दिल्ली में सोमवार को संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा में सांसद

संसद सुरक्षा उल्लंघन को लेकर दोनों सदनों में जोरदार हंगामा करने पर सोमवार को 78 विपक्षी सदस्यों को संसद से निलंबित कर दिया गया। इन निलंबनों के बाद अब कुल 92 सांसद शीतकालीन सत्र के शेष भाग के लिए निलंबित रहेंगे। आज 33 सदस्यों को लोकसभा से और 45 को राज्यसभा से निलंबित किया गया। 78 के निलंबन के साथ अब कुल निलंबित सांसदों की संख्या 92 हो गई है और कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष ने इसे 'लोकतंत्र निलंबित' करार दिया है। 14 दिसंबर को कुल 14 सांसदों (लोकसभा में 13 और राज्यसभा में एक) को निलंबित कर दिया गया था। विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच बढ़ती दरार के बीच यह मुद्दा और बढ़ने की संभावना है और केंद्र ने महत्वपूर्ण लंबित विधेयकों पेश करना फैसला किया है। दूसरी ओर मंगलवार को विपक्ष के इंडिया गठबंधन की बैठक होने वाली है। इसमें टीएमसी सुप्रीमो पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी की भागीदारी देखी जाएगी। इसके अलावा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और शरद पवार और लालू यादव जैसे अन्य शीर्ष नेता भी शामिल होंगे। निलंबन का बचाव करते हुए, भाजपा ने कांग्रेस और उसके सहयोगियों पर लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति का 'अपमान' करने तथा अपने आचरण से देश को 'शर्मिंदा' करने का आरोप लगाया, पिछले पांच दिनों में 92 विपक्षी सदस्यों को दोनों सदनों से निलंबित कर दिया गया। राज्यसभा में सदन के नेता पीयूष गोयल ने संवाददाताओं से कहा कि विपक्षी सदस्य तख्तियां लेकर आए और जानबूझकर संसदीय कार्यवाही को बाधित किया, जबकि पहले यह निर्णय लिया गया था कि सदनों में तख्तियों की अनुमति नहीं दी जाएगी। कांग्रेस ने निलंबन पर सरकार की आलोचना करते हुए दावा किया कि 'अत्यधिक स्तर की तानाशाही' लागू है और 'लोकतंत्र को निलंबित कर दिया गया है।

33 विपक्षी लोकसभा सांसदों के निलंबन के तुरंत बाद, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि इस 'निरंकुश' सरकार ने सभी लोकतांत्रिक मानदंडों को कूड़ेदान में फेंक दिया है और इसने संसद के प्रति शून्य जवाबदेही दिखाई है। संसद सुरक्षा उल्लंघन के मुद्दे पर नारे लगाने और कार्यवाही बाधित करने के बाद उच्च सदन में पैंतालीस विपक्षी सदस्यों को अनियंत्रित व्यवहार और अध्यक्ष के निर्देशों की अवहेलना के लिए निलंबित कर दिया गया था। निलंबित होने वालों में कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी, जयराम रमेश, के सी वेणुगोपाल और रणदीप सिंह सुरजेवाला और समाजवादी पार्टी के राम गोपाल यादव शामिल थे। (शेष पेज 9)

संसद सुरक्षा चूक मामले में पुलिस ने छह राज्यों में भेजी विशेष टीम

● मेटा से आरोपियों के फेसबुक पेज और सोशल मीडिया खातों का ब्योरा भी मांगा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने संसद की सुरक्षा में सेंध लगाने के मामले में गिरफ्तार छह आरोपियों के सोशल मीडिया खातों और अब हटाए गए फेसबुक पेज भगत सिंह फैन क्लब के विवरण तक पहुंचने के लिए मेटा को पत्र लिखा है। भगत सिंह फैन क्लब के जरिए ही ये आरोपी एक-दूसरे के सम्पर्क में आए थे। इस बीच, दिल्ली पुलिस ने सोमवार को अदालत को यह भी बताया कि संसद सुरक्षा उल्लंघन को लेकर दर्ज की गई एफआईआर 'अत्यंत संवेदनशील प्रकृति' की है और इसलिए मामले के आरोपियों को फिलहाल इसकी प्रति उपलब्ध नहीं कराई जा सकती है। एफआईआर की कॉपी मांगने वाली नीलम की अर्जी का विरोध करते हुए दिल्ली पुलिस ने स्पष्ट किया कि इस स्तर पर 'महत्वपूर्ण जानकारी' का 'लीक' जांच को प्रभावित कर सकता है। पुलिस ने 13 दिसंबर को संसद सुरक्षा उल्लंघन की जांच के लिए छह राज्यों, राजस्थान, हरियाणा, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र, में टीमें भेजी हैं।

पुलिस सूत्रों ने सोमवार को बताया कि पुलिस ने सभी आरोपियों के बैंक खाते का विवरण भी एकत्र किया है ताकि यह पता किया जा सके कि क्या उन्हें 13 दिसंबर की घटना को अंजाम देने के लिए किसी से पैसे मिले हैं। सूत्रों ने बताया कि दिल्ली पुलिस की विभिन्न टीम ने रविवार को आरोपियों के परिजनों से संपर्क किया और उनके बैंक खातों का विवरण इकट्ठा किया। सूत्रों के अनुसार, नीलम देवी और सागर शर्मा की बैंक पासबुक क्रमशः हरियाणा के जींद और उत्तर प्रदेश के लखनऊ में उनके आवास से जब्त किए गए। दिल्ली पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस इकाई ने आरोपी व्यक्तियों के सोशल मीडिया खाते तक पहुंचने के लिए फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सऐप के मालिक मेटा को लिखा है और फेसबुक पेज भगत सिंह फैन पेज जैसे सदस्यों की संख्या आदि का विवरण मांगा है। यह पेज आरोपी द्वारा बनाया गया था और बाद में हटा दिया गया। (शेष पेज 9)

आबकारी नीति मामले में ईडी ने केजरीवाल को 21 दिसंबर को तलब किया

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 21 दिसंबर को पूछताछ के लिए नया समन जारी किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। संघीय एजेंसी ने पहली बार उन्हें दो नवंबर को पेश होने के लिए बुलाया था, लेकिन वह यह आरोप लगाते हुए जांच एजेंसी के समक्ष उपस्थित नहीं हुए कि नोटिस अस्पष्ट, (राजनीति से) प्रेरित और कानून के मुताबिक विचारणीय नहीं था। अधिकारियों ने कहा कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल को भेजा गया समन कथित दिल्ली आबकारी नीति मामले में पूछताछ और धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत उनका बयान दर्ज करने से संबंधित है। आरोप है कि शराब व्यापारियों को लाइसेंस देने के लिए दिल्ली सरकार की 2021-22 की आबकारी नीति को कुछ शराब कारोबारियों को फायदा पहुंचाने के लिए बनाया गया था, जिन्होंने कथित तौर पर इसके लिए रिश्वत दी थी। आप ने इस आरोप का बार-बार खंडन किया है। बाद में नीति को रद्द कर दिया गया और दिल्ली के उप राज्यपाल ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच की सिफारिश की, जिसके बाद ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया। दिल्ली सरकार के अधिकारियों ने शनिवार को कहा था कि केजरीवाल 19 दिसंबर को एक अज्ञात स्थान पर 10 दिवसीय विपश्यना ध्यान कार्यक्रम के लिए रवाना होंगे। इससे पहले आप नेता मनीष सिसोदिया और संजय सिंह को आबकारी नीति मामले में गिरफ्तार किया गया था। दूसरी ओर आम आदमी पार्टी ने आबकारी नीति मामले को फर्जी और झूठा करार दिया। आप के राज्यसभा सदस्य संदीप पाठक ने संवाददाताओं से कहा कि उनके वकील नोटिस का अध्ययन कर रहे हैं।उन्होंने संवाददाताओं से कहा, प्रधानमंत्री से जो भी सवाल पूछता है वह गिरफ्तार या निलंबित हो जाता है। मोदी, केजरीवाल से डरते और नफरत करते हैं। मोदीजी केजरीवाल की राजनीति और उनके शासन के दिल्ली मॉडल से बेहद डरते हैं।

सज्जन जिंदल ने रेप के आरोप को झूठा और निराधार बताया

● बयान में जांच में पूर्ण सहयोग के लिए जिंदल की प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई और इस अवधि के दौरान परिवार के लिए गोपनीयता का अनुरोध किया गया

एजेंसी। नई दिल्ली

जेएसडब्ल्यू एनर्जी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, सज्जन जिंदल ने रविवार को जारी एक बयान में अपने खिलाफ बलात्कार के आरोपों का जोरदार खंडन किया और उन्हें 'निराधार' बताया। बयान में चल रही जांच में पूर्ण सहयोग के लिए जिंदल की प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई और इस चुनौतीपूर्ण अवधि के दौरान परिवार के लिए गोपनीयता का अनुरोध किया गया। एक अभिनेत्री ने कंपनी के मुंबई स्थित बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स मुख्यालय के ऊपर पेंटहाउस में जनवरी 2022 में हुई एक घटना का हवाला देते हुए बुधवार को बीकेसी पुलिस स्टेशन में जिंदल के खिलाफ बलात्कार की शिकायत दर्ज कराई। बताया गया है, शिकायतकर्ता ने अक्टूबर 2021 में दुबई में एक आईपीएल मैच के दौरान एक वीआईपी बॉक्स में जिंदल के साथ अपनी प्रारंभिक मुलाकात का विवरण दिया, जिसके बाद जयपुर में सांसद प्रफुल्ल पटेल के बेटे की शादी में मुलाकात हुई। अभिनेत्री ने दावा किया कि जिंदल ने जनवरी 2022 में कंपनी के मुख्यालय में उसके साथ जबरदस्ती की। दोस्ती बनाए रखने के उसके प्रयासों के बावजूद, जिंदल ने अंततः बातचीत बंद कर दिया और उसका नंबर ब्लॉक कर दिया, और पुलिस से संपर्क करने पर धमकी दी। जिंदल भारत के सबसे प्रमुख कॉर्पोरेट नेताओं में से एक हैं, और फोर्ब्स के अनुसार, उनके परिवार की संपत्ति 29 अरब है। जेएसडब्ल्यू ग्रुप में सीमेंट, स्टील, ऊर्जा और लॉजिस्टिक्स व्यवसाय शामिल हैं और पिछले महीने इसने ऑटोमोबाइल में विस्तार किया जब इसने चीन की एसएआईसी मोटर के साथ एक भारतीय संयुक्त उद्यम समझौते पर हस्ताक्षर किए। 2011 से जिंदल की अध्यक्षता वाले समूह को भारत के तेजी से बुनियादी ढांचे पर जोर देने से लाभ होने की उम्मीद है, जिसने देश को स्टील के लिए सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक बना दिया है। यह उन मुट्ठी भर पारिवारिक समूहों में से एक है जिसका रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा समूह के साथ अर्थव्यवस्था के बड़े हिस्से पर प्रभाव है।

नए भारत का सपना साकार करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी के नौ संकल्प

● देशवासियों के सामने जल बचाओ, वोकल फॉर लोकल, किसान कल्याण जैसे नौ संकल्प रखे, उन्हें पूरा करने की दिशा में काम करने का आग्रह किया

दीपक कुमार झा। वाराणसी

वाराणसी में सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान उनके साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य भी थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को देशवासियों के सामने जल बचाओ, वोकल फॉर लोकल, किसान कल्याण जैसे नौ संकल्प रखे और उन्हें पूरा करने की दिशा में काम करने का आग्रह किया। पीएम ने अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी की यात्रा के दूसरे और अंतिम दिन स्वर्वेद महामंदिर के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा, 'मेरा पहला अनुरोध है कि पानी की हर बूंद बचाएं और अधिक से अधिक लोगों को जल संरक्षण के बारे में जागरूक करें। दूसरा: गांव-गांव जाएं और लोगों को डिजिटल लेनदेन के बारे में जागरूक करें, उन्हें ऑनलाइन भुगतान के बारे में सिखाएं। तीसरा: अपना गाँव, आपना इलाका, अपना शहर स्वच्छता में नंबर एक बनाने के लिए काम करें।' प्रधानमंत्री ने वाराणसी में 19,150 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और राष्ट्र को समर्पित किया, जिसमें नई दिल्ली के लिए नई वंदे भारत भी शामिल थी। प्रधानमंत्री ने अपने यूपी दौरे के दूसरे दिन कहा, 'जब काशी समृद्ध होती है तो यूपी समृद्ध होता है और जब यूपी समृद्ध होता है तो देश समृद्ध होता है।' एक दिन पहले काशी तमिल संगम में पीएम के संबोधन का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के इस्तेमाल से दर्शकों के लिए तमिल भाषा में अनुवाद किया गया था, माना जा रहा इसे देश में पहली बार किया गया है। सोमवार को मोदी ने अपने चौथे संकल्प के साथ प्रस्ताव दिया कि जितना संभव हो सके स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा दें, केवल मेड इन इंडिया उत्पादों का उपयोग करें। पांचवां-जहां तक हो सके पहले अपना देश देखें, अपने देश में ही घूमें और अगर किसी दूसरे देश में जाना हो तो जब तक पूरा देश न देख लें, विदेश जाने का मन नहीं करना चाहिए। (शेष पेज 9)

हमास का हमला पूरी दुनिया के लिए सबक: इजराइली राजनयिक

कुमार चेलप्पन। कोच्चि

● दक्षिण भारत में महावाणिज्य दूत टैमी बेन-हैम ने कहा- सात अक्टूबर को इजराइल के साथ जो कुछ हुआ वह इतिहास में दुर्लभ है

दक्षिण भारत में इज़राइल की महावाणिज्यदूत टैमी बेन-हैम के अनुसार 7 अक्टूबर 2023 को इज़राइल के साथ जो हुआ वह इतिहास में दुर्लभ है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को हमास द्वारा किए गए दुर्भाग्यपूर्ण और चौंकाने वाले हमले पर ध्यान देना चाहिए। राजनयिक ने भारत और अन्य देशों को हमास आतंकवादियों के नापाक मंसूबों के प्रति आगाह किया।

सोमवार को पायनियर को दिए एक विशेष साक्षात्कार में, बेन-हैम ने हमास के कृत्य को सर्वोच्च स्तर का विश्वासघात बताया। उन्होंने कहा, 'फिलहाल हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता हमास द्वारा बंधक बनाए गए 129 बंधकों को सुरक्षित घर वापस लाना है। हालाँकि उन्होंने 7 अक्टूबर को वृद्ध लोगों और छोटे बच्चों सहित 240 लोगों को बंधक बना लिया था, हम 100 लोगों को उनकी हिरासत से छुड़ाने में कामयाब रहे हैं। शेष बंधकों को रिहा कराने के प्रयास पूरे जोरों पर हैं।' बेन-हैम ने कहा कि हमास का इजरायल पर हमला पूरी दुनिया के लिए एक सबक है। 'यह धर्म, संस्कृति या अर्थव्यवस्था पर आधारित हमला नहीं है। यह विश्वासघात का

इजराइल की महावाणिज्य दूत टैमी बेन-हैम

कार्य है और यह ईरान द्वारा दिए गए मौन समर्थन के कारण ही संभव हुआ है। ईरानी सरकार ने हमास को हथियार, हथियार, अरबों डॉलर और अन्य रसद प्रदान की। इजरायली राजनयिक ने कहा, हमास के अलावा हिजबुल्लाह, आईएस और अल कायदा जैसे संगठनों को ईरान से हर तरह की मदद मिल रही थी।

वह इस बात से सहमत थीं कि 7 अक्टूबर के हमलों से इजराइल सतर्क हो गया था। बेन-हैम ने कहा, '2005 के बाद से गाजा में हमारी कोई उपस्थिति नहीं थी क्योंकि हमने वह क्षेत्र छोड़ दिया था और उस पर फ़लस्तीनियों का शासन था। गाजा में एक भी इजराइली नहीं था, लेकिन हुआ यह कि गाजा के शासकों ने पूरा पैसा हमास को प्रांत के तहत सुरंग बनाने के लिए भेज दिया। सुरंगों में जीपों और बख्तरबंद वाहनों के सुरक्षित और तेज़ मार्ग की सुविधा थी। उन्होंने स्कूलों, अस्पतालों और मस्जिदों को हथियारों और सैन्य हार्डवेयर के भंडारगृह के रूप में बदल दिया था। लोगों, खासकर बच्चों और महिलाओं के कल्याण के लिए आया सारा पैसा हमास कमांडरों और जिहादियों की विलासितापूर्ण जीवनशैली में खर्च कर दिया गया।

18 वर्षों तक, हमास ने अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसियों द्वारा दी गई किसी भी वित्तीय सहायता का दुरुपयोग और गबन किया। उन्होंने कहा, इसका इस्तेमाल इज़राइल को नष्ट करने के लिए किया गया था। गाजा और अन्य अरब देशों के साथ हमेशा शांति बनाए रखने वाले इजराइल की ओर से किसी भी प्रकार का कोई उकसावे की कार्रवाई नहीं की गई। लेकिन हमास हम पर हमला करने के मौके का इंतजार कर रहा था।'

इज़राइली राजनयिक ने बताया कि कैसे हमास जिहादियों ने शिशुओं की हत्या की और 18-30 वर्ष की आयु वर्ग की लड़कियों और महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार किया गया, उनके साथ छेड़छाड़ की गई। बैन हैम ने कहा, 'बलात्कार और क्रूर हत्याएं उनकी कार्यप्रणाली हैं। हमास नागरिक आबादी को मानव ढाल के रूप में उपयोग करता है। 7 अक्टूबर की घटना के बाद भी हमास के आतंकी इजरायल पर रॉकेट बरसा रहे थे। आज (18 दिसंबर) उनके हमले का 73वां दिन है। उन्होंने पिछले 70 दिनों के दौरान 1200 रॉकेट दागे हैं और संख्या बढ़ती जा रही है क्योंकि इज़राइल एक कठिन स्थिति का सामना कर रहा है। हमें 129 बंधकों को हमास के कब्जे से छुड़ाना है और देश को आगे के हमलों के खिलाफ मजबूत करना है। हम लेबनान सीमा से हमलों का सामना कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय समुद्र में इजरायली जहाजों पर हमले हो रहे हैं। दुनिया को युद्ध की स्थिति में रखने के लिए ईरान वह सब कुछ कर रहा है जो वह कर सकता है। आतंकवादियों और युवाओं को एके-47 राइफलों और विस्फोटक उपकरणों के उपयोग का प्रशिक्षण देने के लिए ईरान ले जाया जाता है। 1973 में इज़राइल और अरब देशों के बीच 19 दिनों तक चले योम किप्पुर युद्ध में इज़राइल ने जीत हासिल की थी। लेकिन यह एक अलग कहानी थी। वर्तमान लड़ाई में कई नागरिकों को अपनी जान गंवाते हुए देखा गया है। उन्होंने कहा कि ईरान इस नापाक मंसूबों का मूल कारण है। 'यह सभी आतंकवादी संगठनों को एक साथ लाकर मास्टर ब्रेन की भूमिका निभा रहा है। यूरोप, अमेरिकी महाद्वीप और एशिया के देशों को एक साथ बैठना चाहिए और स्थिति पर ध्यान देना चाहिए।' बेन-हैम ने कहा कि इजरायल का ध्यान हमास से बंधकों को छुड़ाने पर है। उन्होंने कहा, 'बाकी चीजें हम बाद में तय करेंगे।'

कार रोकने पर दरोगा ने गुस्से में सिक्योरिटी गार्ड को बेरहमी से पीटा

● दबंगई की करतूत सीसीटीवी कैमरे में कैद, लोगों ने किया हंगामा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा के बिसरख थाना क्षेत्र के लॉ रेजिडेंशियल सोसायटी में एक दरोगा की दबंगई का मामला सामने आया है। यहां बिना स्टीकर लगी कार को रोके जाने से गुस्साए दरोगा ने सिक्योरिटी गार्ड की जमकर पिटाई कर दी। दरोगा की दबंगई की यह पूरी करतूत सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। इस बात की जानकारी जब सोसायटी के लोगों को मिली तो उन्होंने जमकर हंगामा किया।

सिक्योरिटी गार्ड पिटाई को लेकर सोसायटी परिसर में काफी देर तक हंगामा हुआ। दरअसल फेस.3 थाने में तैनात उप निरीक्षक कपिल सिंह लॉ रेजिडेंशियल सोसायटी में पहुंचे। जहां प्रवेश द्वार पर तैनात गार्ड ने बिना स्टीकर लगी कार को अंदर जाने से रोक दिया। गार्ड द्वारा गाड़ी रोके जाने से गुस्साए दरोगा कपिल सिंह ने कार से उतरते ही सिक्योरिटी गार्ड पर थप्पड़ों की बरसात कर दी।

बेबस सिक्योरिटी गार्ड चुपचाप पिटता रहा। हालांकि दरोगा के दबंगई की हरकत एंट्री गेट पर लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। सोसायटी के लोगों को जब इस बात की जानकारी हुई तो उन्होंने सोमवार को जमकर हंगामा किया। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों को भी सोसायटी के लोगों ने जमकर खरी.खोटी सुनाई और कहा कि दरोगा की गुंडई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस मामले को लेकर मीडिया सेल ने बताया कि दोनों पक्षों में आपसी समझौता हो गया है। कोई भी पक्ष कानूनी कार्रवाई नहीं चाहता है। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीसीपी सेंट्रल ने इसकी जांच एसीपी.2 सेंट्रल को सौंपी है। वहीं दरोगा की दबंगई तथा सोसायटी वासियों के विरोध प्रदर्शन की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। जिस पर लोग तरह-तरह के कमेंट्स कर रहे हैं।

फरार सिपाही पर 20 हजार का इनाम घोषित

गाजियाबाद। गाजियाबाद पुलिस ने अपने सिपाही और कचहरी की हवालात से फरार हुए आरोपी पर 20.20 हजार का इनाम घोषित किया है। गाजियाबाद के थाना सिहानी गेट की लोहिया नगर चौकी पर तैनात सिपाही भीम सिंह का पैसे लेते हुए का वीडियो वायरल हो गया था। सिपाही पर मुकदमा दर्ज कर उसको सस्पेंड कर दिया गया था। सिपाही भीम सिंह और फरार आरोपी रितिक पर गाजियाबाद पुलिस ने 20.20 हजार का इनाम घोषित किया है।

मोबाइल ज्यादा चलाने पर डांटा तो किशोर ने लगा ली फांसी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा में एक पिता द्वारा मोबाइल पर ज्यादा समय बिताने पर डांटने से गुस्साए एक किशोर ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वहीं बिशनपुर गांव में भी एक युवक ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। आजकल ज्यादातर युवाओं में पेसेंस का अभाव हो गया है जिसके कारण छोटी छोटी बातों पर वे अपना मानसिक संतुलन खो देते हैं और गलत सही फैसले ले लेते हैं।

मूल रूप से फर्रुखाबाद निवासी जगमोहन सिंह अपने परिवार सहित चिपियाना बुजुर्ग गांव में रह रहे हैं। जगमोहन सिंह गार्ड की नौकरी करते हैं और उनकी पत्नी घर के पास में ही कपड़ों पर प्रेस करने का काम करती हैं। रविवार को उन्होंने अपने 17 वर्षीय बेटे सौरभ को ज्यादा मोबाइल चलाने पर डांट दिया था। जगमोहन की डांट सौरव को इस कदर नागवार गुजरी की उसने घर में जाकर फांसी लगा ली। कुछ देर बाद जब जगमोहन व पत्नी घर पहुंचे तो सौरव फांसी के फंदे पर लटका हुआ था। उन्होंने उसे तुरंत फंदे से नीचे उतारा लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

सूचना पाकर मौके पर पहुंची थाना बिसरख पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। वहीं थाना सेक्टर.58 क्षेत्र के बिशनपुर गांव में किराए पर रहने वाले समीर ने फांसी लगा ली। समीर मूल रूप से पटना बिहार का रहने वाला था और अपने परिजनों के साथ बिशनपुर गांव में किराए पर रह रहा था। मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

संक्षिप्त समाचार

जुंबा के साथ दिया स्वस्थ रहने का संदेश

नोएडा। नोएडा के डीएलएफ मॉल ऑफ इंडिया में एक्टिव नोएडा के तहत निऑन जुंबा फेस्ट का आयोजन किया गया। इस दौरान लोगों ने जुंबा और डांस करते हुए आने वाले नए साल में स्वस्थ रहने का संदेश दिया। जुंबा फेस्ट में लोगों को मौज मस्ती के साथ फिटनेस का मंत्र मिला। कार्यक्रम में कई आर्टिस्टों ने अपना हुनर दिखाया, जिनमें बॉलीवुड डांसर सनम जोहर, गौतम शर्मा, शाइन्स क्रीड ग्रुप और शबीना कुंडियाल ने जुंबा डांस करके अपने रंगारंग प्रस्तुति दी और लोगों का मन मोह लिया। साथ ही लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इससे पहले मॉल में कुक उप चैलेंज का आयोजन हुआ जिसमें प्रसिद्ध शेफ रनबीर बरार ने स्वादिष्ट व्यंजन लोगों को टेस्ट करवाए।

मुआवजा व भूखंड के लिए किसानों ने बनाई रणनीति

नोएडा। किसान एकता संघ द्वारा चौड़ा रघुनाथपुर के बारात घर में पंचायत का आयोजन किया गया। जिसमें 1976 से 1997 तक के किसानों ने अपनी मांगों को लेकर चौड़ा रघुनाथपुर गाँव में पंचायत कर रणनीति तय की। बैठक का नेतृत्व किसान एकता संघ के राष्ट्रीय संरक्षक चौधरी बाली सिंह ने किया। बैठक की अध्यक्षता धीर सिंह राणा मास्टर ने की। बैठक का संचालन प्रदेश अध्यक्ष पंडित प्रमोद शर्मा ने किया। बैठक में 10 फीसदी भूखंड तथा 297 रूपये प्रति की दर से मुआवजा वितरण किये जाने को लेकर बात की गई। जिसमें किसानों के साथ बेरोजगार हुए गांव के विभिन्न जातियों के लोगों के लिए भी 50 मीटर प्लॉट की व्यवस्था पर चर्चा की गई।

मोबाइल टावरों से कीमती सामान चोरी

नोएडा। मोबाइल टॉवरों को निशाना बनाकर चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले गिरोह ने अलग-अलग स्थानों पर लगे मोबाइल टावरों से कीमती उपकरण चोरी कर लिए। यह गिरोह पिछले 6 माह के दौरान 50 से अधिक टावरों पर चोरी की घटनाओं को अंजाम दे चुका है। नोएडा पुलिस प्रशासन काफी दिनों से मोबाइल टॉवरों से उसके उपकरण चोरी करने वालों को खोज रही है। क्यों कि मोबाइल टॉवरों से चोरी होने की कई शिकायतें मिल चुकी हैं। एसजी एनकोन कंपनी के क्यूआर हेड सुशांत त्यागी ने थाना फेस.2 में दर्ज रिपोर्ट में बताया कि चोरों ने भंगेल गांव के पास लगे मोबाइल टावर से ओएफसी केबल टीडीडी जंपर आदि सामान चोरी कर लिया। इसी तरह के एक दूसरे मामले में थाना बिसरख में दर्ज कराई रिपोर्ट में शिवम इन्फ्रोकॉम प्राइवेट लिमिटेड के टेक्नीशियन आमिर जंग ने बताया कि ग्राम यूसुफ पुर के पास लगे टावर से चोरों ने कीमती उपकरण चोरी कर लिए।

इंडिया गठबंधन की बैठक में शामिल होगी सपा: शिवपाल

● विपक्ष के पास प्रधानमंत्री के पद के लिए चेहरों की कमी नहीं: यादव

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

समाजवादी पार्टी के नेता शिवपाल यादव सोमवार को गाजियाबाद पहुंचे। गाजियाबाद में शिवपाल यादव समाजवादी पार्टी के नेता और पूर्व आईएएस चक्रपाणि यादव के घर पहुंचे। शिवपाल यादव दो दिनों से पश्चिम उत्तर प्रदेश के दौरे पर है।

इस मौके पर शिवपाल ने कहा कि 2024 के चुनावों की तैयारी को लेकर लोगो से मिल रहा हु। 2024 का चुनाव हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। इंडिया गठबंधन 2024 के लिए ही बना है। हमारी जिम्मेदारी है समाजवादी पार्टी की जिम्मेदारी है कि उत्तर प्रदेश में हम लोग भारतीय जनता पार्टी को हरा कर भेजे। इसलिए मैं दौरा कर रहा हूं। पूरे प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी वोटर लिस्ट में कोई गड़बड़ी न कर पाए न वोट जोड़ पाए न कटवा पाए। शिवपाल ने कहा कि इंडिया गठबंधन में पीएम के चेहरे की कमी नहीं है। अभी टिकट वितरण है जैसे महत्वपूर्ण काम है। जब बहुमत आ जाता है तो चेहरे भी आ जाते हैं। चेहरे की कमी नहीं है। शिवपाल यादव से जब राष्ट्रीय लोकदल से गठजोड़ की बात पूछी गई तो उन्होंने कहा की राष्ट्रीय लोकदल से किन सीटों पर बातें चल रही है यह अभी हम नहीं बता सकते बताना भी नहीं चाहिए। दिल्ली में होने वाली इंडियन गठबंधन की बैठक में समाजवादी पार्टी भी शामिल होगी।

शिवपाल ने कहा कि हमारे राष्ट्रीय नेता दिल्ली में ही है। इंडियन गठबंधन 2024 के चुनाव के लिए बना है। जो रजयो में चुनाव हुए हैं उनके लिए नहीं बना था। इंडियन गठबंधन जब इकट्ठा होगा तो बीजेपी को देश से हटा देगा। चुनाव में भी इंडियन गठबंधन के अगर वोटो को देखा जाए तो भारतीय जनता पार्टी से ज्यादा मिले हैं। बातचीत दिल मिलने के लिए होती है दिल मिल जाएंगे। जहां-जहां भारतीय जनता पार्टी की सरकार है वहां महंगाई, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी है।

80 आईटी कंपनियों को विद्युत विभाग ने भेजा नोटिस

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा प्राधिकरण और बिजली विभाग के बीच सामंजस्य के अभाव में करीब 80 आईटी कंपनियों को विद्युत विभाग के गुस्से का शिकार होना पड़ रहा है। इसको लेकर उद्यमियों में काफी रोष है। आईटी कंपनियों ने इस बाबत शीर्ष अधिकारियों से शिकायत की है।

आपको बता दे कि नोएडा की 80 आईटी कंपनियों को विद्यत विभाग द्वारा औद्योगिक कनेक्शन पर वाणिज्यिक बिजली का प्रयोग करने पर नोटिस दिया गया है। इसके साथ ही चेतावनी भी दी गई है कि नोटिस के 2 सप्ताह के अंदर टैरिफ सही करा लें, नहीं तो कंपनियों के खिलाफ बिजली चोरी की कार्रवाई की जाएगी। विभाग के मुताबिक औद्योगिक कनेक्शन पर वाणिज्यिक प्रयोग किया जा रहा है। इससे विद्युत अधिनियम का उल्लंघन होने के साथ ही निगम को राजस्व का नुकसान भी उठाना पड़ रहा।

औद्योगिक सेक्टरों की टैरिफ दर वाणिज्यिक कनेक्शन के टैरिफ से कम होती है। ऐसे में उपभोक्ता गलत टैरिफ दर पर बिजली का उपयोग कर रहा है। आपको बता दें कि वाणिज्यिक श्रेणी में 330 रुपये से लेकर 450 रुपये तक प्रति किलोवाट फिक्स चार्ज लिया जाता है। इसके साथ प्रति यूनिट शुल्क भी 7 रुपये 50 पैसे से लेकर 8 रुपये 75 पैसे तक वसूला जाता है।

वहीं औद्योगिक श्रेणी में केवल 290 रुपये प्रति किलोवाट फिक्स चार्ज लिया जाता है। इसके साथ ही 7 रुपये 30 पैसे से लेकर 7 रुपये 90 पैसे तक प्रति यूनिट शुल्क का भुगतान विद्युत विभाग द्वारा वसूला जाता है। एनईए की विद्युत कमेटी के चेयरमैन हरीश जुनेजा ने बताया कि औद्योगिक सेक्टरों में चल रही आईटी कंपनियों को भी सरकार और प्राधिकरण द्वारा औद्योगिक इकाई का

● औद्योगिक कनेक्शन पर वाणिज्यिक बिजली का प्रयोग करने का आरोप, उद्यमियों में आक्रोश, शीर्ष अधिकारियों से की शिकायत

दर्जा दे दिया है। लेकिन विद्युत निगम ने औद्योगिक सेक्टर में चले रही आईटी कंपनियों को औद्योगिक इकाई का दर्जा नहीं दिया। इसी वजह से विद्युत निगम द्वारा आईटी कंपनियों को नोटिस जारी किया जा रहा। इससे आईटी कंपनियों के मालिकों की परेशानी बढ़ रही है।

अलग-अलग सड़क हादसों में महिला समेत तीन की मौत

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

अलग-अलग सड़क हादसों में 3 लोगों की मौत हो गई है। पुलिस ने हादसे में मरने वाले तीनों लोगों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं एक बाइक में टक्कर मारने वाले फ रार वाहन चालक की तलाश शुरु कर दी है। सेक्टर-126 थाना क्षेत्र में एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार महिला की मौत हो गई।

वहीं थाना फेस.2 क्षेत्र में हुए सड़क हादसों में दो युवकों की जान चली गई। आपको बता दे कि रायपुर खादर निवासी सूरजपाल सोमवार सुबह अपनी पत्नी श्यामवती के साथ बाइक से जा रहे थे, कि चरखा गोल चक्कर पर उनकी बाइक में किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इस हादसे में श्यामवती को गंभीर चोट आई। जिसेक बाद श्यामवती को गंभीर हालत में कैलाश अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। वहीं हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। वहीं फेस.2 थाना क्षेत्र के सेक्टर.93 में तेज गति से बाइक चला रहा एक युवक संतुलन बिगड़ने से गिर गया। जिसके बाद तेज रफ्तार बाइक डिवाइडर से टकरा गई। इस हादसे में बाइक चालक युवक को गंभीर चोट आई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक को उपचार के लिए यथार्थ अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

गाजियाबाद की कपड़ा फैक्ट्री में लगी भीषण आग

गाजियाबाद। थाना साहिबाबाद क्षेत्र के मोहन नगर इलाके में कपड़ा फैक्ट्री में आग लग गई। आग इतनी भयंकर है कि उसका धुंआ आसमान तक जा रहा है। आसपास की हाई राइज सोसायटी के फ्लैट तक आग का धुआं जा रहा है।

दमकल की एक दर्जन से अधिक गाड़ियां आग को बुझाने में जुटी है। फिलहाल आग पर काबू नहीं पाया जा सका है। गाजियाबाद के थाना साहिबाबाद इलाके के मोहन नगर क्षेत्र में शाही एक्सपोर्ट कपड़ा फैक्ट्री में भीषण आग लग गई है। आग किन कारणों से लगी इसका पता नहीं चला है।

जूनियर विद्यालयों की बालिकाओं को तकनीकी प्रशिक्षण एवम टूलकिट प्रदान किए जाने हेतु वैन को झंडी दिखाकर रवाना किया गया। वैन प्रत्येक विद्यालय में जाकर 60 घंटे का प्रशिक्षण प्रदान करेगी।

आरआरटीएस ट्रैक के पास होगा टीओडी सर्वे

गाजियाबाद। ट्रांजिट ऑरिएंट डिवेलपमें यानी टीओडी में कौन प्रॉपर्टी शामिल होगी इसके लिए सर्वे होगा। सर्वे पूरा होने के बाद ही टीओडी से कौन प्रॉपर्टी को लाभ मिलेगा फाइनल होगा।

मास्टर प्लान 2031 में टीओडी शामिल किया जा रहा है। जीडीए बोर्ड बैठक में टीओडी प्लान पहले ही पास हो चुका है। टीओडी के लिए अब आरआरटीएस ट्रेन रूट के आसपास के एरिया में फ ायदा होगा। टीओडी को लेकर कई प्रॉपर्टी खरीददार फोकस कर रहे है।

साथ ही टीओड़ी का फायदा होने से एरिया में विकास और गति करेगा। टीओडी से विकास पर जल्दी ही अब जीडीए का फोकस होगा।

इससे जीडीए को जहां मोटा फायदा होगा वहीं विकास को भी टीओडी एरिया में विकास को गति मिलेगी। टीओडी आरआरटीएस के रेलवे रूट के आसपास फोकस होगा। इसी को लेकर ही अब जीडीए प्लानिंग में जुटा है।

चूक से दूसरे के खाते में गए लाखों हड़पे

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● बैंक अधिकारी ने साइबर थाने में दर्ज कराया मुकदमा

तकनीकी खामी से बैंक से एक व्यक्ति के खाते में 26 लाख 15 हजार 905 रुपये ट्रांसफर हो गए। जिसको आरोपी ने तत्काल बैंक के खाते से चेक और ऑनलाइन निकाल कर हड़प लिया। इसको लेकर बैंक के अधिकारी ने साइबर क्राइम थाने में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

पुलिस को दी गई शिकायत में पंकज बांगर ने बताया कि वह एक निजी बैंक में अधिकारी हैं। उन्होंने बताया कि साइबर क्राइम थाने में दर्ज एक मुकदमे में वादी नीरज कुमार के साथ हुई साइबर ठगी में उनके 58 हजार रुपये चले गए थे।

जिसमें तत्काल शिकायत हो जाने के कारण बैंक की तरफसे ठगी के 58 हजार रुपये को फ्रीज कर दिया गया। जिसमें न्यायालय के आदेश के बाद उनके ठगी में गए रुपये को बैंक की तरफसे खाते में वापस किया गया। अधिकारी के मुताबिक इस दौरान तकनीकी खामी की वजह से बैंक से 58 हजार की जगह वादी नीरज कुमार के खाते में कुल 26 लाख 15 हजार 905 रुपये चले गए। जिसको नीरज कुमार ने तत्काल 13 लाख 50 हजार रुपये चेक के जरिए तथा शेष धनराशि ऑनलाइन बैंक के खाते दूसरे खातों में ट्रांसफर कर दिए गए। बैंक की विजिलेंस टीम ने जांच की तो पूरी घटना की जानकारी हुई।

अधिकारी ने बताया इसके बाद बैंक की तरफ से नीरज कुमार को रुपये वापस करने के लिए कहा गया। लेकिन उन्होंने बेईमानी पूर्वक बैंक के रुपये को हड़प लिए। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले में अधिकारी की तरफसे दी गई शिकायत दर्ज कर ली गई है। पुलिस की एक टीम मामले की जांच कर रही है।

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given on behalf of my Client **Mr. Ravinder Singh S/o Sh Harvinder Singh** Presently R/o **1682 Ravenswood Drive, Peterborough, Ontario, K9k 2p7, Canada,** is The lawful owner of Plot No-30,31,32-33 adjacent to each other total area 418.98 meters. **Khasra No-34/1 and 34, Ajitpur, Tehsil Khatouli, Muzaffarnagar, U.P** as per revenue records. The legal and lawful owner Sh. Ravinder Singh has never delivered any original Power of Attorney to **Mr. Vinay Choudhry S/o Yashpal R/o D-45, Sector-3, Ansal Sushant City, Meerut, U.P.** If he uses the unauthorized photocopy of the power of attorney for the aforementioned property. He will be personallyliable for any legal consequences. Anyone engaging based on this photocopy will also be held responsible for their actions.

G.P.Singh (Advocate)
Off: B-8/25, First Floor, Sector-15, Rohini, Delhi-89. # 9811297679

PUBLIC NOTICE

My Clients **Arun Kumar Mahajan** S/o Prithvi Raj Mahajan & his wife **Aruna Mahajan** W/o Arun Kumar Mahajan **R/o-3C, GH-10,Sunder Apartment, Paschim Vihar, New Delhi-87** have debarred & disowned their Son **Rajat Mahajan** from their movable & immovable properties. My Clients have also severed all their relation with him. If anybody deals with him in any manner they do so at their own risk & responsibility.

Ramesh Chander (Adv) Ch. 68, Western Wing, Tis Hazari

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, निर्माण शाखा
उत्तराखण्ड पेयजल निगम, भीमताल (नैनीताल)
दूरभाष कार्यालयः- 05942-247895 Email eecd.btl@gmail.com

पत्रांक : 5693/535/161 — **अल्पकालीन निविदा सूचना** — दिनांक : 18.12.2023

अध्यक्ष, उत्तराखण्ड पेयजल निगम की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु मोहरबन्द निविदा, दिनांक 02.01.2024 अपरान्ह 3:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है, जो उसी कार्यदिवस में अपरान्ह 03:30 बजे उपस्थित निविदादाताओं अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों की उपस्थिति में इस कार्यालय में निविदा समिति द्वारा खोली जायेगी। उक्त दिनांकों में अवकाश घोषित होने की स्थिति में निविदा अगले कार्य दिवस को डाली/खोली जायेगी।

क्र0 सं0	विकासखण्ड	योजना का नाम	धरोहर धनराशि (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य
1	भीमताल	अधौड़ा पेयजल योजना के अन्तर्गत अवशेष कार्य (जल जीवन मिशन)	48000.00	3 माह	500+ जी0एस0टी0

नोट :— 1. नियम एवं अन्य शर्तें किसी भी कार्य दिवस में प्रातः 10.00 बजे से सांय 5.00 बजे तक कार्यालय या नोटिस बोर्ड में देखी जा सकती है।
2. ठेकेदार/ फर्म द्वारा **पाईप लाइन कार्य श्रेणी डी एवं उच्चतर श्रेणी** में पंजीकृत होना अनिवार्य है।

अधिशासी अभियन्ता

''जल संचय -जीवन संचय'' ''कृपया जल स्त्रोतों को प्रदूषित होने से बचाइये''
''जल स्त्रोत बताइये-पेयजल योजना पाइये'' ''जल स्त्रोतों को प्रदूषित करना दण्डनीय अपराध है''

सांकेतिक कब्ज़े की सूचना

ICICI Bank — **शाखा कार्यालय :** आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, कार्यालय संख्या 201-बी, दूसरी मंजिल, रोड नंबर 1 प्लॉट नंबर बी3, वाईफाई आईटी पार्क, वागले इंडस्ट्रियल एस्टेट, ठाणे (पश्चिम)-400604

जबकि

अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए नीचे वर्णित कर्ज़दारों को माँग सूचनाएँ निर्गमित की थीं, जिसमें उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर सूचना में वर्णित राशि का प्रतिभुगतान करने को कहा गया था।

कर्ज़दार/सह-कर्ज़दार/ज़मानतदार राशि का प्रतिभुगतान करने में विफल रहे हैं, अतएव एतद् द्वारा कर्ज़दार तथा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरदाता द्वारा सांकेतिक अधिग्रहण किया गया है जो कि उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के तहत नियम 8 में दर्शाया गया है। संपत्ति तथा अधिग्रहण की तिथि नीचे दर्शाई गई है। एतद् द्वारा विशेष रूप से कर्ज़दार एवं जनसाधारण को संपत्ति के संव्यवहार नहीं करने के लिए सचेत किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार इसमें वर्णित राशि तथा उस पर आगे ब्याज हेतु आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र. सं.	कर्ज़दार/ सह-कर्ज़दार का नाम/ ऋण खाता क्र.	संपत्ति का विवरण/ सांकेतिक कब्ज़े की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	आलोक कुमार सिन्हा एवं सरिता सिन्हा- LBBHP00006071552 & LBSAT00005448356	फ्लैट नंबर जे-601, 6वीं मंजिल, टॉवर नंबर जे, मैक्सब्लिस व्हाइट हाउस, प्लॉट नंबर 17, इको सिटी, सेक्टर-75, गौतमबुद्धनगर, उत्तर प्रदेश, नोएडा- 201301/ दिसंबर 14, 2023	अगस्त 07, 2023 रु. 80,00,727.00/-	भोपाल

उपरोक्त दर्शाए गए कर्ज़दार/सह-कर्ज़दार एवं ज़मानतदारों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें, अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात् अधिग्रहित संपत्ति की नीलामी कर दी जाएगी जो पूर्णतः नियम 8 और 9 प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के अंतर्गत है।

दिनांक : दिसंबर 19, 2023
स्थान : नोएडा
प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लि.

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, **Mohd. Kashif, S/o. Deen** Mohd, R/o. 337/C, Gali No.4, Batla House, Jamia Nagar, Okhla, New Delhi-110025 have declared that my name has been wrongly mentioned in my Passport as Muhammed Kashif instead of Mohd Kashif.

PD(222)A

PUBLIC NOTICE

Plot No.18, Rishabh Vihar, Delhi-92

That our client **Nisha Jain**, proposes to purchases the above said property from **Poonam Kansal d/o late Bimal Prasad Jain**, who has assured our client that she is absolute owner in possession of the above said property vide Surviving Member Certificate as the only class I legal heirs of Late Bimal Prasad Jain who died intestate on 14.03.13 and was owner of said property vide Conveyance deed No.3467 dated 08.08.95.

Under the circumstances, notice is hereby given to the General Public, Bank/Financial institutions or other person/s, organization/s, company/ies, government authority/ies, having any claim, rights, title, or any interest of any nature whatsoever into or upon the said property, is hereby called upon to make the same known, in writing with documentary evidence by registered AD Post to the undersigned at the address mentioned hereinbelow within **07** days of the publication of this notice and in the event no response having been received to the notice, the title of **Poonam Kansal** to the said property shall be deemed to be clear of any claim, charge or encumbrance of any nature whatsoever and any subsequent claim shall not bind our client in any manner whatsoever.

Kumar Amit
9811377525
Advocate
Legal Access
132A, Anarkali Complex, Jhandewalan Ext. New Delhi

प्राधिकरण में 7070 पालतू कुत्तों का पंजीकरण

● नसबंदी के लिए दो एजेंसी की होगी नियुक्ति

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा प्राधिकरण द्वारा पालतू कुत्तों के पंजीकरण की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। 17 दिसंबर तक नोएडा प्राधिकरण के जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा 7070 पालतू कुत्तों का पंजीकरण किया जा चुका है।

जन स्वास्थ्य विभाग खंड 2 के वरिष्ठ प्रबंधक तथा पालतू कुत्तों के पंजीकरण संबंधी कार्यों के नोडल अधिकारी आरके शर्मा ने यह जानकारी दी है। अधिक जानकारी देते हुए नोडल अधिकारी शर्मा ने बताया कि विभिन्न आरडब्ल्यूए तथा एओए समिति से सामंजस्य स्थापित कर नोएडा प्राधिकरण की टीम पालतू कुत्तों का पंजीकरण कर रही है। उनकी टीम नोएडा के विभिन्न सेक्टर में जाकर कुत्तों का पंजीकरण कर रही है। उन्होंने कहा कि यह अभियान लगातार चलता रहेगा। उन्होंने बताया कि पालतू कुत्तों के पंजीकरण के अलावा आवारा कुत्तों की नसबंदी को लेकर भी नोएडा प्राधिकरण का जनस्वास्थ्य विभाग काफी सक्रिय है। उन्होंने अगे कहा कि नसबंदी के कार्य में तेजी लाने के लिए दो अन्य एजेंसियों का भी चयन किया जा रहा है। इसके लिए टेंडर की प्रक्रिया चल रही है। मालूम हो कि अभी तक सिर्फ एक एजेंसी ही आवारा कुत्तों की नसबंदी तथा टीकाकरण का कार्य कर रही है।

अब इनकी संख्या तीन हो जाने से इस कार्य में तेजी आएगी। पहले रोजाना औसत 20 कुत्तों की नसबंदी होती थी, लेकिन अब तीन एजेंसियों के साथ कार्य करने से उनकी संख्या में काफी वृद्धि होने की उम्मीद है। आपको बता दें कि अब तक वर्ष 2019 से लेकर 2023 तक नोएडा प्राधिकरण 26141 कुत्तों की नसबंदी तथा टीकाकरण कर चुका है।

इस वर्ष 3160 कुत्तों की नसबंदी की गई। वहीं वर्ष 2019 में 7249 साल 202 में 6003 साल 2021 में 2794 तथा साल 2022 में 6988 कुत्तों की नसबंदी की गई थी। नोडल अधिकारी शर्मा ने रही कि आवारा कुत्तों की नसबंदी की संख्या में अब और भी तेजी आने की संभावना है।

एनटीपीसी के नोएडा कार्यालय पर किसानों ने शुरू किया धरना

नोएडा। एनटीपीसी से प्रभावित 24 गांवों के किसानों ने आज भारतीय किसान परिषद के बैनरतले सेक्टर.24 स्थित एनटीपीसी के मुख्य कार्यालय पर प्रदर्शन जोरदार धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है। किसानों के उग्र रूप को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने एनटीपीसी के मुख्य कार्यालय को छावनी में तब्दील कर दिया है। धरने के दौरान भारतीय किसान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखवीर खलीफा ने कहा कि एनटीपीसी से प्रभावित गांवों के किसान अपनी विभिन्न मांगों को लेकर लंबे समय से मांग करते आ रहे है, जो वादे भूमि अधिग्रहण करते समय किये गए थे। उन्होंने कहा कि एनटीपीसी की तरफ से जमीन लेते समय कहा गया था कि शिक्षा, रोजगार, और स्वास्थ एवं गांवों के लिए रास्ते होंगे।

पायनियर
नई दिल्ली, मंगलवार, 19 दिसंबर, 2023

मुख्यमंत्री आवास सौंदर्यीकरण मुद्दे पर विस में हंगामा

भाजपा विधायक निर्माण पर खर्च हुए पैसों को लेकर चर्चा की कर रहे थे मांग, मार्शल ने सदन से निकाला

● नेता प्रतिपक्ष रामवीर बिधूड़ी के नेतृत्व में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव लाने को दी गई थी नोटिस

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास के निर्माण पर चर्चा की मांग खारिज किए जाने का विरोध कर रहे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायकों को सोमवार को मार्शल ने दिल्ली विधानसभा से बाहर कर दिया। विधानसभा में विपक्ष के नेता रामवीर सिंह बिधूड़ी के नेतृत्व में विधायकों ने कहा कि उन्होंने इस मुद्दे पर चर्चा के लिए ध्यानाकर्षण प्रस्ताव का नोटिस दिया है।

हालांकि, विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल ने उनकी मांग खारिज कर दी जिसके बाद भाजपा विधायकों ने विरोध शुरू कर दिया। इसके बाद अध्यक्ष ने आप विधायकों को लोक निर्माण विभाग, दिल्ली जल बोर्ड और स्वास्थ्य विभाग के कामकाज में वित्त विभाग द्वारा पैदा की गई कथित बाधाओं के मुद्दे पर चर्चा करने की अनुमति दी।

भाजपा विधायकों का विरोध जारी रहने पर गोयल ने मार्शल को बिधूड़ी के साथ-साथ अभय वर्मा, अजय महावर, मोहन सिंह बिष्ट, अनिल कुमार बाजपेई, विजेंद्र गुप्ता, ओम प्रकाश शर्मा और जितेंद्र महाजन को सदन से बाहर करने का आदेश दिया।

भाजपा केजरीवाल और आम आदमी पार्टी (आप) पर हमला करते हुए लगातार दावा कर रही है कि 2020-22 के दौरान मुख्यमंत्री आवास 6, फ्लैगस्टाफ रोड के नवीनीकरण पर 45 करोड़ रुपए खर्च किए गए। आप इसके जवाब में कहती रही है कि भाजपा इस मामले को उठाकर असली मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। ज्ञात हो भाजपा ने मुख्यमंत्री आवास पर हुए खर्च को लेकर कई बार घेरा है। इस आवास को राजमहल तक कह डाला है।

विधानसभा सदन से बाहर निकाले जाने के विरोध में नारेबाजी करते भाजपा के विधायक। फोटो: रंजन डिमरी।

समन के बावजूद नहीं आए प्रमुख सचिव

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास गोयल ने समन के बावजूद सोमवार को वित्त विभाग के प्रधान सचिव के सदन में उपस्थित नहीं होने का मामला विशेषाधिकार समिति के पास भेज दिया। दोपहर के भोजन से पहले विधानसभा ने सदन के लिए निर्धारित सरकारी धन में कथित रूप से बाधा डालने के आरोप को लेकर वित्त विभाग के प्रधान सचिव एसी वर्मा को दोपहर दो बजे सदन के समक्ष पेश होने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया था। हालांकि वर्मा फिर से उपस्थित नहीं हुए। आवंटित सरकारी धन को मंजूरी देने में कथित रूप से बाधा डालने के लिए वित्त विभाग के प्रमुख सचिव को तलब करने का प्रस्ताव पारित किया।

विस में अधिकारियों की मौजूदगी सुनिश्चित करने का प्रस्ताव पारित

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा ने नियम 280 के तहत सदन में लोगों से जुड़े मुद्दे उठाए जाने के दौरान सभी संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए सोमवार को एक प्रस्ताव पारित किया। यह प्रस्ताव आम आदमी पार्टी के विधायक मोहिंदर गोयल ने पेश किया।

दिल्ली विधानसभा की वेबसाइट के अनुसार, नियम 280 विधानसभा सदस्यों के लिए अपने निर्वाचन क्षेत्र से संबंधित मुद्दों पर सरकार का ध्यान आकर्षित करने का एक महत्वपूर्ण जरिया है। उन्होंने प्रस्ताव पेश करने से पहले कहा, शुक्रवार को विधानसभा सत्र के दौरान मैंने कहा था कि जब हम सदन में जनता से जुड़े मुद्दे उठाते हैं तो अधिकारियों को सदन की दर्शक दीर्घा में मौजूद रहना चाहिए। लेकिन, आज भी यहां स्थिति वैसी ही है। गोयल ने कहा कि तारांकित और अतारांकित प्रश्नों पर चर्चा के दौरान कुछ अधिकारी तो मौजूद हैं, लेकिन पूरी संख्या में नहीं। गोयल ने कहा, अध्यक्ष महोदय, आज मैं आपसे आग्रह करता हूं, कृपया यह सुनिश्चित करें कि अधिकारी उपस्थिति हों, तभी मैं अपने प्रश्न उठाऊंगा। इसके बाद उन्होंने अध्यक्ष के पास एक मौखिक प्रस्ताव पेश किया, जिन्होंने इसे सदन के समक्ष रखा और इसे मंजूरी दे दी गई। अध्यक्ष ने कहा, मैं सचिव से सदन में पारित इस प्रस्ताव को मुख्य सचिव को भेजने का आग्रह करता हूं कि नियम 280 के तहत सभी अधिकारी यहां उपस्थित रहें।

विशेषाधिकार समिति को भेजा गया बेघरों की मौत का मामला

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में इस सर्दी में 203 बेघर लोगों की मौत होने के भाजपा के आरोप से संबंधित मामले को सोमवार को जांच के लिए दिल्ली विधानसभा की विशेषाधिकार समिति को भेज दिया गया।

विधानसभा में विपक्ष के नेता रामवीर सिंह बिधूड़ी ने दिल्ली पुलिस की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए शुक्रवार को शीतकालीन सत्र के दौरान यह आंकड़ा साझा किया था। बुराड़ी से आम आदमी पार्टी के विधायक संजीव झा ने बिधूड़ी के बयान का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने दिल्ली पुलिस की वेबसाइट की पड़ताल की और जून से 15 दिसंबर तक दिल्ली में बेघर लोगों की मौत की संख्या पर महीनेवार आंकड़े मिले। झा ने कहा, जब मैंने मौत का कारण देखा...तो इसे अन्य कारणों के अलावा दुर्घटना या चोट के रूप में उल्लेख किया गया है। झा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा उठाया गया मामला विशेषाधिकार का विषय है और उन्होंने भाजपा पर सदन तथा दिल्ली के लोगों को गुमराह करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। आप नेता ने मामले को संवेदनशील बताया और विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल से मामले को विशेषाधिकार समिति के पास भेजने का आग्रह किया। इसके बाद गोयल ने झा के प्रस्ताव को सदन के समक्ष रखा, जिसने मामले को जांच के लिए विशेषाधिकार समिति को भेज दिया।

भाजपा सांसद मनोज तिवारी के खिलाफ निंदा प्रस्ताव

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● आप नेता दिलीप पांडेय ने संसद में झूठे तथ्यों का हवाला देने का लगाया आरोप

दिल्ली विधानसभा में आम आदमी पार्टी (आप) के मुख्य सचेतक दिलीप पांडेय ने बुराड़ी में तोड़फोड़ अभियान पर संसद में कथित तौर पर झूठे तथ्यों का हवाला देने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद मनोज तिवारी के खिलाफ सोमवार को निंदा प्रस्ताव पेश किया।

आप और भाजपा विधायकों के बीच इस मुद्दे को लेकर आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गया। भाजपा विधायकों का आरोप है कि स्थानीय आप विधायक संजीव झा अभियान के दौरान मौके पर मौजूद नहीं थे, जबकि मनोज तिवारी लोगों के घरों को बचाने के लिए देर रात तक वहां रुके हुए थे। वहीं पांडेय ने कहा कि वह बुराड़ी के विधायक के साथ बुराड़ी गए थे। आप विधायक राखी बिरला ने आरोप लगाया कि तिवारी ने स्थानीय लोगों को यह बताकर गुमराह किया और डराया था कि उनके घरों को तोड़ दिया जाएगा।

इस बीच भाजपा विधायक मोहन सिंह बिष्ट ने कहा कि अगर कोई विधानसभा का सदस्य नहीं है तो उसका नाम चर्चा के लिए लाया जाना चाहिए। उन्होंने मुद्दे पर तिवारी के रुख का भी समर्थन किया।

विपक्ष के नोटिस पर नहीं कराई जाती चर्चा : बिधूड़ी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर सोमवार को विधानसभा में अध्यक्ष ने चर्चा नहीं होने देने और विधायकों को मार्शल द्वारा सदन से बाहर करवा देने को नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने इसे सरकार की तानाशाही और लोकतंत्र की हत्या करार दिया है।

बिधूड़ी ने बताया कि भाजपा विधायक अजय महावर ने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से इस मुद्दे को उठाने का नोटिस दिया था जिसे अध्यक्ष ने स्वीकार भी कर लिया था। जब सोमवार को उन्होंने इस मामले पर चर्चा की मांग की तो अध्यक्ष ने साफ इनकार कर दिया। बिधूड़ीर के नेतृत्व में भाजपा के विधायकों ने अध्यक्ष को बार-बार याद दिलाया कि विपक्ष को नजरअंदाज किया जा रहा है और उनके द्वारा दिए गये विषयों पर चर्चा नहीं कराई।

पैनिक बटन के नाम पर हुआ करोड़ों का घोटाला : भाजपा

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने राजधानी में बसों और टैक्सियों में पैनिक बटन लगाने के नाम पर करोड़ों रुपये के घोटाले का आरोप लगाते हुए इस मामले को सदन में उठाया। उन्होंने कहा कि महिला सुरक्षा के नाम पर हुए इस घोटाले की जांच एंटी करप्शन ब्यूरो ने की है और अपनी रिपोर्ट में कहा है कि इस घोटाले से दिल्ली के खजाने से करोड़ों रुपये लूटे गए हैं। बिधू ी ने सदन में मौजूद परिवहन मंत्री से वक्तव्य की मांग की लेकिन उन्होंने इस पर कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया। बिधूड़ी ने नियम-280 के तहत विधानसभा में यह मामला उठाते हुए कहा कि महिलाओं की सुरक्षा सर्वोपरि है और परिवहन विभाग ने यही दावा करते हुए इसके लिए पैनिक बटन लगाने का फैसला किया था। एंटी करप्शन ब्यूरो ने जब इसकी जांच की तो कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए।

उपराज्यपाल ने दी हेड कांस्टेबल पर मुकदमा चलाने की मंजूरी

● 2.44 करोड़ रुपये के सरकारी धन गबन का मामला, इस साल के शुरू में 10 पुलिस अधिकारियों के खिलाफ हुई थी कार्रवाई

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उपराज्यपाल (एलजी) विनय कुमार सक्सेना ने 2.44 करोड़ रुपये के सरकारी धन के गबन से जुड़े मामले में हेड कांस्टेबल विजय पाल के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी है। एलजी का यह निर्णय इस साल की शुरुआत में दिल्ली पुलिस के 10 अन्य अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी के बाद आया है। एलजी ने सबूतों की जांच के बाद, मंजूरी को उचित ठहराते हुए, विजय पाल के खिलाफ प्रथम दृष्टया मामला निर्धारित किया।

ताजा घटनाक्रम में, सक्सेना ने हेड कांस्टेबल विजय पाल के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए गृह विभाग के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है, जिस पर अन्य पुलिस अधिकारियों के साथ धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश और आपराधिक विश्वासघात का आरोप है। इन लोगों पर वेतन, एरियर और ट्यूशन फीस आदि के फंड को अपने निजी इस्तेमाल में गबन करने

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना

का आरोप लगाया गया है। सक्सेना ने दिल्ली पुलिस को विजय पाल (हेड कांस्टेबल), ट्रैफिक का मामला शीघ्र प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था और जिसके बाद 30 अक्टूबर अभियोजन स्वीकृति के लिए अनुरोध किया गया था। राज निवास के अधिकारी ने कहा, अभियोजन मंजूरी के लिए मामले का समर्थन करते हुए, 2009 से 2019 तक के आरोपी के बैंक खाते का विवरण दिल्ली पुलिस द्वारा प्रस्तुत किया गया।

जांच में पता चला कि गबन की गई राशि आरोपी व्यक्तियों के खातों में जमा की गई है, जिन्होंने अपने कमीशन के रूप में राशि का लगभग 20 फीसदी रखने के बाद अवैध कमाई को आरोपी अनिल कुमार और उसके रिश्तेदारों के खाते में स्थानांतरित कर दिया। 10 अधिकारियों के खिलाफ एलजी की पिछली मंजूरी के बाद गृह विभाग को विजय पाल का मामला प्रस्तुत किया जो कथित अपराधों के दौरान यातायात विभाग में था।दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने इस मामले में 2019 में धारा 409, 420 और 120बी के तहत एफआईआर दर्ज की थी। आरोपियों को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था, और चार व्यक्तियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया गया था, शेष छह आरोपियों के लिए मंजूरी मांगी गई थी।

रिश्वत लेने के मामले में सरकारी डॉक्टर के खिलाफ जांच की अनुमति

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने दिल्ली सरकार की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) को मालवीय नगर स्थित पंडित मदन मोहन मालवीय अस्पताल के एक डॉक्टर के खिलाफ एक निजी एजेंसी को सुरक्षा सेवा देने के टेंडर मामले में चार लाख रुपये रिश्वत लेने के मामले में जांच की अनुमति दे दी है। उपराज्यपाल ने अनुबंध के आधार पर लगे माइक्रोबायोलॉजिस्ट डॉ. दिनकर कुमार के खिलाफ जांच करने के लिए एसीबी को भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम, 2018 की धारा 17 ए के तहत पूर्व अनुमति देने के लिए सतर्कता निदेशालय (डीओवी) के एक प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। सक्सेना ने कहा कि उनका मानना है कि डॉक्टर के खिलाफ लगाए गए आरोपों की जांच करना न्याय के हित में है और डीओवी को एक महीने के भीतर उनकी संविदा समाप्ति पर स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

मिनी बस चालक ने अधेड़ को बोनट पर घसीटा

● लाजपत नगर में रविवार को हुई घटना सोशल मीडिया पर वायरल

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के लाजपत नगर इलाके में एक मिनीबस ने एक व्यक्ति को कथित तौर पर टक्कर मार दी और उसके बाद पीड़ित व्यक्ति को कुछ दूरी तक बोनट पर भी घसीटा गया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह घटना रविवार रात हुई, जिसके वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हुए हैं। एक वीडियो में व्यक्ति चलती गाड़ी के बोनट पर नजर आ रहा है जबकि दूसरी वीडियो में वह बोनट से नीचे उतरता हुआ दिख रहा है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि रविवार रात करीब साढ़े 11 बजे एक पीसीआर कॉल आई। कॉल करने वाले व्यक्ति ने आरोप लगाया कि लाजपत नगर इलाके में एक मिनी बस के चालक ने उसे टक्कर मार दी और कुछ दूर तक उसे अपने वाहन के बोनट पर घसीटते हुए ले गया।

राजधानी में सीएम अरविंद केजरीवाल पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात करते हुए।

केजरीवाल ने ममता बनर्जी से की मुलाकात

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने विपक्षी गठबंधन इंडिया की बैठक से एक दिन पहले सोमवार को यहां पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात की। टीएमसी सांसद एवं बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के साउथ एवेन्यू आवास पर लगभग 45 मिनट की बैठक में हुई चर्चा पर केजरीवाल ने कोई टिप्पणी नहीं की। शाम को केजरीवाल महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से भी मुलाकात कर सकते हैं।

समीर महेंद्रू की जमानत याचिका खारिज

नई शराब नीति मामला

● स्वास्थ्य आधार पर सुप्रीम कोर्ट से जमानत देने का किया था अनुरोध

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने कथित दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में शराब कारोबारी समीर महेंद्रू की जमानत याचिका खारिज कर दी है। कारोबारी ने स्वास्थ्य आधार पर जमानत का अनुरोध किया था।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति एस.वी.एन. भट्टी की पीठ ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), दिल्ली की रिपोर्ट पर गौर किया जिसमें कहा गया कि महेंद्रू किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित नहीं हैं। शीर्ष अदालत ने 11 दिसंबर को एम्स से महेंद्रू की स्वास्थ्य जांच के लिए एक मेडिकल बोर्ड गठित करने को कहा था। आरोपी ने दावा किया था कि वह पीठ और घुटने की समस्याओं सहित विभिन्न बीमारियों से ग्रसित हैं। पीठ ने एम्स से यह भी पूछा था कि वह अपनी रिपोर्ट में यह बताए कि क्या उन्हें किसी इलाज की जरूरत है और क्या यह जेल में उपलब्ध कराया जा सकता है। पीठ ने 15 दिसंबर को मेडिकल रिपोर्ट पर विचार करते हुए महेंद्रू की ओर से पेश वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ दवे से कहा, अब, हमारे पास एम्स की एक रिपोर्ट है। इसमें कहा गया है कि कुछ भी गंभीर नहीं है। दवे ने जवाब दिया, यह किस तरह की रिपोर्ट है, चिकित्सकों ने एमआरआई स्कैन किए बिना ही अपनी रिपोर्ट दे दी है।

अरुण पिल्लई को दो सप्ताह के लिए रिहा

नई दिल्ली। कथित दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से संबंधित धन शोधन के एक मामले में गिरफ्तार हैदराबाद के व्यापारी अरुण रामचंद्र पिल्लई को उनकी पत्नी की बीमारी के कारण दो सप्ताह की अंतरिम जमानत प्रदान की।

संक्षिप्त समाचार

अत्याधुनिक पिस्तौल और 14 जिंदा कारतूस बरामद, आरोपी पुलिस गिरफ्त में।

डकैती समेत 22 मामलों में वांछित गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने डकैती समेत 22 मामलों में वांछित एक आर्म्स डीलर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से अत्याधुनिक स्वचालित पिस्तौल, चार देश निर्मित पिस्तौल और 14 जिंदा कारतूस बरामद किए है। आरोपी डीलर की पहचान दिलशाद आलम के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार एक गुप्त सूचना के आधार ट्रेप लगाया गया। पुलिस ने एक व्यक्ति को अपनी पीठ पर बैग ले जाते देखा, संदिग्ध ने पुलिस टीम की हरकत को भांप लिया और भागने की कोशिश की, लेकिन टीम के सदस्यों ने उसे भागने नहीं दिया और उसे तुरंत काबू कर लिया गया। दिलशाद आलम के खिलाफ दिल्ली के विभिन्न थानों में कई मामले दर्ज है। पूछताछ के दौरान आरोपी दिलशाद आलम उने खुलासा किया कि वह तिहाड़ जेल में बंद अपने सहयोगी के निर्देश पर हथियारों की आपूर्ति कर रहा था। सहयोगी ने उसे एक व्यक्ति से खेप लेने और आगे के निर्देशों का इंतजार करने के लिए कहा था।

रोड रेज हत्या के मामले में दो लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के टैगोर गार्डन मेट्रो स्टेशन के पास रोड रेज की घटना में 56 वर्षीय एक व्यक्ति की कथित तौर पर हत्या करने के मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, रविवार शाम करीब साढ़े पांच बजे राजौरी गार्डन पुलिस थाना अंतर्गत टैगोर गार्डन मेट्रो स्टेशन के पास रोड रेज (गाड़ी चलाने के तरीके से नाराज एक वाहन चालक का दूसरे चालक के प्रति आक्रामक या हिंसक व्यवहार) की एक घटना हुई। अधिकारी ने बताया कि रविंदर सिंह नाम के व्यक्ति पर हमला किया गया। उन्होंने बताया कि घटना में सिंह की मौत हो गई। अधिकारी ने कहा, हालांकि, सिंह के परिवार के सदस्य आरोपी के वाहन का नंबर नोट नहीं कर सके। वे (परिवार के सदस्य) केवल इतना बता पाए कि गाड़ी सफेद रंग की हुंदै क्रेटा थी।

पूर्वोत्तर के पारंपरिक संगीत-नृत्य से संस्कृति को मिला बढ़ावा

कनॉट प्लेस के सेंट्रल पार्क में दिल्ली पर्यटन विभाग ने किया दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली सरकार के पर्यटन मंत्रालय द्वारा उत्तर-पूर्वी भारत की संस्कृति से जुड़ा दो दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन उत्तर पूर्व क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र संस्थान के सहयोग से सेंट्रल पार्क आयोजित किया गया।

इस महोत्सव में सभी पूर्वोतर राज्यों के पारंपरिक संगीत और नृत्य रूपों का प्रदर्शन किया गया, जो दिल्ली के निवासियों के लिए एक दुर्लभ उपहार है। लोक विधाओं को बढ़ावा देने के साथ-साथ प्रत्येक दिन के कार्यक्रम का समापन आधुनिक रॉक एवं फ्यूजन बैंड के साथ किया गया। भारत का उत्तर-पूर्व क्षेत्र, भारत

दिल्ली सरकार के पर्यटन मंत्रालय द्वारा उत्तर-पूर्वी भारत की संस्कृति से जुड़ा सांस्कृतिक कार्यक्रम में नृत्य करते कलाकार।

की सांस्कृतिक समृद्धि में सुंदरता और विशिष्टता को जोड़ता है। जब संगीत की बात आती है, तो पूर्वोत्तर में प्रतिभा की कोई कमी नजर नहीं आती है। इस कार्यक्रम के माध्यम से, दिल्ली की केजरीवाल सरकार ने यह सुनिश्चित किया कि दिल्ली की विविध आबादी, सहयोगी राज्यों की अविश्वसनीय संस्कृति से सीखने और उसकी सराहना करने के लिए एक साथ आए। कार्यक्रम में आए लोगों को संबोधित करते हुए पर्यटन मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि हमें बेहद खुशी हो रही है, कि दिल्ली सरकार ने आज उत्तर पूर्वी भारत में रहने वाले भाइयों के लिए एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया है। मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली की अर्थव्यवस्था में उत्तर पूर्वी भारत के रहने वाले लोगों का बड़ा योगदान है।

कार्यक्रम में आए लोगों को एक भरोसा दिलाते हुए मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि अक्सर हमारे उत्तर भारतीय साथियों से एक शिकायत सुनने को मिलती है, कि दिल्ली के लोग उनका सम्मान नहीं करते उनके साथ गलत व्यवहार किया जाता है। भारद्वाज ने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से दिल्ली कि केजरीवाल सरकार की यह कोशिश है, कि उत्तर भारत से आने वाले हमारे साथियों को सम्मान दिया जा सके।

अलग-अलग संस्कृतियों से बढ़ेगा सौहार्द: भारद्वाज

भारद्वाज ने बताया कि दिल्ली सरकार की यह कोशिश है कि देश के अलग-अलग राज्यों की कला और संस्कृति को पूरे देश के सामने प्रस्तुत किया जाए, ताकि अलग-अलग राज्यों में रहने वाले लोग एक दूसरे की कला संस्कृति को समझें, और आपसी सौहार्द लोगों के बीच में बढ़े, आने वाले समय में सरकार इसी प्रकार के और भी अलग-अलग संस्कृति और अलग-अलग राज्यों से जुड़े सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन दिल्ली में करने जा रही है।

पत्रकारों के हित में मनोहर सरकार ने कई अहम फैसले लिए: नवीन गोयल

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सिविल लाइंस में निर्माणाधीन प्रेस क्लब साइट का किया दौरा

शहर के सिविल लाइंस में जर्नलिस्ट एसोसिएशन गुरुग्राम की ओर से निर्मित किये जा रहे प्रेस क्लब की निर्माणाधीन साइट का दौरा करने सोमवार को पर्यावरण संरक्षण विभाग भाजपा हरियाणा के प्रमुख एवं एक भारत श्रेष्ठ भारत कमेटी के प्रदेश सह-संयोजक नवीन गोयल पहुंचे। प्रेस क्लब साइट की खुशी जाहिर करते हुए उन्होंने कहा कि मनोहर सरकार प्रदेश में पत्रकारों के हित में बेहतरीन काम कर रही है।

इस अवसर पर जर्नलिस्ट एसोसिएशन गुरुग्राम के प्रधान संजय यादव, वरिष्ठ उप-प्रधान दीपक आहुजा, उप-प्रधान राज वर्मा, धर्मबीर शर्मा, सहसचिव देवेंद्र भारद्वाज, प्रवक्ता संजय कुमार मेहरा, कार्यालय सचिव संजय चौहान समेत एसोसिएशन के काफी सदस्यों ने नवीन गोयल का बुके देकर स्वागत किया। प्रेस क्लब का निरीक्षण करते हुए नवीन गोयल ने कहा कि बेहतर सुविधाओं के साथ इस जगह का बेहतर इस्तेमाल होगा। हरे-भरे पेड़ों के बीच प्रकृति की गोद में यह स्थान है। स्वाभाविक है कि यहां का प्रदूषण स्तर भी कम होगा। इस क्षेत्र में पेड़-पौधों की संख्या और भी बढ़ाई जाए। इस पर एसोसिएशन पदाधिकारियों ने जानकारी दी कि निर्माण कार्य पूरा होने के बाद यहां पेड़ लगाकर हरियाली और बढ़ाने का काम किया जाएगा। नवीन गोयल ने कहा कि मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ है। मीडिया के साथ सामन्जस्य स्थापित करके केंद्र और प्रदेश सरकार काम कर रही है। मीडिया के माध्यम से ही सरकार की योजनाएं जन-जन तक पहुंच रही हैं। मीडिया से मिली जानकारियों से जनता सरकार की योजनाओं का लाभ भी उठा रही है। नवीन गोयल ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा पत्रकारों के हित में काम करते हुए पत्रकारों की पेंशन राशि 15 हजार रुपये की है। यह भी बड़ा कदम है। पत्रकारों को पेंशन के अलावा बीमा आदि का भी लाभ देने की घोषणा मुख्यमंत्री ने पिछले दिनों की है। नवीन गोयल ने कहा कि लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ मीडिया की समाज के निर्माण में भी अहम भूमिका होती है। ऐसे में मीडिया की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह सकारात्मक कार्यों को जनता के समक्ष प्रमुखता से प्रस्तुत करे।

नवीन गोयल ने कहा कि आज हम 21वीं सदी में रह रहे हैं। तकनीकी रूप से मजबूत हैं। तुरंत प्रभाव से सूचनाएं तुरंत ही यहां से वहां पहुंच जाती हैं। यह समय प्रतिस्पर्धा का है। ऐसे दौर में पत्रकारों को सही व सटीक सूचनाएं ही अपने समाचार चैनलों, समाचार पत्रों के माध्यम से जनता के बीच पहुंचानी चाहिए। उन्होंने कहा कि मीडिया की साख को बचाकर रखना सब पत्रकारों की जिम्मेदारी है। समाज में जब सब दरवाजे बंद होते हैं तो चौथा स्तम्भ मीडिया दिखाई देता है।

गुरुग्राम के सिविल लाइंस स्थित निर्माणाधीन प्रेस क्लब साइट का दौरा करने पहुंचे भाजपा नेता नवीन गोयल का स्वागत करते संस्था के पदाधिकारी व सदस्य।

संक्षिप्त समाचार

23 को कमला नेहरू पार्क में होगा संकीर्तन महोत्सव

गुरुग्राम। श्री श्याम बजरंग परिवार संघ व श्री श्याम परिवार फाउंडेशन की ओर से आगामी 23 दिसम्बर शनिवार को 17वां मेला श्री श्याम धनी सरकार का गुरुग्राम संकीर्तन महोत्सव-2023 का आयोजन किया जा रहा है। हर साल की तरह इस साल भी भव्यता से यह महोत्सव होगा। कमला नेहरू पार्क में होने जा रहे इस महोत्सव की तैयारियों में संस्था के सदस्य दिन-रात जुटे हुए हैं। श्री श्याम बजरंग परिवार संघ गुरुग्राम व श्री श्याम परिवार फाउंडेशन गुरुग्राम द्वारा इस आयोजन के लिए हर स्तर पर बेहतरीन तैयारियां की जा रही हैं। सायं 6 बजे से प्रभु इच्छा तक यह आयोजन किया जाएगा। इस महोत्सव में बदरवाल ग्रुप के चेयरमैन सुशील भारद्वाज, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नायब सिंह सैनी, गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला, सिरसा के विधायक गोपाल गोयल मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। पलवल के विधायक दीपक मंगला, फरीदाबाद के विधायक नरेंद्र गुप्ता, पर्यावरण संरक्षण विभाग भाजपा हरियाणा के प्रमुख नवीन गोयल, भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मुकेश शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। इस अवसर पर सायं 8 बजे से अमृतमय भंडारा किया जाएगा। महोत्सव में बरसाना वृंदावन से बृज रसिका पूनम दीदी भजनों का रसपान कराएंगीं। इनके अलावा कलकत्ता से राजू शर्मा, गुरुग्राम से शुभम ठाकरान, दिल्ली से आरती शर्मा भजनों की प्रस्तुति देंगे। नरेश पूनिया का म्यूजिकल ग्रुप होगा।

पुलिस ने गांजा बेचने वाले को दबोचा, केस दर्ज

सोहना। भोंडसी पुलिस ने गांजा बेचने के आरोपी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी से तलाशी के दौरान 152 ग्राम गांजा बरामद हुआ। जिसके खिलाफ भोंडसी थाना पुलिस ने मामला दर्ज करने के बाद जांच शुरु कर दी है। रविवार को भोंडसी थाना पुलिस ने सूचना के आधार पर बिहार मूल के राजीव को नया राजकीय स्कूल के पास गाड़ी समेत पकड़ा। पुलिस ने राजीव के पेंट व शर्ट में बनी जेबों की तलाशी ली। तलाशी के दौरान आरोपी राजीव पेंट की जेब में से 36 पुडियां गांजे की बरामद हुई। जिनका वजन कराने में पर कुल 152 ग्राम बैठा। आरोपी राजीव गांजा बेचने और दुकादारों को सप्लाई देने का काम करता है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच शुरु कर दी है।

ग्रामीणों को बिना किसी खर्चे के मिला मकान का मालिकाना हक

सोहना के गांव सरमथला में ग्रामीणो को ड्रोन की जानकारी देते हुए महेश चौहान।

सोहना। हरियाणा व केंद्र सरकार के संयुक्त प्रयासों से गांव-गांव में चलाई जा रही विकसित भारत संकल्प यात्रा जनसंवाद का दौरा आज सोहना खंड के गांव कुलियाका और सरमथला का रहा। इस कार्यक्रम में सैंकड़ों ग्रामीणों की शिकायतों को मौके पर ही समाधान किया गया। सोमवार को खंड के गांव कुलियाका और सरमथला गांव में भाजपा के प्रदेश सचिव महेश चौहान ने मुख्य अतिथि के तौर पर जनसंवाद संकल्प यात्रा में पहुंचे। उन्होंने यहां लगी सभी विभागीय स्टालों का अवलोकन किया और लोगों से सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। पिछले 18 दिनों से निकाली जा रही विकसित भारत संकल्प यात्रा जनसंवाद अभियान को सोहना ब्लॉक के गांवों ने काफी पसंद किया है। गांव कुलियाका में भाजपा प्रदेश सचिव महेश चौहान ने ग्रामीणों को साल 2047 तक पूर्ण रूप से देश को विकसित बनाने की शपथ दिलवाई। गांव सरमथला में भी यात्रा का जोरदार स्वागत किया गया। ग्रामीणों के सामने कृषि विभाग की टीम ने ड्रोन उड़ाकर इससे दवाई स्प्रे करने का नमूना दिखाया। गांव कुलियाका निवासी खुर्शीद और गांव सरमथला निवासी राजकुमार ने कहा कि उनको बिना किसी भाग-दौड़ के अपने मकान का स्वामित्व प्रमाण पत्र मिल गया है। इस मालिकाना हक के मिलने से वे काफी प्रसन्न हैं और इसके लिए हरियाणा सरकार का आभार प्रकट करते हैं।कुलियाका और सरमथला गांव में परिवार पहचान पत्र, आधार कार्ड, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना आदि के लिए ग्रामवासियों से आवेदन करवाए गए। महिलाओं को पौष्टिडुक आहार व मोटे अनाज से बनाए जाने वाले व्यंजनों के बारे में बताया गया। एलडीम कार्यालय की स्टाल पर बैंक से मिलने वाले ऋणों के बारे में ग्रामीणों को जानकारी दी गई। दोनों गांवों में भारी संख्या में लोगों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। मेडिकल कैंप लगाकर ग्रामीणों को टीबी, एड्स, अनीमिया आदि बीमारियों के प्रति जागरूक किया गया। इस मौके पर सरंपच साहुन, अनिल बाल्याण, एसईपीओ बलजीत सिंह, पूर्व सरंपच इजराइल, सरमथला के सरपंच पवन शर्मा, खूबे नंबरदार, जेई दौलतराम, पंचायतीराज के जेई मोमिन, सुलेमान, ग्राम सचिव प्रवीन कुमार, दीपक, प्रवेश कुमार मौजूद रहे।

नागरिक अस्पताल में नर्सिंग ऑफिसर्स ने काले बैज लगाकर की ड्यूटी

अपनी मांगों को लेकर नर्सिंग ऑफिसर्स शांतिपूर्वक कर रहीं हैं आंदोलन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

अपनी मांगों को लेकर जिला की नर्सिंग ऑफिसर्स काले बैज लगाकर शांतिपूर्वक आंदोलन कर रहीं हैं। नर्सिंग ऑफिसर्स की ओर से 15 से 20 दिसम्बर तक इसी तरह से अपनी मांगों के समर्थन में आवाज उठा रहीं हैं।

स्थानीय नागरिक अस्पताल में सीनियर नर्सिंग ऑफिसर निर्मल व नर्सिंग ऑफिसर पूनम सहराय ने बताया कि हरियाणा नर्सिंग वेलफेयर एसोसिएशन के बैनर तले प्रदेश में नर्सिंग ऑफिसर्स अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्वक और ड्यूटी पर तैनात रहते हुए आंदोलन कर रही हैं। नर्सिंग ऑफिसर्स द्वारा वर्षों से मांग की जा रही है कि उन्हें केंद्र सरकार के अधीन नर्सिंग ऑफिसर्स के समान नर्सिंग अलाउंस 7200 रुपये दिए जाएं। साथ ही उन्हें सी ग्रुप से बी ग्रुप में शामिल किया जाए। हर बार सिर्फ आश्वासन मिलते हैं। किसी भी सरकार ने इन दोनों मांगों पर कभी भी गंभीरता नहीं दिखाई। नर्सिंग ऑफिसर्स से उम्मीदें तो बहुत की जाती हैं।

काम बहुत सारे हमारे जिम्मे लगा दिए जाते हैं, लेकिन सुविधाएं देने के मामले में हमेशा नर्सिंग ऑफिसर्स को सरकार दरकिनार कर देती है। उन्होंने कहा कि उनका 15 से 20 दिसम्बर तक का यह शांतिपूर्वक आंदोलन हो रहा है। सरकार को इस बात पर भी ध्यान देना चाहिए कि नर्सिंग ऑफिसर्स अपनी ड्यूटी को पूरी निष्ठा के साथ करते हुए अपनी मांगों को उठा रही हैं। वे ना तो हड़ताल कर रहीं ना धरने दे रहीं।

अस्पतालों में उपचार कराने वाले मरीज किसी भी तरह से प्रभावित नहीं होने चाहिए, अपने इस आंदोलन में नर्सिंग ऑफिसर विशेष ध्यान दे रहीं हैं। नर्सिंग के प्रोफेशन को उन्होंने सेवा के लिए चुना है, लेकिन सरकार नर्सिंग ऑफिसर्स को उनके हकों से वंचित ना रखे। उन्होंने कहा कि सरकार की अनदेखी से नर्सिंग ऑफिसर्स में रोष पनप रहा है। सरकार को बड़ा दिल दिखाते हुए उनकी मांगों को पूरा करके सम्मान बढ़ाना चाहिए। जिन नर्सिंग ऑफिसर्स को सरकार कोविड में तो फ्रंटलाइन वॉरियर बता रही थी, लेकिन अब सरकार सब भूल रही है।

गुरुग्राम के सेक्टर-10 स्थित नागरिक अस्पताल में अपनी मांगों को लेकर काले बैज लगाए हुए नर्सिंग ऑफिसर्स।

राजीव चौक अंडरपास में स्कॉर्पियो बाइक की टक्कर, दो लोगों की मौत

गुरुग्राम के राजीव चौक अंडरपास में दुर्घटना के बाद क्षतिग्रस्त पड़े दोनों वाहन।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

शहर के राजीव चौक के अंडरपास में शनिवार देर रात को हुई एक सड़क दुर्घटना में पांच लोग घायल हो गए। घायलों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। देर रात दो घायलों की मौत हो गई। इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। जानकारी के अनुसार शनिवार की रात को गुरुग्राम शहर से सोहना रोड की तरफ जाते हुए राजीव चौक के अंडरपास से रोजाना की तरह वाहन गुजर रहे थे। इसी दौरान एक स्कॉर्पियो तेज गति में अंडरपास में पहुंची। वह गाड़ी अंडरपास में दो बाइक सवारों से टकरा गई। इस हादसे में बाइक व गाड़ी में सवार पांच लोग घायल हो गये। घायलों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस के मुताबिक स्कॉर्पियो में तीन महिलाओं समेत पांच लोग सवार थे। हादसे की सूचना मिलते ही लोग वहां पर पहुंचे और घायलों को गाड़ी से बाहर निकाला। सिविल लाइंस पुलिस स्टेशन से इंस्पेक्टर पूनम हुड्डा ने सोमवार को जानकारी दी कि घायलों का नागरिक अस्पताल में उपचार चल रहा है। इस दुर्घटना में बाइक सवार सुरेश चंद (55) की और स्कॉर्पियो चालक विपिन यादव (28) की मौत हो गई। एसीपी क्राइम वरुण दहिया ने बताया कि स्कॉर्पियो गाड़ी की रफ्तार तेज थी। गाड़ी में दो महिलाओं समेत पांच लोग सवार थे। इस घटना में सड़क की दूसरी तरफ जा रहे बाइक सवार भी चपेट में आ गए।

महिला पुलिस ने स्कूल में साइबर अपराधों व नशा के खिलाफ छात्र छात्राओं को किया जागरूक

सोहना। महिला पुलिव ने खंड के गांव उल्हावास के राजकीय स्कूल में शिक्षा प्राप्त कर रही छात्राओं को महिलओं और किशोरियों पर होने वाले अपराधिक अपराधों से बचाव के गुर बताएं। अपराधी के खिलाफ किस प्रकार कानून की सहायता लेनी और अपराधी से कैसे निपटना है। सोमवार को महिला चौकी सोहना द्वारा क्षेत्र के गांव उल्हावास के राजकीय उच्च विद्यालय में पढ़ने वाली छात्राओं को अपराधों से निपटने और कानूनी मदद का पाठ पढ़ाया गया। यह कार्यक्रम आईपीएस विकास कुमार के निर्देश पर आईपीएस विरेन्द्र विज उपायुक्त यातायात के मार्ग दर्शन पर एसआई रीना और चौकी प्रभारी मामता ने सयुक्त रुप से किया। इस अवसर पर छात्राओं को महिला व किशोरियों के साथ अपराध को किसी प्रकार से जन्म देते है। अपराधी अपना जाल कैसे-कैसे बिछाते हुए फंसाते है। अपराधी अपनी गलत भावना और सोच से महिला व किशोरियों के साथ किस प्रकार की वारदातों को अंजाम देते है। अपराधी की कौन-कौन सी हरकतों से बच कर रहना चाहिए।

पंजाबी बिरादरी महासंगठन ने मनाई दूसरी वर्षगांठ और पारिवारिक मिलन समारोह

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

पंजाबी बिरादरी महासंगठन गुरुग्राम की ओर से अपनी दूसरी वर्षगांठ एवं पारिवारिक मिलन समारोह धूमधाम से मनाया गया। इस समारोह को धार्मिक बनाते हुए महासंगठन के प्रधान बोधराज सीकरी के नेतृत्व में पांच बार हनुमान चालीसा पाठ भी किया गया।

इस कार्यक्रम में समाजसेविका किरण चोपड़ा को महासंगठन की मुख्य संरक्षक मनोनीत किया गया। दिनेश नगपाल को मुख्य सलाहकार मनोनीत किया गया। प्रधान बोधराज सीकरी ने प्रस्ताव रखा कि जो 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा है, उससे संबंधित एक शोभायात्रा पूरे गुरुग्राम में जनवरी के अंतिम सप्ताह में निकाली जाए। इस प्रस्ताव का सभी ने समर्थन किया। महासंगठन की वर्षगांठ की बैठक में पूरे वर्ष का लेखा-जोखा कोषाध्यक्ष अश्विनी वर्मा ने रखा। उन्होंने बताया कि इस समय बिरादरी के पास 36 लाख से अधिक की राशि बैंक में है।

बोधराज सीकरी ने ओम प्रकाश कथूरिया, रामलाल ग्रोवर, प्रमोद सलूजा, धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामरा, गजेंद्र गोसाई, किशोरी लाल डुडेजा और महिला प्रकोष्ठ में ज्योत्सना बजाज के कार्यों की प्रशंसा की। डॉक्टर अलका शर्मा को भी बिरादरी ने सम्मानित किया। बिरादरी ने एक युवा प्रकोष्ठ का भी गठन किया, जिसका संयोजक सौरभ सचदेव, दमन दीवान को व उमेश ग्रोवर को सह-संयोजक बनाया गया।

बोधराज सीकरी ने महासंगठन की कार्यकारिणी में कुछ सदस्यों को प्रमोट किया व 11 ऑनरेरी ट्रस्टी भी बनाये। गजेंद्र गोसाई को संयुक्त महामंत्री, किशोरी लाल डुडेजा को संयुक्त कोषाध्यक्ष, युधिष्ठिर अलमादी को कार्यकारिणी सदस्य, रवि मनोचा को भी पदाधिकारी बनाया गया। डॉक्टर अशोक तनेजा व संजीव कुमार को चेयरमैन व वाइस चेयरमैन पर मनोनीत किया गया। स्वास्थ्य प्रकोष्ठ में डा. परमेश्वर अरोड़ा को मनोनीत किया गया। उनके साथ डॉ. आर्यन, डॉ. त्रिलोक आहुजा, भारत भूषण आर्य, दलीप लूथरा, युद्धिष्ठिर अलमादी सदस्य बनाए गए।

अशोक आर्य को मुख्य सलाहकार मनोनीत किया। शिखर तनेजा, जगदीश ग्रोवर, डॉ. अशोक दिवाकर, चांद आहुजा, अशोक आहुजा, ब्रह्म कथूरिया, सचिन मनचंदा, राजपाल आहुजा, बलदेव गुगलानी को ऑनरेरी सदस्य बनाया गया। गुरुग्राम होम डेवेलपर्स एसोसिएशन के मुख्य संरक्षक दिनेश नागपाल, गुरुग्राम होम डेवलपर्स के प्रधान नरेंद्र यादव, प्रबंध निदेशक पीके दत्ता भी मौजूद रहे।

गुरुग्राम में पंजाबी बिरादरी महासंगठन की दूसरी वर्षगांठ पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधान बोधराज सीकरी व अन्य सदस्य।

सारथी फाउंडेशन व भारत-तिब्बत सहयोग मंच ने अर्थ सेवियर्स फाउंडेशन में दिए 14500 फूड पैकेट

इससे पहले भी पहुंचाई जा चुकी है खाद्य पदार्थों की सहायता

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

भारत-तिब्बत सहयोग मंच, सारथी फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में बंधवाड़ी गांव स्थित अर्थ सेवियर्स फाउंडेशन में 14500 फूड पैकेट दिए गए। इसमें सीडी इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर-71 का भी योगदान रहा। फाउंडेशन में सहयोग के लिए फाउंडेशन प्रबंधन ने संस्थाओं का आभार जताया।

भारत-तिब्बत सहयोग मंच के प्रांत अध्यक्ष अमित गोयल, सारथी फाउंडेशन की अध्यक्ष लता सिंह ने बताया कि इससे पूर्व भी उनके द्वारा अर्थ सेवियर्स फाउंडेशन व विभिन्न स्कूलों में 11000 फूड पैकेट एक सप्ताह में वितरित किए जा चुके हैं। अब अकेले अर्थ सेवियर्स फाउंडेशन में 14500 फूड पैकेट उपलब्ध कराए गए हैं। वहां रह रहे बेसहारा लोगों के लिए यह सहायता दी गई है। उन्होंने कहा कि नर सेवा नारायण सेवा का ध्येय लेकर संस्थाएं काम कर रही हैं। उन वंचित लोगों को अपने प्रयासों से यह सामग्री उपलब्ध करवाई जा रही है, जो स्वयं से कुछ भी अर्जित नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि हम सब समाज की मुख्यधारा में रहते हुए वंचित लोगों को खाद्य पदार्थों या अन्य सामग्री के रूप में थोड़ा सा भी अंश उपलब्ध कराते हैं तो यह परोक्ष रूप से हमें भगवान कई गुणा करे वापस देते हैं। भगवान का देने का तरीका अलग हो सकता है, जिसे हम कई बार समझ नहीं पाते। अमित गोयल ने कहा कि पहले भी दोनों संस्थाओं ने मिलकर जनसेवा के लिए काम किया है। भविष्य में भी जितना संभव होगा, जनसेवा का काम किया जाएगा। सामाजिक संस्थाओं का उदय इसीलिए होता है कि समाज में वंचित वर्ग का भला किया जा सके। अपनी नेक कमाई में से हमें कुछ हिस्सा समाज के वंचित लोगों की भलाई के लिए लगाना ही चाहिए।

हर धर्म में यह बताया गया है कि अपनी नेक कमाई से हम दूसरों का भला करें। अमित गोयल ने कहा कि किसी भी वंचित व्यक्ति, परिवार को सहायता देना ही सच्ची सेवा कही जाती है।

गुरुग्राम के बंधवाड़ी स्थित अर्थ सेवियर्स फाउंडेशन को खाद्य सामग्री सौंपते सारथी फाउंडेशन व भारत तिब्बत सहयोग मंच के पदाधिकारी।

तीन लाख घरों में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के निमंत्रण अक्षत पहुंचे गुरुग्राम में

गुरुग्राम। अयोध्या में भव्य राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के दिन 22 जनवरी को गुरुग्राम शहर दीवाली जैसे ही जगमगाएगा। इस खुशी में हर परिवार शामिल हो, इसके लिए विश्व हिंदू परिषद ने पूरी योजना तैयार कर ली है। इस कार्यक्रम के महानगर संयोजक यशवंत शेखावत ने सोमवार को बताया कि गांव-गांव, शहर-शहर में 23 दिसंबर से ही धार्मिक रंग बिखरने लगेगा और 22 जनवरी तक दीपावली जैसा माहौल देखने को मिलेगा।

भव्य राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के दिन कैसा माहौल होगा, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इस दिन प्राण प्रतिष्ठा का सीधा प्रसारण दिखाने के लिए केवल गुरुग्राम शहर में ही 150 से अधिक मंदिरों में बड़ी स्क्रीन लगाई जाएगी और मंदिरों सजाया जाएगा। हर परिवार इस उत्सव में शामिल हों सके, इसके लिए 1 से 15 जनवरी निमंत्रण देने का कार्य किया जाएगा। इसके लिए गुरुग्राम शहर को 186 भागों में बांटा गया है, इन 186 भागों में निमंत्रण घर घर पहुंचाने वाली

टीमों का गठन भी कर दिया गया है। यशवंत शेखावत के मुताबिक अयोध्या से पूजित अक्षत गुरुग्राम के सेक्टर-23 के शक्ति मंदिर में पहुंच गए हैं। जहां से उन्हें 23 दिसंबर को 186 कलशों में भरकर सोहना चौक स्थित सिद्धेश्वर मंदिर में लाया जाएगा। सिद्धेश्वर मंदिर से ही सभी टीमें इन अक्षतों को लेकर अपने अपने क्षेत्र में जाकर वितरित करेंगी। यशवंत शेखावत ने बताया कि तीन लाख घरों में श्रीराम जन्म भूमि अयोध्या में पूजित अक्षत के साथ पत्रक व राम मंदिर की फोटो वितरित की जाएगी। नौ हजार से ज्यादा स्वयं सेवक अक्षत वितरण करेंगे। हर भाग में 6 से 7 टोलियां अक्षत वितरण करेंगी और हर टोली में 5 से 10 के बीच स्वंय सेवक शामिल होंगे। अक्षत वितरण से पूर्व शहर में अक्षत कलश यात्रा निकाली जाएगी। इसके लिए भी तैयारियां चल रही हैं।

बजाज आलियांज लाइफ की प्रबंधनाधीन परिसंपत्ति एक लाख करोड़ रुपये के पार पहुंची

पायनियर समाचार सेवा। मेरठ

भारत की अग्रणी निजी जीवन बीमा कंपनियों में से एक, बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस ने अपनी प्रबंधनाधीन परिसंपत्ति (एयूएम) को 1,00,000 करोड़ से अधिक बढ़ाकर आज एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर ली है। यह उपलब्धि कंपनी और इसकी निवेश दक्षता में ग्राहकों के गहरे विश्वास को रेखांकित करता है जो उन्हें उनके दीर्घकालिक जीवन लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक है।

हाल के वर्षों में व्यवसाय के हर पहलू में बजाज आलियांज लाइफ की परिवर्तनकारी यात्रा ने इसे शीर्ष 10 निजी जीवन बीमाकर्ताओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाले बीमाकर्ता कंपनियों में से एक बनने के लिए बल प्रदान किया है। वित्त वर्ष 2020 के 56,085 करोड़ रुपये से 1.8 गुना बढ़कर चालू वित्त वर्ष में इसके एयूएम का 1,00,000 करोड़ रुपये होना इसकी झलक देता है। नवोन्मेषी, ग्राहकोन्मुखी उत्पादों पर जोर, मजबूत ओमनीचैनल वितरण पर बल और ठोस डिजिटल एवं प्रौद्योगिकी ढांचे द्वारा समर्थित शीर्ष स्तरीय सेवाएं इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के प्रमुख वाहक रहे हैं। ऐसे दमदार बदलाव को सक्षम बनाने में ग्राहकों का विश्वास सर्वोपरि है और इस दिशा में की गई हर पहल इस विश्वास को और मजबूत करने के लिए है। बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, तरुण चुघ ने कहा, यह उपलब्धि हमारे अनमोल ग्राहकों द्वारा हम पर जताए गए अटूट विश्वास का प्रमाण है।

बजाज आलियांज लाइफ में, हम इस क्षण के महत्व की गहराई से सराहना करते हैं, जो हमारे ग्राहकों को लगातार सशक्त बनाने और उन्हें उनके जीवन लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करने के हमारे संकल्प को मजबूती देती है। नवाचार और उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता दृढ़ बनी हुई है, क्योंकि ये वो आधारशिलाएं हैं। जिन पर हमारे ग्राहक वित्तीय रूप से सुरक्षित भविष्य के लिए अपना भरोसा बनाए रखते हैं। निवेश के नजरिए से, हम अपने फंडों में मजबूत, जोखिम-समायोजित प्रदर्शन देने, हमारी दीर्घकालिक निवेश रणनीतियों में हमारे ग्राहकों के विश्वास को मजबूत करने के लिए समर्पित हैं।

विभिन्न सही निवेश रणनीतियों और ग्राहकों को सर्वोपरि प्राथमिकता देने की सोच के माध्यम से बजाज आलियांज लाइफ ने विशेष रूप से पिछले 3 वर्षों (अगस्त 2023 को समाप्त) में अपने विकास को गति दी है। बजाज आलियांज लाइफ के लिए व्यक्तिगत नए बिजनेस एपीई (वार्षिक प्रीमियम समतुल्य) में 41.3 प्रतिशत सीएजीआर की वृद्धि हुई है।

जनता की समस्याओं का निपटारा करना ही सरकार का प्रथम उद्देश्य : मूलचंद शर्मा

बल्लभगढ़ सुभाष कॉलोनी स्थित गंगा वाटिका में परिवार पहचान पत्र में त्रुटि दूर करने के लिए लगाया गया विशाल शिविर

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

केबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि पिछले साढ़े नौ सालों में देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार और प्रदेश में मुख्यमंत्री मनोहर सरकार की जो योजनाएं बनी हैं, यदि कोई व्यक्ति उन योजनाओं का लाभ लेने से वंचित रह गया है, तो उन्हें योजनाओं और परियोजनाओं से जोड़कर लाभान्वित किया जा रहा है।

मूलचंद शर्मा की अध्यक्षता में विकसित भारत यात्रा के तहत बल्लभगढ़ सुभाष कॉलोनी स्थित गंगा वाटिका में पीपीपी में त्रुटि सही कराने, आधार कार्ड, उज्ज्वल योजना, पेंशन से संबंधित कार्यों के लिए शिविर का आयोजन किया गया। वहीं इस शिविर में संबंधित विभागों के अधिकारी गण मौजूद रहें। मूलचंद शर्मा ने कहा कि मोदी गारंटी वाले रथ का स्वागत कर लोगों को घर द्वार के नजदीक सभी सरकारी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। सरकार अंत्योदय के सिद्धांत पर चलते हुए पंक्ति में आखिरी व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ देने का कार्य कर रही है।

यह यात्रा प्रदेश के लाखों पात्र नागरिकों को योजनाओं के साथ जोड़ने का कार्य करेगी। हरियाणा सरकार ने परिवार पहचान पत्र के माध्यम से पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ देने का कार्य किया है। अब लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए किसी दफ्तर के चक्कर काटने की जरूरत नहीं, बल्कि अधिकतर योजनाएं व सेवाएं सरल हरियाणा पर ऑनलाइन उपलब्ध हैं। नागरिक अपने खुद के मोबाइल या कंप्यूटर अथवा किसी भी नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर पर जाकर योजनाओं के लिए आवेदन कर सकता है। योजनाओं का लाभ लेना अब बहुत ही आसान हो गया है।

इस मौके पर मूलचंद शर्मा ने उपस्थित बुजुर्गों से उनका हाल चला जाना और आमजन को आने वाली छोटी छोटी समस्याओं को जल्द से जल्द दूर करने का आश्वासन दिया। उन्होंने स्टालों पर जाकर अधिकारियों और कर्मचारियों से सरकारी योजनाओं और परियोजनाओं की बारीकी से जानकारी लेकर अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि परिवार पहचान पत्र सहित अन्य कार्य में लोगों को आ रही दिक्कतों को जल्द से जल्द दूर करें।

जनता की समस्याओं का निपटारा करना ही सरकार का उद्देश्य है। इसके पश्चात केबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने सेक्टर तीन की 160 गज के शिवाजी पार्क के सुंदरीकरण के कार्य का शुभारंभ किया। इस शिविर के मौके पर निगम के कार्यकारी अभियंता ओपी कर्दम, जेई ऋतु बंसल, टीटू पहलवान, नंदराम शर्मा, राकेश गुर्जर, गजेंद्र वैष्णव, जेपी मास्टर, महेंद्र वैष्णव, लोकेश शर्मा गांधी सहित कॉलोनी के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सार्वजनिक सेवाओं को बचाने का मुद्दा कर्मचारी ही नहीं आम जनता का मुद्दा

कर्मचारियों ने मांगों को लेकर बनाई बड़े आंदोलन की रणनीति

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

कर्मचारियों के जनतांत्रिक व नागरिक अधिकारों, सामाजिक न्याय व एकता, बिजली कानून संशोधन व स्मार्ट मीटर राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, रोड ट्रांसपोर्ट कानून तथा लेबर कोड जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के तत्वावधान में कर्मचारी एसेंबली का आयोजन किया गया। जिला सचिव योगेश शर्मा द्वारा संचालित कर्मचारी एसेंबली की अध्यक्षता जिला प्रधान राजेश शर्मा ने की।

इस अवसर पर कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखे गए, जिनमें रोजगार के विस्तार, कर्मचारियों के लिए अलग से वेतन आयोग का गठन करने, कर्मचारियों के जनतांत्रिक एवं राजनीतिक अधिकार, बिजली संशोधन बिल-2023 को वापस लेने, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को रद्द करने तथा रोड ट्रांसपोर्ट विधेयक-2019 और सार्वजनिक परिवहन सेवा के बारे में प्रस्ताव प्रमुख थे। इन प्रस्तावों को कर्मचारी एसेंबली में सभी उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से पारित करके राज्यपाल, विधानसभा अध्यक्ष व नेता प्रतिपक्ष को उपायुक्त पलवल के माध्यम से भेजने का निवेदन रखा गया। कर्मचारी एसेंबली में किसान नेता मास्टर महेंद्र सिंह चौहान व धर्मचंद, सोहनपाल चौहान, सीआईटीयू के नेता रमेशचंद व दरियाब सिंह, रिटायर्ड कर्मचारी संघ के नेता विधूसिंह व ताराचंद विशेष रूप से उपस्थित रहे। कर्मचारी एसेंबली में यूनियन नेता जितेंद्र तेवतिया, हरकेश सौरोत, रमेश डागर, पवन रावत व रामआसरे यादव ने भी सभी प्रस्तावों पर अपने विचार व्यक्त किए। कर्मचारी एसेंबली में प्रस्तुत प्रस्तावों पर बोलते हुए सदस्यों ने कहा कि सार्वजनिक सेवाओं को बचाने का मुद्दा केवल कर्मचारियों का ही नहीं है, बल्कि यह पूरी जानता का मुद्दा है। सरकारी विभागों के निजीकरण, ठेका व छंटनी के खिलाफ और जानता के लिए रोजगार, सस्ती और सुलभ सेवाएं देने के उद्देश्य को लेकर पिछले 30 वर्षों से आंदोलन किए गए हैं। एसेंबली में बोलते हुए सदस्यों ने महसूस किया कि जब तक सेवाओं का लाभ ले रहे उपभोक्ता और कर्मचारी एकजुट होकर संघर्ष नहीं करेंगे, तब तक सार्वजनिक सेवाओं को बचाना बहुत ही मुश्किल काम है। रोटी, कपड़ा, मकान तथा दवाई और पढ़ाई की जरूरत देश के हर व्यक्ति का बुनियादी अधिकार है तथा उसे ये चीजें मौलिक अधिकार के रूप में मिलनी चाहिएं।

उन्होंने कहा कि देश के सभी नागरिकों को मुफ्त स्वास्थ्य शिक्षा और रोजगार देने की व्यवस्था के बाद ही समाज का विकास किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पहले प्रदेश के ज्यादातर गांवों में रोडवेज की बसें पहुंचती थीं, लेकिन रोडवेज में निजीकरण शुरू होने के बाद अब गांव में जाने वाली बसें बंद हो गई हैं। कर्मचारी एसेंबली के समापन से पहले उपस्थित सदस्यों ने एसेंबली में प्रस्तुत किए गए प्रस्तावों को सर्वसम्मति से पारित कर दिया। कर्मचारी एसेंबली में राकेश तंवर, भूपेंद्र शर्मा, विजेंदर कूमिया, राजकुमार डागर, देवेंदर नंबरदार, देवीसिंह सहजवार ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

अवैध शराब की तस्करी करने वालो दो धरे

तस्करों से भारी मात्रा में शराब बरामद

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

डॉ. अंशु सिंगला, पुलिस अधीक्षक पलवल के नेतृत्व में जिला पुलिस द्वारा एक विशेष अभियान शराब तस्करी पर प्रहार करते हुए अवैध शराब तस्करों की धरपकड़ के संबंध में चलाया हुआ है। इसी मुहिम के अंतर्गत थाना चांदहट अंतर्गत चौकी अमरपुर में तैनात हेड कांस्टेबल राजकुमार अपनी टीम के साथ गश्त पर कटेसरा चौक पर मौजूद थे। जहाँ उन्हें सूचना मिली कि डाढोता की तरफ से एक पिकअप गाड़ी में शराब भरकर अलावलपुर की तरफ जाएगी। सूचना के आधार पर टीम ने कटेसरा नाले पर नाकाबंदी कर पिकअप गाड़ी व ड्राइवर को काबू किया।

पिकअप गाड़ी की तलाशी में पांच पेटी किंग फिशर बीयर, पांच पेटी मस्ताना पव्वा, दो पेटी अद्धा मस्ताना, एक कॉल वर्ग बीयर, एक पेटी बुडवाइन्ड बीयर, 24 पव्वा रॉयल स्टैग, छह पव्वा ब्लैक बकार्डी, चार पव्वा आइकॉनिक व्हाइट, 10 पव्वा रॉयल ग्रीन, 12 अद्धा रॉयल स्टैग, दो अद्धा आइकॉनिक व्हाइट, छह अद्धा पलक बकार्डी, चार बोतल ओल्ड मोंक, दो बोतल ब्लेंडर प्राइड, दो बोतल ब्लैक बकार्डी, दो बोतल रॉकफोर्ड, दो बोतल रॉयल ग्रीन, चार बोतल आइकॉनिक व्हाइट मिली। ड्राइवर शराब के बारे में कोई लाइसेंस न पेश कर सका तथा पूछताछ में चालक ने बरामद शराब की तस्करी में शराब ठेकेदार की संलिप्तता बताई। जिसके विरुद्ध अलग से नियम अनुसार कार्रवाई की जा रही है। वहीं दूसरे मामले में थाना कैंप पलवल में तैनात उप निरीक्षक सुरेश कुमार की टीम ने असावटा मोड़ से 11 बोतल अवैध अंग्रेजी शराब मार्का रॉकफोर्ड सहित एक तस्कर आरोपी को धर दबोचा। मामलों में आरोपियों के विरुद्ध संबंधित थानों में आबकारी अधिनियम के तहत अभियोग कर कार्रवाई की जा रही है।

विजय दिवस पर 75 लोगों ने किया रक्तदान

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

विजय दिवस के अवसर पर पलवल डोनर्स क्लब ज्योतिपुंज ने रक्तदान गांव की ओर मुहिम के अंतर्गत रामगढ़ गांव में सभी ग्रामवासियों के सहयोग से एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया । जिसमें 75 लोगों ने बढ़ चढ़कर शिविर में हिस्सा लिया। शिविर का संयोजन बदन सिंह नंबरदार, हरकेश, योगेश और क्लब के संयोजक विकास मित्तल ने किया। शिविर का शुभारंभ गांव के समाजसेवी शिवशंकर, रामप्रसाद, बदन सिंह, डॉ. कुलदीप सिंह, धीरज, शिव शंकर सिंह, पोप सिंह, महेश मुनीम रामगढ़िया, हरिओम, भगत सिंह तेवतिया, हरकेश ने अमर शहिदों को श्रद्धांजलि देकर किया। भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी हरियाणा राज्य की रक्तदान सेवा की उपसमिति के सदस्य एवं पलवल डोनर्स क्लब ज्योतिपुंज के संयोजक विकास मित्तल ने कहा कि जो किसान अन्न उगाकर हमारा पेट भरता है, वही रक्तदान कर लोगों की जान भी बचा सकता है। चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में तमाम तरक्की के बावजूद रक्त को किसी लैब, फैक्टरी या संस्थान में तैयार नहीं किया जा सकता है और न ही मनुष्य को जानवर का खून दिया जा सकता है। रक्तदान करने से लोग कुछ हिचकते हैं, जो गलत है। रक्तदान करना एक उत्तम कार्य है। शिविर संयोजक हरकेश और योगेश ने बताया कि खून के रिश्ते को दुनिया का सबसे अटूट बंधन माना जाता है और अपनी रगों में बहते खून के चंद कतरे दान करके आप अनजाने लोगों से भी खून का रिश्ता जोड़ सकते हैं। शिविर में नौ महिलाओं के साथ साथ लगभग 25 लोगों ने पहली बार रक्तदान करके रक्त की कमी को दूर करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

मानव सेवा समिति सेवा सहायता वर्ष के रूप में मनाएगी 25वीं वर्षगांठ

26 जनवरी को होगा भव्य कार्यक्रम

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

मानव सेवा समिति की कार्यकारिणी की एक महत्वपूर्ण बैठक समिति के कार्यालय मानव भवन सेक्टर-10 में आयोजित की गई। जिसमें समिति की 25 वीं वर्षगांठ सेवा सहायता वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। जिसकी शुरुआत श्री अटल बिहारी वाजपेई जी के जन्मदिन 25 दिसंबर को जरूरतमंदों में 501 कंबल बांट कर की जाएगी।

26 जनवरी को एक सिल्वर जुबली कार्यक्रम आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया। जिसमें समिति के सभी 501 मेंबर भाग लेंगे। मानव सेवा समिति के अध्यक्ष कैलाश शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में पदाधिकारी व क्षेत्र प्रबंधक ऊषा, अरूण बजाज, अमर बंसल, सुरेंद्र जग्गा, राजेंद्र गोयनका, संजीव शर्मा, अरूण आहुजा, दिनेश शर्मा, रोशन लाल बोरड़, वाईके महेश्वरी, बनवारी लाल गुप्ता, संदीप राठी, राजेंद्र बंसल, जितेंद्र मेहता, ओपी परमार, नरेंद्र मिश्रा, राजेश गुप्ता, एमएल चावला, गोविंद वर्मा, प्रदीप टिबरेवाल, बांके लाल सितोनी, वैभव मंगल, राज राठी, रमा सरना, संघमित्रा कौशिक, कमला वर्मा, रेनू चतरथ, सरिता गुप्ता आदि ने भाग लेकर सहयोग प्रदान किया। संस्थापक अमर बंसल की अध्यक्षता में सिल्वर जुबली कार्यक्रम को भव्य व सफल बनाने के लिए एक प्रबंध समिति का गठन किया गया। समिति के महासचिव सुरेंद्र जग्गा ने कहा है कि छह संस्थापक सदस्य शुभकरण साबु, हवा सिंह राठी, कैलाश शर्मा, बलबीर सिंह अरुण बजाज व अमर बंसल द्वारा 26 जनवरी 1999 को मानव सेवा

विकसित भारत संकल्प यात्रा से जरूरतमंदों को मिल रहा योजनाओं का लाभ : त्रिखा

विकसित भारत संकल्प यात्रा-जनसंवाद यात्रा के रथ का फरीदाबाद के मेन मार्केट सैनिक कॉलोनी में हुआ स्वागत

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

विकसित भारत संकल्प यात्रा जन संवाद कार्यक्रमों में लोगों उनके घर द्वार पर सरकारी योजनाओं और परियोजनाओं की जानकारी ऑनलाइन प्लेटफार्म प्रणाली पर मिल रही है। वहीं लोगों की परिवार पहचान पत्र में त्रुटि दूर करने सहित अन्य ऑनलाइन प्लेट फार्म प्रणाली पर अपलोड सरकारी योजनाओं और परियोजनाओं के लाभार्थियों के आवेदन अपलोड किए जा रहे हैं। प्रदेश में चल रही विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत फरीदाबाद के शहरी क्षेत्र में मेन मार्केट सैनिक कॉलोनी, वार्ड 16 में पहुंचने पर वहां के निवासियों ने यात्रा वाहन का भव्य स्वागत किया। विधायक सीमा त्रिखा ने कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की।

विधायक सीमा त्रिखा ने विकसित भारत के संकल्प के साथ मोदी की गारंटी वाली गाड़ी देश के कोने-कोने में पहुंच रही है। अभी तक यह यात्रा हजारों गांवों के साथ-साथ हजारों शहरों में भी पहुंच चुकी है। अमृत मिशन हो या स्मार्ट सिटी मिशन, इनके तहत छोटे शहरों में मूल सुविधाओं को बेहतर बनाया जा रहा है। गरीब हो या मिडिल क्लास हो या संपन्न परिवार हो, हर किसी को सरकारी योजनाओं और सुविधाओं का लाभ मिल रहा है। इसका उद्देश्य देश के कोने-कोने में लोगों को केंद्र सरकार की योजनाओं के बारे में बताना और उसका लाभ उठाने के लिए उन्हें प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा जन संवाद कार्यक्रमों में आयुष्मान भारत, चिरायु कार्ड, जन-धन खाता, हर घर नल से जल, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत जैसी अनेक योजनाएं हैं, जिन्हें इस यात्रा के जरिए जनता के समक्ष रखा जा रहा है। वहीं एलईडी युक्त वैन में सरकार की विभिन्न योजनाओं को दिखाया गया तथा यात्रा के दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित अंत्योदय पर आधारित स्टॉल लगाकर आमजन को जागरूक करते हुए लाभान्वित किया गया। मुख्य अतिथि त्रिखा ने कार्यक्रम में विभिन्न विभागों की ओर से लगाए गए स्टाल का अवलोकन भी किया।

कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग की ओर से टीबी, एनीमिया आदि की जांच, निरोगी हरियाणा के तहत स्वास्थ्य जांच शिविर, आयुष विभाग की ओर से आरोग्य शिविर, योगाभ्यास, क्रिड द्वारा परिवार पहचान पत्र से संबंधित सेवाओं के लिए हेल्प डेस्क, प्रश्नोतरी प्रतियोगिता हुई। मेरी फसल-मेरा ब्योरा व किसानों के लिए कृषि और बागवानी विभागों की हेल्प डेस्क बनाई गई। स्वामित्व कार्ड पंजीकरण और वितरण डेस्क लगाया गया। यात्रा के दौरान कॉमन सर्विस सेंटर का संचालन, मेरा भारत स्वयं सेवकों के पंजीकरण के लिए स्टाल, बैंकिंग सेवाओं के लिए स्टाल, ऋण आवेदनों के लिए हेल्प डेस्क लगाए गए। इस दौरान सत्येंद्र पांडे, प्रवीण चौधरी, पंकज सिवाल, राकेश धुन्ना, पूनम आहूजा, जय किशन, प्रवीण खत्री, सुपर्णा घोष, सुरेश सभरवाल उच्च, अजय भड़ाना, आलोक बेदी, अभिनव जैन, आलोक त्रिखा सहित शासन व प्रशासन के तमाम विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

अयोध्या से अक्षत पहुंचने पर जगह जगह निकली कलश यात्राएं

पलवल। जैसे जैसे श्री राम मंदिर उद्घाटन की तारीख नजदीक आ रही है, वैसे वैसे श्री राम भक्तों में उत्साह बढ़ता ही जा रहा है। श्री राम मंदिर उद्घाटन के लिए निमंत्रण देने के लिए पलवल में अनेक जगह कलश यात्राएं निकाली गईं। यह जानकारी देते हुए विहिप के नगर संयोजक शैलेंद्र सिंगला ने बताया कि श्री राम जन्मभूमि से आए अक्षत को लेकर पलवल में लगभग दो दर्जन स्थानों से एक साथ कलश यात्राएं निकाली गई हैं। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम को भव्य रूप देने के लिए कार्यक्रम का नगर पालक अनिल मोहन मंगला, सह संयोजक गौरव भार्गव व संजय वर्मा को बनाया गया है। उन्होंने बताया कि सोमवार को एसआरएस सेक्टर -6 आलापुर, हुड्डा सेक्टर-2 पलवल, हाउसिंग बोर्ड पलवल, जंगेश्वर मंदिर, धर्मनगर कल्याण इंक्लेव, कृष्णा कॉलोनी शमशाबाद, इस्लामाबाद, सल्लागढ़ मंदिर, आदर्श कॉलोनी न्यू एक्सटेंशन, न्यू कॉलोनी, कुसलीपुर, शिव विहार, शेखपुरा, प्रकाश विहार, बसंत विहार, कैलाश नगर, तुहीराम कॉलोनी, बढ़ा मोहल्ला, नयागांव, कलूटी मंदिर, दुर्गा मंदिर, मालगोदाम रोड, कामेश्वर महादेव मंदिर अलावलपुर, देवी का मंदिर कमेटी चौक, कृष्णा कॉलोनी, दयानंद स्कूल पातली गेट, भाटिया कॉलोनी, मोती कॉलोनी, सैनी नगर, वैष्णो देवी मंदिर, दाऊ जी मंदिर, असावटा आदि लगभग दो दर्जन स्थानों से कलश यात्राएं निकाली गईं।

संक्षिप्त समाचार

स्टार्टअप में पीएम मोदी ने बनाया भारत को बड़ी ताकत

फरीदाबाद। पूर्व मंत्री विपुल गोयल ने भारतीय कंपनी सचिव संस्थान के वार्षिक उत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। इस मौके पर विपुल गोयल ने कहा कि मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों ने भारत को दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना दिया और जल्द ही पांच ट्रिलियन इकोनॉमी भी बन जाएगा। विपुल गोयल ने कहा कि आज दुनियाभर में स्टार्टअप कंपनी के मामले में हम चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं और देश के दो शहरों में सबसे ज्यादा स्टार्टअप लग रहे हैं। जो दिखाता है कि देश का युवा अब स्वरोजगार की तरफ जा रहा है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के जरिए हरियाणा और देशभर में जिस तरह का काम मोदी सरकार और बीजेपी की राज्य सरकारों ने किया है, उसकी वजह से देश के लघु उद्योगों को एक नई संजीवनी मिली है। विपुल गोयल ने कहा कि आजादी के अमृत काल में मोदी ने जो विकसित भारत का नारा दिया है, अगर 2047 तक हमें विकसित भारत बनाना है तो जरूरी है कि नौकरी पाने की बजाय हम नौकरी देने की दिशा में आगे बढ़ें। उसके लिए जरूरी है कि प्राइवेट सेक्टर का विकास। जितने ज्यादा स्टार्टअप देश में आएंगे, जितनी ज्यादा कंपनियां आगे बढ़ेंगी, उतने ही रोजगार के अवसर पैदा होंगे। विपुल गोयल ने कहा कि कंपनियों को आगे बढ़ाने में कंपनी सेक्रेटरी और चार्टर्ड अकाउंटेंट जैसे पेशेवर लोग इंजन की तरह काम करते हैं। कंपनी सेक्रेटरी संस्थान के इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में विपुल गोयल के साथ सीएस धनंजय शुक्ला, मोनिका, कपिल डूडेजा और विक्रम ग्रोवर भी मौजूद रहे।

मोटे अनाज को लेकर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

पलवल। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग पलवल द्वारा गांव बढ़ा में मोटे अनाज को लेकर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ब्लॉक तकनीकी प्रबंधक सुंदर सिंह, सहायक तकनीकी प्रबंधक अतुल कुमार शर्मा, राकेश सिंह सहित सैकड़ों किसान मौजूद थे। सहायक तकनीकी प्रबंधक अतुल कुमार शर्मा ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023 के तहत लोगों को मोटो अनाज के बारे में जागरूक किया जा रहा है। मोटे अनाज में ज्वार, बाजरा, रागी, कोरा शामिल है। मोटा अनाज हमारे स्वास्थ्य के लिए उत्तम है। मोटा अनाज पोषण से भरपूर है। मोटा अनाज का सेवन करने से बीमारियों से दूर रह सकते हैं। मिलेट्स अनूपचारिक अनाजों में विटामिन, मिनरल्स, प्रोटीन और फाइबर का अच्छा स्रोत होते हैं। ये हमारे शरीर को सभी महत्वपूर्ण पोषण तत्वों के लिए आवश्यक होते हैं और स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करते हैं। उन्होंने कहा कि मोटा अनाज के उत्पादन के साथ ही मोटा अनाज से बनने वाले उत्पादों का निर्माण करें। बाजार में मोटा अनाज के उत्पादों की लगातार मांग बढ़ रही है।

तैनाकी प्रतियोगिता में बढ़ चढ़कर भाग लिया

फरीदाबाद। प्रथम ऑल इंडिया ओपन वॉटर फिन स्विमिंग प्रतियोगिता मालवण ने चिबला बीच में आयोजित की गई। अंडरवॉटर स्पोर्ट्स फैडरेशन ऑफ इंडिया के तरफ से एक ओपन वॉटर प्रतियोगिता पहिली बार आयोजित की गई। डॉक्टर तपन कुमार पाणिग्रही, अनिल दीप महल, रेहान शिद्धिकी, विजय कुमार और अचिंत्य कुमार पंडित ने इस ओपन वॉटर प्रतियोगिता कराने में मुख्य भूमिका निभाई। महासचिव यूएसएफआई डॉक्टर तपन कुमार पाणिग्रही ने बताया यह प्रतियोगिता आगे भी जारी रहेगी। 105 से अधिक बच्चों ने इसमें शामिल होकर अपनी प्रतिभा दिखाई। फरीदाबाद के उदित मलिक ने हरियाणा को दो किलोमीटर में ब्रांज मेडल दिलाया। दीप भाटिया और एके पंडित ने उदित मलिक को बधाई दी। इस अवसर पर एनए निहासिनि तमिलानाडू प्रथम, अध्वैथ एच तमिलनाडू द्वितीय व उदित मलिक हरियाणा तृतीय स्थान पर रहे।

630 ग्राम गांजा सहित आरोपी गिरफ्तार, भेजा जेल

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच सेक्टर-17 अशोक कुमार की टीम ने गांजा तस्करी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी लियाकत गांव पिलखवा अलीगढ़ उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। आरोपी को क्राइम ब्रांच टीम ने सूचना से सेक्टर-17 बाइपास रोड से काबू किया है। आरोपी की तलाशी लेने पर 630 ग्राम गांजा बरामद किया गया। आरोपी के खिलाफ थाना सेक्टर-17 में अवैध नशा तस्करी की धारा में मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है। आरोपी से पूछताछ में सामने आया कि दिल्ली बदरपुर बॉर्डर किसी अनजान व्यक्ति से 4500 रुपये में मुनाफा कमाने के लालच में आकर गांजा को खरीद कर लाया था। आरोपी को पूछताछ के बाद अदालत में पेश कर जेल भेजा गया।

हथियार के साथ सोशल मीडिया पर अपलोड करने पर गिरफ्तार

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच डीएलएफ प्रभारी कप्तान सिंह की टीम ने अवैध हथियार सहित आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी अली खान उर्फ अली मूलरूप से बिहार गांव सहरसा का रहने वाला है, वर्तमान में आरोपी पर्वतीय कॉलोनी में रहता है। आरोपी को क्राइम ब्रांच टीम विजय कुमार, अजय, रमेश, संदीप द्वारा सूचना से सेक्टर-56 आशियाना के सामने से काबू किया है। आरोपी की तलाशी लेने पर देशी पिस्तौल, पांच जिंदा रोंद, दो मेगजीन मिलीं। आरोपी के खिलाफ थाना सेक्टर 58 में अवैध हथियार रखने की धाराओं में मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी को हथियार के साथ सोशल मीडिया पर डीपी और अवैध हथियार के साथ वीडियो बनाकर लगाने का शौक है, जिसके लिए आरोपी किसी व्यक्ति से 35000 में देसी पिस्टल, पांच जिंदा राउंड और दो मैगजीन खरीद कर लाया था। आरोपी को मामले में पूछताछ के लिए एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पूछताछ के बाद आरोपी को अदालत में पेश कर जेल भेजा जाएगा।

मोदी का इरादा

छोटे शहरों का विकास

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राष्ट्र के समग्र विकास हेतु छोटे शहर विकसित करने पर ध्यान दे रहे हैं। यह तथ्य स्वीकार करते हुए कि जीवन्त ढांचागत संरचना का विकास प्रगति का मूलाधार है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक नई व उल्लेखनीय विकास योजना विकसित की है। इस योजना में भारत की विकास यात्रा में छोटे शहरों का महत्व रेखांकित किया गया है। 'विकसित भारत यात्रा' प्रधानमंत्री के लिए एक मंच की तरह है तिसके माध्यम से वे देश की प्रगति के बारे में अपने विचारों और आकांक्षाओं का आम लोगों के साथ साझा करते हैं। मोदी ने छोटे शहरों के विकास पर जोर दिया है जो शहरी विकास और आर्थिक प्रगति में एक पैराडाइम परिवर्तन है। मोदी द्वारा छोटे शहरों के विकास का आह्वान एक रणनीतिक समझदारी पर आधारित है जिसके अंतर्गत वे राष्ट्र की समग्र प्रगति में अभिन्न भूमिका अदा करते हैं। हालांकि, अक्सर महानगरों को सुर्खियों में स्थान मिलता है, पर छोटे शहर देश के आर्थिक, सांस्कृतिक व सामाजिक ढांचे की रीढ़ हैं। ये शहर अक्सर छिपी संभावनाओं का भंडार होते हैं जिनको व्यापक कल्याण हेतु विस्तार दिया जाना चाहिए। 'विकसित भारत यात्रा' का मोदी का दृष्टिकोण स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को सशक्त करना तथा छोटे शहरों को टिकाऊ विकास का इंजन बनाना है। इन क्षेत्रों पर ध्यान देने तथा इनको संसाधन आबंटित करने के माध्यम से सरकार का इरादा विकास का विकेन्द्रीकरण है ताकि प्रगति के लाभ देश के सभी क्षेत्रों तक पहुंच सकें। यह दृष्टिकोण 'आत्मनिर्भर भारत' से जुड़ा है जहां प्रत्येक क्षेत्र देश की आर्थिक बेहतरी में महत्वपूर्ण योगदान देता है। सरकार का 'एक जिला, एक उत्पाद'-ओडीओपी कार्यक्रम संतुलित क्षेत्रीय विकास प्रोत्साहित करने के लिए है। उत्तर प्रदेश सरकार इस दृष्टिकोण से सबसे आगे है। बेहतर कनेक्टिविटी, आधुनिक व्यवस्थायें तथा अद्यतन सुविधायें निवेश आकर्षित करने एवं बिजनेसों को फलने-फूलने का उपयुक्त माहौल बनाने के लिए जरूरी हैं। सरकार ने 'स्मार्ट सिटी' के विकास तथा वर्तमान ढांचागत संरचनाओं के उच्चीकरण हेतु प्रतिबद्धता प्रकट की है। यह ज्यादा समावेशी तथा संतुलित विकास के लिए आवश्यक है। छोटे शहरों में यह संभावना है कि वे रोजगार सृजन के केन्द्र बन सकते हैं तथा शहरों की ओर पलायन परिघटना का प्रति-विमर्श प्रस्तुत कर सकते हैं। कौशल विकास कार्यक्रमों में निवेश कर तथा उद्योगों को इन क्षेत्रों में अपनी कार्रवाइयां बढ़ाने को प्रोत्साहित कर सरकार का उद्देश्य ऐसा परिदृश्य पैदा करना है जहां नागरिकों को अपने मूल कस्बों में रोजगार के सार्थक अवसर प्राप्त हो सकें। इससे न केवल बेरोजगारी के मुद्दे का समाधान होगा, बल्कि क्षेत्रों का समग्र सामाजिक-आर्थिक प्रगति में भी योगदान सुनिश्चित होगा। डिजिटल युग में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'डिजिटल डिवाइड' पाटने के लिए भी छोटे शहरों के विकास के प्रति प्रतिबद्धता प्रकट कर रहे हैं। इसमें डिजिटल साक्षरता में सुधार, आनलाइन कनेक्टिविटी बढ़ाना तथा ई-गवर्नेंस को प्रोत्साहन शामिल हैं। इससे सुनिश्चित होगा कि तेजी से तकनीकी प्रगति वाली दुनिया में छोटे शहर पीछे न छूट जाएं। काफी समय से नगर-नियोजकों ने छोटे शहरों की अनदेखी की है। समय आ गया है कि यह गलती सुधारी जाए। छोटे शहरों की संभावनाओं को पहचान कर उनके समक्ष उपस्थित विशिष्ट चुनौतियों का सामना कर सरकार का लक्ष्य प्रगति की ज्यादा संतुलित व समावेशी दिशा सुनिश्चित करना है।

लाभदायक मोटे अनाज

जीवनशैली संबंधी बीमारियों से बचने तथा स्वस्थ जीवन के लिए मोटे अनाजों या मिलेट्स का नियमित उपभोग अत्यधिक लाभदायक है।

सुदर्शन मंडल
(लेखक, स्वास्थ्य क्षेत्र से संबद्ध हैं)

भारत वर्तमान समय में गैर-संक्रामक बीमारियों-एनसीडी या 'जीवनशैली' संबंधी बीमारियों जैसे, मधुमेह, आघात, उच्च रक्तचाप, तथा किडनी, लीवर और हृदय रोगों की बढ़ोत्तरी का सामना कर रहा है। संक्रामक बीमारियों के साथ यह प्रवृत्ति 'बीमारियों के दुहरे बोझ' का कारण बन रही है। बीमारियों में इस बढ़ोत्तरी का कारण अस्वास्थ्यकर भोजन का प्रयोग है जो सभी आयुवर्गों पर समान रूप से प्रभाव डाल रहा है। व्यापक रूप से उपस्थित कुपोषण के साथ भोजन-संक्रामक बीमारियों-डीआरएनसीडी से काफी सामाजिक-आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। पिछले तीन दशकों में प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों या अस्वास्थ्यकर भोजन के प्रयोग का नतीजा पोषण में परिवर्तन के रूप में सामने आ रहा है। इसका कारण मोटे अनाजों, दालों, फलों और सब्जियों के उपभोग में कमी तथा मांस उत्पादों व नमक के प्रयोग में बढ़ोत्तरी है। इससे वसा से प्राप्त ऊर्जा में 6 प्रतिशत वृद्धि तथा कार्बोहाइड्रेट से प्राप्त ऊर्जा में 7 प्रतिशत की कमी सामने आई है।

एनसीडी के बढ़ते बोझ के साथ ही पोषण परिवर्तन तेजी से बढ़ते शहरीकरण से घटती शारीरिक गतिविधियों से भी जुड़ा है। इनके कारण भारतीयों में मुटापा, एथ्रीजेनिक डिसलेपीडिमिया, सबक्लीनिकल शोथ, मैटाबोलिक सिंड्रोम, टाइप 2 मधुमेह मेलियेटस तथा कोरोनरी हृदय रोग बढ़ रहे हैं। पश्चिमी शैली के भोजनों के प्रयोग तथा शारीरिक गतिविधियों में कमी के साथ माता-पिता में तंबाकू व मदिरा के अधिक उपभोग से भी कुपोषण बढ़ने के मामले सामने आ रहे हैं। भारत सरकार ने भोजन संबंधी बीमारियों की बढ़ती प्रवृत्ति को रोकने के लिए कार्यकारी भोजनों का प्रयोग प्रोत्साहित करने के प्रयास किए हैं। अनेक रोगविज्ञान अध्ययनों से पता चला है कि वनस्पति आहार व पूरे अनाजों से समृद्ध भोजन से गैर-संक्रामक बीमारियों, जैसे मधुमेह, कैंसर व कार्डियोवैस्कुलर बीमारियों से बचने में सहायता मिलती है। इसका कारण फाइटोन्यूट्रियेंट्स का संरक्षण देने वाला प्रभाव है। इसलिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ऐसी पहलों की पैरोकारी व क्रियान्वयन करता है ताकि जनता में जागरूकता पैदा कर स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा दिया जा सके। यह कदम नेशनल प्रोग्राम फार प्रिवेंशन एंड कंट्रोल आफ नान-कम्युनिकेबल डिजीजेज़-एनपीएनसीडी के अंतर्गत किया जा रहा है। इसके साथ ही भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिकरण-एफएसएसएआई भी स्वस्थ भोजन को प्रोत्साहित कर रहा है। जनसंख्या में स्वस्थ भोजनशैली को प्रोत्साहित करने के लिए अन्य प्रयासों के साथ ही मोटे अनाजों को स्वस्थ व ज्यादा सक्षम उपायों के रूप में स्वीकार किया जा रहा है। मोटे अनाज या मिलेट्स परंपरागत अनाज हैं जिनकी खेती और प्रयोग भारतीय उपमहाद्वीप में 5,000 सालों से अधिक समय से किया जा रहा है। ये वर्षा-आधारित मजबूत अनाज होते हैं जिनके लिए अन्य लोकप्रिय अनाजों की तुलना में पानी और भूमि उर्वरता की कम आवश्यकता होती है।

ये छोटे दानों वाले अनाजों की फसलों का समूह है जो सूखे तथा खराब मौसम स्थितियों को अच्छी तरह झेल कर कम उर्वरकों व कीटनाशकों की स्थितियों में भी अच्छी फसल देते हैं। मिलेट्स की अधिकांश फसलों भारतीय मूल की हैं और न्यूट्री-सेरेल्स के रूप में विख्यात हैं। यह मानव शरीर की सामान्य गतिविधियों के लिए आवश्यक सभी पोषक प्रदान करती हैं। मिलेट्स में सारघम, पर्ल मिलेट, फिंगर मिलेट, माइनर मिलेट्स आदि न्यूट्री-सेरेल्स शामिल हैं। ये ज्वार, बाजरा, सांवां, कोदों, आदि नामों से भी लोकप्रिय हैं। समय की आवश्यकता है कि मिलेट्स की उत्पादकता बढ़ाई जाए जिसके लिए आरएंडडी, फसलों की अच्छी देखभाल तथा जीवन्त सप्लाई श्रृंखला बनाना जरूरी है।

वैश्विक रूप से मिलेट्स की खेती एशियाई क्षेत्र में होती है। दुनिया में भारत, नाइजीरिया और चीन मिलेट्स के सबसे बड़े उत्पादक हैं जो विश्व उत्पादन का 55 प्रतिशत से अधिक उत्पादन करते हैं। अनेक वर्षों से भारत मिलेट्स का प्रमुख उत्पादक है। लेकिन हाल के वर्षों में अफ्रीका में मिलेट्स का उत्पादन बहुत तेजी से बढ़ा है। भारत में पर्ल मिलेट चौथे स्थान पर सर्वाधिक उगाई जाने वाली फसल है और इसका स्थान धान, गेंहूं व मक्के के बाद आता है। मिलेट्स भारत में सभी जगह उपलब्ध होते हैं।

भारत बहुत पहले से न्यूट्री सेरेल्स के अनेक लाभों से परिचित रहा है। हमारे पूर्वज बढ़ते शहरीकरण तथा वाणिज्यिक-अलगाव से प्रभावित वर्तमान पीढ़ी की तुलना में इनके सभी लाभों से अच्छी तरह परिचित थे। मिलेट्स अत्यधिक पोषक, ग्लूटेन-रहित तथा अम्ल न पैदा करने वाले खाद्य पदार्थ हैं। उनमें अनेक न्यूट्रास्यूटिकल व स्वास्थ्य-संवर्धन गुण होते हैं। इसका कारण उनमें रेशों की अधिकता है। मिलेट्स हमारी आंतरिक परिस्थितिकी में उपस्थित माइक्रो-फ्लोरा के लिए प्रीबायोटिक भोजन का काम करते हैं। वे हमारी बड़ी आंत को नम रख कर हमें कब्ज से बचाते हैं। इनमें उपस्थित नियासिन कोलेस्ट्राल को कम रखने में सहायक है। इनमें रेशों के साथ बड़ी मात्रा में प्रमुख व द्वितीयक पोषक पाए जाते हैं। सीलियक रोगियों के लिए ये गेंहूं या ग्लूटेन वाले अनाजों का बहुत अच्छा विकल्प हो सकते हैं।

नियमित भोजन में मिलेट्स या न्यूट्री सेरेल्स लेने के बहुत लाभ हैं। इनसे मुटापे, मधुमेह व जीवनशैली रोगों से बचाव हो सकता है क्योंकि इनका ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है, रेशे अधिक होते हैं तथा एंटी-आक्सीडेंट पाए जाते हैं। न्यूट्री सेरेल्स अत्यधिक पोषक तथा उच्च पोषण मानकों वाले होते हैं। इनमें प्रोटीन, आवश्यक फैटी एसिड, रेशे, बी विटामिन तथा कैल्शियम, आयरन, जिंक, पोटेशियम व मैग्नीशियम जैसे खनिज पाए जाते हैं। इससे पोषण सुरक्षा मिलती है तथा खासकर बच्चों व महिलाओं को पोषण कमियों से बचाया जा सकता है। यह सूखे से प्रभावित क्षेत्रों में में छोटे व सीमान्त किसानों के लिए बहुत लाभदायक हैं। धीमी गति से हजम होने वाले कार्बोहाइड्रेट, गैर-एलर्जिक प्रोटीनों, रेशे और लघु-पोषकों के कारण न्यूट्री सेरेल्स पोषण के आधार पर प्रमुख अनाजों से बेहतर होते हैं। इनमें 55-75 प्रतिशत स्टार्च, 7-15 प्रतिशत प्रोटीन, 2-5 प्रतिशत लिपिड, 2-4 प्रतिशत खनिज तथा 7-15 प्रतिशत रेशे पाए जाते हैं। मिलेट्स या मोटे अनाजों के पोषण व स्वास्थ्य लाभों का अच्छी तरह दस्तावेजीकरण किया गया है। इनको गैर-संक्रामक बीमारियों, जैसे मधुमेह, कार्डियोवैस्कुलर बीमारियों व मुटापे की तीव्रता घटाने तथा इनके प्रबंधन में प्रयोग किया जा सकता है।

वर्तमान समय में बढ़ते शहरीकरण व बदलती जीवनशैली के कारण आरामदेह जीवनशैली आम बनती जा रही है। इसके कारण शारीरिक गतिविधियों नगरों व महानगरों ही नहीं, छोटे शहरों व कस्बों में भी कम होती जा रही हैं। इसके साथ ही प्रसंस्कृत व डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों के बढ़ते प्रचलन तथा भोजन में मांस, मछली, अंडों, आदि की अधिकता समृद्ध व उच्च मध्य वर्ग में बढ़ती जा रही है। इन कारणों से अनेक गैर-संक्रामक बीमारियां तेजी से फैल रही हैं। इनमें मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मुटापा, कार्डियोवैस्कुलर बीमारियां, आदि शामिल हैं। जीवनशैली संबंधी बीमारियों से बचने तथा स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करने के लिए मिलेट्स या मोटे अनाजों को नियमित रूप से भोजन में शामिल करना बहुत जरूरी हो गया है।

भारत सरकार तथा सभी राज्य सरकारों ने मिलेट्स का उत्पादन व उपभोग बढ़ाने तथा इनके प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए अनेक पहलें की हैं। मिलेट्स को 'न्यूट्री सेरेल्स' के रूप में ब्रांड किया गया है। इसके साथ ही वर्ष 2018 को 'राष्ट्रीय मिलेट वर्ष' घोषित किया गया था। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अपने 75वें सत्र में वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष घोषित किया। इससे मिलेट्स का वैश्विक उत्पादन बढ़ाने, उनके प्रसंस्करण व फसल चक्र का बेहतर उपयोग करने तथा भोजन में मिलेट्स को महत्वपूर्ण स्थान दिलाने में सहायता मिलेगी।

केरल में उच्च शिक्षा का पुनरीक्षण जरूरी

राजनीति ने केरल में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा का दावा किया है। मानक अब तक के सबसे निचले स्तर पर हैं और इसके विश्वविद्यालयों से कोई सार्थक शोध नहीं निकल रहा है।

कुमार चेलप्पन
(लेखक, दि पायनियर के विशेष संवाददाता हैं)

केरल उथल-पुथल और राजनीतिक मंथन की प्रक्रिया से गुजर रहा है। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, जिन्हें आम जनता पिछले दो दशकों में राज्य का सबसे लोकप्रिय प्रथम नागरिक बताती है, को सत्तारूढ़ सीपीआई-एम और उनकी छात्र शाखा, एसएफआई द्वारा अपमानित किया जा रहा है और उन पर हमला किया जा रहा है। राज्यपाल पर आरोप है कि वह आरएसएस के हिटमैन के रूप में काम कर रहे हैं और उच्च शिक्षा संस्थानों का भगवाकरण कर रहे हैं। शनिवार शाम से उनके खिलाफ हमलों में अचानक तेजी देखी गई क्योंकि एसएफआई कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल के साथ चल रहे कारों के बेड़े को काले झंडे दिखाए।

राज्य के विश्वविद्यालयों में सहयात्रियों, पार्टी के कार्ड-धारक सदस्यों और पार्टी नेताओं के रिश्तेदारों को कुलपति और संकाय सदस्यों के रूप में नियुक्त करने के पार्टी के कदम के खिलाफ आरिफ मोहम्मद खान के रुख ने सीपीआई-एम नेतृत्व को परेशान कर दिया। राज्यपाल के रुख को सुप्रीम कोर्ट ने सही ठहराया, जिसने हाल के एक फैसले में कन्नूर विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में मार्क्सवादी इतिहासकार गोपीनाथ रवींद्रन की नियुक्ति को अमान्य घोषित कर दिया। शीर्ष अदालत उसी विश्वविद्यालय में एक सीपीआई-एम नेता की पत्नी की एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में नियुक्ति के खिलाफ यूजीसी, विश्वविद्यालय बचाओ अभियान समिति और एक पीड़ित शिक्षक द्वारा दायर अपील पर सुनवाई की प्रक्रिया में है।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के बीच आमने-सामने की स्थिति के कारण ऐसी स्थिति पैदा हो गई है कि राज्य में विश्वविद्यालय पिछले एक साल से कुलपति के बिना हैं। शिक्षाविदों, अनुभवी शिक्षाविदों और पूर्व शिक्षकों से बनी संस्था एसयूसीसी का आरोप है कि राज्य के विश्वविद्यालयों में सभी नियुक्तियाँ एकेजी सेंटर (राजधानी में सीपीआई-एम का भव्य राज्य मुख्यालय) में की जाती हैं और राज्यपाल को हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर किया जाता है। बिंदीदार रेखाओं पर। चूंकि राज्यपाल ने इन नियुक्तियों में अनौचित्य पर सवाल उठाया है, इसलिए वह पार्टी कमिश्नरों के साथ-साथ एसएफआई नेताओं के लिए भी अवांछित व्यक्ति बन गए हैं। सोमवार की रात जब एसएफआई कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल पर काले झंडे लहराए और उनकी आधिकारिक कार पर हमला किया, जब वह हवाईअड्डे जा रहे थे, तो हैरान आरिफ मोहम्मद खान अपनी कार से उतरे और छात्र नेताओं को फटकार लगाई कि वे गुंडे के रूप में काम कर रहे हैं।

मंगलवार सुबह तक राज्य में युवा सीपीआई-एम मंत्रियों ने राज्यपाल पर आरएसएस के कट्टर आदमी के रूप में काम करने का आरोप लगाया। दिलचस्प बात यह है कि यह आरोप एक ऐसे मंत्री ने लगाया है जिन पर महिलाओं पर यौन उत्पीड़न के मामलों का आरोप है। एक अन्य मंत्री ने पूछा कि जब एसएफआई कार्यकर्ता उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे थे तो राज्यपाल कार से क्यों उतरे। दिलचस्प बात यह है कि एसएफआई, जो कभी सीपीआई-एम के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और समर्पण के लिए जानी जाती थी, विश्वविद्यालय अधिकारियों से की जा रही इस तरह की मांगों के कारण मजाक का पात्र बन गई है। राज्य में विश्वविद्यालयों के लिए हाल ही में संपन्न छात्र चुनाव में युवा सीपीआई-एम कार्यकर्ताओं ने मांग की कि स्टाफ काउंसिल (कॉलेजों में संकाय सदस्यों का एक निकाय) में छात्रों के लिए पर्याप्त प्रतिनिधित्व होना चाहिए और विश्वविद्यालय की परीक्षाएं केवल दोपहर में आयोजित की जानी चाहिए।

क्योंकि छात्र देर से उठते हैं। मांगों के अगले सेट में यह बात शामिल होगी कि कुलपतियों और संकाय सदस्यों की नियुक्ति उनकी सहमति से ही की जानी चाहिए! वे दिन गए जब कुलपतियों और संकाय सदस्यों की नियुक्ति उनके शिक्षण कौशल और छात्रों की गुणवत्ता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की क्षमता के आधार पर की जाती थी। सार्वजनिक शिक्षा निदेशक ने हाल ही में एक बंद कमरे में हुई बैठक में कहा कि उन छात्रों पर अंकों की बारिश की जा रही है जो त्रुटि के बिना अपना नाम भी नहीं लिख सकते।

राजनीति ने केरल की उच्च शिक्षा की गुणवत्ता पर दावा किया है क्योंकि शोध विद्वानों द्वारा प्रस्तुत पीएचडी थीसिस उन पेपरों के लायक नहीं है जिनमें वे लिखे गए हैं। शिक्षा की देवी सरस्वती को विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों में रोते हुए सुना जा सकता है। सर्व कला साला (विश्वविद्यालय के लिए मलयालम) सर्व कल्ला साला (धोखे और चापलूसी की दुकानें) में बदल गया है।

आप की बात

संसद की सुरक्षा

संसद की कार्यवाही अब टीवी पर प्रसारित होती है। ऐसे में यदि आम लोगों का सत्र के दौरान संसद में प्रवेश अत्यधिक सीमित किया जाए तो सुरक्षा की दृष्टि से इसमें कुछ भी अनुचित नहीं है। संसद की कार्यवाही की गंभीरता तथा सांसदों की सुरक्षा को देखते हुए दर्शक दीर्घा में प्रवेश देने पर गंभीरतापूर्वक विचार करने की जरूरत है। इसे ज्यादा से ज्यादा विदेशी अतिथियों व छात्रों अथवा राजनीतिक शोधार्थियों तक सीमित करना उचित होगा। वैसे भी यदि संसद में हंगामा होता हो और पीठासीन अध्यक्ष की बात सांसद न मानते हों तो इससे छात्रों और विदेशी अतिथियों पर भी अच्छा प्रभाव नहीं पड़ेगा। संसद की सुरक्षा पहले भी अनेक अवसरों पर खतरे में पड़ी है, इसलिए लोकसभा व राज्यसभा सचिवालय को सभी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा कर उपयुक्त निर्णय लेने चाहिए। संसद व उसके कर्मचारियों की सुरक्षा एक सीमा तक सांसदों के अशोभनीय व अनुशासनहीन व्यवहार से भी प्रभावित होती है। पुराने संसद भवन में कर्मचारियों की मेज पर चढ़ने व उनके कागज फाड़ देने जैसी अशोभनीय घटनायें बार-बार हुई हैं। इनको नए संसद भवन में दुहराया नहीं जाना चाहिए। वैसे भी जनता की सांसदों पर नजर रहती है।

-सुभाष बुड़ावन वाला, रतलाम

कांग्रेस का हाल

चिदंबरम ने कहा है कि 2024 में भाजपा की हवा है जिसे देखते हुए कांग्रेस पार्टी को अपनी कमजोरी दूर करनी चाहिए। कांग्रेस के हाल पर चिदम्बरम की चिन्ता स्वाभाविक लग रही है। पूरा देश समझ रहा है कि कांग्रेस दिन पर दिन कमजोर होती जा रही है। वास्तव में कमजोरी का कारण भी कांग्रेस पार्टी और उसके सदस्यों को पता है। विपक्ष भी हमेशा कांग्रेस पर परिवारवाद का तंज कसता रहता है। कांग्रेस का बैकग्राउंड सबके सामने है, फिर भी नेतृत्व रसातल में जाती पार्टी को ऊर्जा देने हेतु परिवारवाद से हटकर निर्णय नहीं ले पा रहा है। कांग्रेस के सामने भाजपा का उदाहरण है जिसने तीन राज्यों में नए चेहरों को मुख्यमंत्री के रूप में मौका दिया है। यदि कांग्रेस 2018 में सचिन पायलट व ज्योतिरादित्य सिंधिया को मौका देती तो शायद 2019 में उसका हाल इतना बुरा न होता। हालांकि, हार के बाद मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ में परिवर्तन किया गया है, पर केवल इतने से कांग्रेस की स्थिति सुधरने वाली नहीं है। कांग्रेस को अपने अतीत पर नजर डाल कर प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा का जवाबी-विमर्श बहुत मेहनत से तैयार करना होगा।

- शकुंतला महेश नेनावा, इंदौर

ट्रंप पर शिकंजा

डोनाल्ड ट्रम्प के पूर्व सहयोगी एवं उनके वकील रह चुके रूडी गिउलिआनी को दो महिलाओं को 2020 में वोटों के साथ छेड़छाड़ के झूठे दावों पर 148 मिलियन डॉलर बतौर हर्जाना देने का आदेश दिया गया है। जुर्माना तय करने के लिए चार दिनों की सुनवाई की गई। गवाही में सुश्री फ्रीमैन ने बताया कि ट्रम्प समर्थकों के एक समूह के बाहर इकट्ठा होने के बाद उन्हें अपने घर से भागना पड़ा और एफबीआई ने बताया कि उनकी जान को खतरा हैं। ट्रम्प समर्थक अति-राष्ट्रवादी लोगों ने उनका तथा उनके परिवार का जीना हराम कर रखा है। उनका मानना है कि मेरी और मेरी बेटी के कारण 2020 का चुनाव ट्रम्प को हारना पड़ा था। भले ही ट्रम्प 2024 के चुनावों की रेस में रिपब्लिकन उम्मीदवार की दौड़ में सबसे आगे हों, मगर उनके ऊपर चल रहे दर्जनों मुक़दमों में उनका बचना लगभग असंभव लग रहा है। हालांकि, ट्रंप पर शिकंजे के साथ ही वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन पर भी महाभियोग की तलवार लटक रही है और बढ़ती आयु के कारण भी उनकी लोकप्रियता ढलान पर है। ऐसे में शायद अगले राष्ट्रपति चुनाव में दोनों उम्मीदवार नए हों।

- जंग बहादुर सिंह, जमशेदपुर

सर्दी से सावधान

उत्तर भारत में अब सर्दी का प्रकोप बढ़ रहा है। इस मौसम में अनेक सावधानियों की जरूरत है। सर्दी आते ही दिल की बीमारियां बढ़ जाती हैं और पहले से पीड़ित लोगों का संकट बढ़ता है। मगर युवाओं में हृदय रोग की शिकायत जिस तरह से बढ़ रही है वह विशेष रूप से चिंता का विषय है। अमेरिका के एक अध्ययन में बताया गया है कि सर्दियों में दिल के दौरों में पच्चीस प्रतिशत वृद्धि हो जाती है। इसलिए हमें अपने शरीर के प्रति स्वाभाविक रूप से सचेत रहना होगा। जरूरी है कि हम शारीरिक सक्रियता बनाए रखें। इसके साथ-साथ हमें तनाव से भी बचना चाहिए। बुनियादी रूप से माना जाता है कि किसी भी तरह का तनाव घातक हो सकता है, लेकिन शारीरिक सक्रियता से तनाव को नियंत्रित किया जा सकता है। हमें सही खान-पान की भी आवश्यकता है । सर्दियों में भी भरपूर पानी पीना चाहिए। जलवायु परिवर्तन के कारण ग्लोबल वार्मिंग के साथ अत्यधिक सर्दी व बर्फबारी का भी सामना करना पड़ सकता है। इसलिए सर्दी के मौसम में सबको सावधानी बरतना बहुत जरूरी है।

-सुदर्शन सोराड़ी, नानकमत्ता

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

रामोत्सव से पहले अभेद्य किला बनेगी अयोध्या बिना अनुमति नहीं उड़ाए जा सकेंगे ड्रोन

● प्रदेश सरकार ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर तैयार की ठोस रणनीति

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ अयोध्या

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर योगी सरकार ने सुरक्षा व्यवस्था का पूरा खाका तैयार कर लिया है। आईजी प्रवीण कुमार ने बताया कि अयोध्या पहले से संवेदनशील क्षेत्र रही है। सुरक्षा योजना की दृष्टि से हमारे पास सीआरपीफ, यूपीएसएसएफ, पीएसी और सिविल पुलिस मौजूद है। इसमें नई तकनीक का समावेश किया गया है। श्रद्धालुओं के आगमन के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ की गई है। उन्होंने बताया कि जल्द ही राम मंदिर के लिए नई सुरक्षा योजना लागू होगी, जिसके तहत कोई भी व्यक्ति बगैर जांच पड़ताल के मंदिर के आस-पास भी नहीं फटक सकेगा।

आईजी के अनुसार जगह-जगह चेकिंग प्वाइंट बनाए जाएंगे। सीसीटीवी कैमरे लगे होंगे। बगैर अनुमति के इलाके में ड्रोन नहीं उड़ाए जा सकेंगे। भविष्य में रिवर सिक्योरिटी को भी मजबूत किया जाएगा। नदी के किनारे सुरक्षा की बेहतर व्यवस्था की जाएगी। लोकार्पण के समय की सुरक्षा व्यवस्था के तहत जिले में 37 शासकीय और अशासकीय जमीनों पर पार्किंग व्यवस्था की जा रही है। यहां भी कैमरे लगे होंगे। 22 व 23 को भारी वाहन शहर के भीतर से होकर नहीं जाएंगे। साथ ही जिन लोगों को आमंत्रण दिया गया होगा उनके आने के लिए बेहतर व्यवस्था रहेगी। लेकिन अन्य छोटे वाहनों के लिए भी व्यवस्था लागू की जाएगी कि वह अपने गंतव्य तक आसानी से पहुंच सकें। डायवर्जन की सूचना विभिन्न माध्यमों से दी जाएगी। प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान सुरक्षा के मददेनजर खुफिया विभाग चारों ओर सक्रिय रहेगा। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का भी सहयोग लिया जाएगा। अराजकतत्वों की जानकारी के साथ ही उन पर पैनी नजर रहेगी।

उत्तर प्रदेश की विधानसभा देश में सर्वश्रेष्ठः एम. विजिन

● केरल विधानसभा की यूथ वेलफेयर एवं यूथ अफेयर स्टडी टूर समिति के सदस्यों ने की यहां की अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली की सराहना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

केरल की 15वीं विधान सभा की 'यूथ वेलफेयर एवं यूथ अफेयर स्टडी टूर समिति' के सभापति एम. विजिन आज अपनी समिति के 5 सदस्यों एवं अन्य अधिकारियों के साथ उत्तर प्रदेश विधान सभा में ई-विधान योजना की स्थापना एवं उसके कार्यान्वयन को देखने आए। 'यूथ वेलफेयर एवं यूथ अफेयर स्टडी टूर समिति' सभापति एवं अधिकारियों ने उत्तर प्रदेश विधान सभा की अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली की सराहना की एवं इसको विस्तार से समझने के लिए समय भी मांगा है।

अध्यक्ष, विधान सभा उत्तर प्रदेश सतीश महाना द्वारा केरल विधान सभा के 'यूथ वेलफेयर एंड यूथ अफेयर्स स्टडी टूर' समिति के प्रतिनिधिगण को उत्तर प्रदेश विधान सभा में ई-विधान तथा डिजिटल प्रणाली के विषय में विस्तार से बताया। केरल विधान सभा के समिति को यह अवगत कराया गया कि उत्तर प्रदेश विधान सभा की समस्त कार्यवाही इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली से संचालित होती है तथा यहां पर सभी विधायकगण इस विधा का उपयोग करते हैं। उत्तर प्रदेश विधान सभा की पूर्ण कार्यसूची, प्रश्न प्रहर से अंत तक इलेक्ट्रॉनिक विधान की प्रणाली से संचालित किए जाने के लिए पूर्ण रूप से सुसज्जित है। उक्त समिति द्वारा विधानसभा में स्थापित डिजिटल गैलरी, जिसमें विधान सभा का सम्पूर्ण डिजिटल इतिहास है एवं डिजिटल कारीडोर, जिसमें समस्त सदस्यों की तस्वीरें एवं उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं को दर्शाया गया है, का अवलोकन भी किया गया। इसके अतिरिक्त विधान सभा में किए गए अन्य पुनरोद्धार कार्यों का भी उक्त शिष्ट मण्डल द्वारा निरीक्षण किया गया। समिति के सभापति द्वारा यह स्पष्ट रूप से अवधारणा व्यक्त की गई कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश की विधान सभा देश की सर्वश्रेष्ठ विधान सभा है। उन्होंने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश की विधान सभा सर्वश्रेष्ठ अत्याधुनिक प्रणाली से भी युक्त है। उत्तर प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष के नेतृत्व एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में जो माडल उत्तर प्रदेश विधान सभा में प्रस्तुत किया गया है वह अनुकरणीय है और वह इसका अनुसरण भी करेंगे। केरल यूथ वेलफेयर एवं यूथ अफेयर स्टडी टूर समिति सभापति के अध्यक्ष द्वारा यह अवधारणा व्यक्त किया जाना उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए एक गौरव की बात है।

समिति में मुख्य रूप से सभापति एम. विजिन, एमएस अरुण कुमार, सीके आशा, इलडोसे पी. कुना पिल्लाई, मुहम्मद मुहसिन, केएम सचिन देव, संयुक्त सचिव, ए. जफर खान सहित समिति के भ्रमण के दौरान उत्तर प्रदेश विधान सभा के सदस्य कमलाकांत राजभर, प्रमुख सचिव, विधान सभा प्रदीप दुबे, सचिव व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

विधानसभा की सुरक्षा होगी और सुदृढ़, एडीजी सुरक्षा की अध्यक्षता में समिति गठित

● सतीश महाना ने उच्च स्तरीय बैठक कर किया विस्तृत विचार-विमर्श, सुरक्षा संबंधी बिन्दुओं पर शीघ्र रिपोर्ट देगी समिति

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लोकसभा में हुई घटना से सबक लेते हुए उत्तर प्रदेश विधानसभा में सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में एक उच्च स्तरीय बैठक की गई। इस बैठक में प्रमुख सचिव, विधान सभा, प्रमुख सचिव गृह, प्रमुख सचिव, सचिवालय प्रशासन एडीजी इंटेलिजेंस, पुलिस कमिश्नर लखनऊ, डीआईजी सुरक्षा और जिलाधिकारी लखनऊ शामिल रहे।

बैठक में विधानसभा की वर्तमान सुरक्षा व्यवस्थाओं का आंकलन किया गया एवं उसको सुदृढ़ करने पर विस्तृत विचार किया गया। विधान सभा में दर्शकों एवं अन्य महानुभावों की प्रवेश प्रक्रिया एवं सुरक्षा संबंधी अन्य बिंदुओं के विषय में विशिष्ट व्यवस्था करने पर विचार किया गया। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना द्वारा इसके निमित्त एडीजी सुरक्षा की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई, जिसमें एसपी (आर), एसपी विधान भवन, मार्शल, विधानसभा एवं संयुक्त सचिव, सचिवालय प्रशासन सदस्य होंगे। समिति विधान सभा की सुरक्षा से संबंधित समस्त पहलुओं पर सम्यक विचारोपरान्त शीघ्र आख्या प्रस्तुत करेगी। समिति द्वारा प्रस्तुत की गई आख्या के क्रम में विधानसभा की सुरक्षा व्यवस्था को आधुनिकतम तकनीक से लैस करके उच्च स्तरीय बनाया जाएगा।

2024-25 तक हर किसी को सस्ती और निर्बाध बिजली उपलब्ध कराएगी सरकार

● आरडीएसएस स्कीम के तहत पूरे प्रदेश में व्यापक स्तर पर कार्यों को तेजी से आगे बढ़ा रही सरकार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

योगी सरकार उत्तर प्रदेश की विद्युत व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त करने के लिए हर संभव कदम उठा रही है। सरकार ने 2024-25 तक हर प्रदेशवासी को कम कीमत में गुणवत्तापूर्ण एवं निर्बाध बिजली आपूर्ति प्रदान करने का लक्ष्य तय किया है। इसके लिए केंद्र सरकार की आरडीएसएस स्कीम के तहत पूरे प्रदेश में व्यापक स्तर पर कार्य को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। आजादी के बाद इस स्कीम के तहत उत्तर प्रदेश में बिजली व्यवस्था में सुधार के लिए सबसे बड़ा निवेश किया जा रहा हैए जिसके तहत प्रदेश में स्मार्ट मीटरिंग, लॉस रिडक्शन और आधुनिकीकरण से जुड़े कार्यों के लिए करीब एक लाख करोड़ रुपए के प्रस्तावों को स्वीकृत किया गया है।

उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लि' (यूपीपीसीएल) के अध्यक्ष डॉक्टर आशीष गोयल ने कहा है कि वह योजना को समय से पूरा करने और मानक के अनुरूप कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वह लगातार इसकी मॉनिटरिंग कर रहे हैं। प्रदेश में स्मार्ट मीटरिंग के तहत मार्च 2025 तक 18885.48 करोड़ की लागत से लगभग 2.69 करोड़ कंज्यूमर मीटर, लगभग 15.26 लाख डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफार्मर्स (डीटी) एवं लगभग 20 हजार फीडर मीटर की स्थापना का लक्ष्य है। इसमें 15 प्रतिशत धनराशि (2832.82 करोड़) अनुदान स्वरूप तथा शेष धनराशि (16052.66 करोड़) का वित्त पोषण राज्य सरकार एवं वितरण निगम द्वारा किया जा रहा है। इन कार्यो के निष्पादन के लिए सभी सहयोगी वितरण निगमों के माध्यम से कार्यदायी संस्थाओं का चयन किया जा चुका है।

अध्यक्ष ने बताया कि लॉस रिडक्शन घटक के तहत यूपीपीसीएल के सभी डिस्कॉम्स में 16498.61 करोड़ की लागत से कार्य स्वीकृत हैं। इन कार्यों के संपादन के लिए निविदा प्रक्रिया पूर्ण करते हुए कार्यदायी संस्थाओं का चयन किया जा चुका है, जिनका द्वारा सर्वे का कार्य पूर्ण कराते हुए इन कार्यों का निष्पादन कार्य प्रगति पर है। वहीं आधुनिकीकरण के लिए कुल 65457.20 करोड़ के कार्यों का प्रस्ताव अक्टूबर 2023 में प्रेषित किया गया है। इसमें प्रस्तावित धनराशि का 60 प्रतिशत (39274.32 करोड़ रुपए) भारत सरकार से अनुदान स्वरूप तथा शेष 40 प्रतिशत (26182.88 करोड़ रुपए) का वित्त पोषण राज्य सरकार एवं वितरण निगम द्वारा किया जाएगा। इसके तहत मुख्य कार्यों में 1175 नए 33/11 केवी उपकेंद्रों का निर्माण/ 2002 33/11 केवी उपकेंद्रों की क्षमता वृद्धि, लगभग 21 हजार किमी नई 33 केवी लाइनों का निर्माण, 115704 वितरण परिवर्तकों की स्थापना, लगभग 50 हजार किमी 11 केवी लाइन का निर्माण, लगभग 93 हजार किमी. एलटी लाइन का निर्माण, 151576 वितरण परिवर्तकों की क्षमता वृद्धि का कार्य तथा शहरी क्षेत्र में 17 नग स्काडा एवं डीएमएस का कार्य किया जाना है।

अध्यक्ष आशीष गोयल ने ये भी बताया कि प्रदेश में 100 करोड़ से अधिक धनराशि वाले 29 बड़े प्रोजेक्ट चयनित कार्यदायी संस्थाओं द्वारा क्रियान्वित किए जा रहे हैं, जिनकी कुल लागत 13632.44 करोड़ रुपए है। इसमें आरडीएसएस के अंतर्गत हानि कम करने के कार्यों में बेयर कंडक्टर्स को एबी केबल से बदलनाए 33 केवी और 11 केवी लाइन का फीडर द्विभाजन/फीडर सेपरेशन, रीकंडक्टरिंग करना शामिल है। पूर्वांचल वितरण निगम के अंतर्गत 3842.61 करोड़ के 8 कार्य, मध्यांचल में 3303.70 करोड़ के 7 कार्य, दक्षिणांचल में 3247.07 करोड़ के 7 कार्य और पश्चिमांचल में 2764.33 करोड़ के 6 कार्य समेत केस्को में 474.73 करोड़ का एक कार्य सम्मिलित है।

प्रदेश में अब तक 21.69 लाख मीट्रिक टन हुई धान की खरीद

लखनऊ। प्रदेश सरकार द्वारा किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य दिलाने के उद्देश्य से खरीफ क्रय वर्ष 2023-24 में धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य कॉमन धान 2183 रूपये प्रति कुं. और धान ग्रेड.ए 2203 रूपये प्रति कुं. की निर्धारित दर से खरीद की जा रही है। विभिन्न धान क्रय केन्द्रों के माध्यम से अब तक 2169638.52 लाख मीट्रिक टन धान किसानों से सीधे क्रय किया गया है। इस योजना से अब तक लगभग 325534 किसानों को लाभान्वित करते हुए 4087.312 करोड़ रूपये का भुगतान उनके खातों में किया गया है। खाद्य एवं रसद विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार आज 87231.76 मीट्रिक टन धान खरीदा गया है। खरीद केन्द्रों पर किसानों को कोई असुविधा न हो, इसका पूरा.पूरा ध्यान रखते हुए खरीद की जा रही है। खरीद से संबंधित शिकायतें और सुझाव का पंजीकरण टोल फ्री नं0.1800.1800.150 पर दर्ज करायी जा सकती है।

ईको पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश में तीव्र गति से हो रहा कार्यः जयवीर सिंह

● 4.38 करोड़ रुपये से बाराबंकी स्थित भगहर झील का होगा विकास

लखनऊ। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए तीव्र गति से कार्य कर रही है। बाराबंकी जनपद स्थित देवा मंदिर के निकट स्थित भगहर झील को ईको पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए 4.38 करोड़ रुपये स्वीकृत किये गये हैं। प्रारम्भिक चरण में झील के विकास के लिए 1 करोड़ रुपये की धनराशि जारी करा दी गयी है। झील का विकास हो जाने से यहाँ पर पर्यटकों का आना.जाना शुरू होगा और व्यावसायिक गतिविधियां बढ़ेंगीए जिससे स्थानीय लोगों को आमदनी बढ़ेगी।

पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि महादेवा मंदिर में न केवल बाराबंकी बल्कि लखनऊ समेत अन्य जिलों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। यहां से कुछ दूरी पर ही 84 हेक्टेयर में फैली भगहर झील है। पर्यटन विभाग अब इस झील को ईको पर्यटन के रूप में विकसित करने के लिए तैयारी शुरू कर दी है। यहां पहले से ही हरियाली है, इसके आसपास पाथवे बनाया जाएगा। इतना ही नहीं झील के भीतर और किनारे पर वॉक.वे बनाया जाएगा। वॉक वे बनने के बाद यह बेहद आकर्षक हो जाएगा। बच्चों के लिए खेल स्थल बनेगा। इस स्थान पर झूले भी लगाए जाएंगे। पर्यटक आएंगे तो उनके लिए खाने-पीने की भी जरूरत होगी, तो इसको देखते हुए पर्यटन विभाग कैंटीन भी बनाएगा। यहां प्रवासी पक्षी भी खूब आते हैं, इसलिए मिट्टी का टिला भी बनाया जाएगा। मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि भगहर झील, महादेवा मंदिर के किनारे है। यहां बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। इसलिए पहले से ही काफी पर्यटक सुविधाएं हैं। झील के किनारे सीढ़ियां बनी हैं, इंटरप्रेटेशन सेंटरए गजिबो, वाच टावर समेत अन्य सुविधाएं हैं। ईको पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होने के बाद पर्यटकों की संख्या में काफी बढ़ोतरी होगी। ईको पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होने के बाद भगहर झील के भ्रमण करने वालों की संख्या में वृद्धि होगी।

ग्रेटर नोएडा में इंस्टीट्यूशनल प्लॉट आवंटन की स्कीम लांच

● यीडा ने शुरू की प्रक्रिया, सेक्टर 18, 20 व 22 ई में नर्सिंग होम, हॉस्पिटल, मैटरनिटी सेंटर आदि के लिए भूमि आवंटन का रास्ता होगा साफ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) ने ग्रेटर नोएडा में 5 केटेगरी के इंस्टीट्यूशनल प्लॉट्स की ई-ऑक्शन प्रक्रिया की शुरुआत कर दी है। जेवर एयरपोर्ट से नजदीकी के चलते प्राइम लोकेशन पर बेस्ड इन प्लॉट्स के आवंटन के जरिए ग्रेटर नोएडा के सेक्टर 18, 20 व 22 ई में नर्सिंग होम, हॉस्पिटल, मैटरनिटी सेंटर, कॉर्पोरेट ऑफिस व सीनियर सेकेंडरी स्कूल की स्थापना व संचालन का मार्ग प्रशस्त होगा। यीडा द्वारा हाल ही में लॉन्च की गई स्कीम में इसमें प्लॉट पाने के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 1 जनवरी 2024 निर्धारित की गई है तथा 29 फरवरी 2024 को ई-ऑक्शन प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी।

जेवर एयरपोर्ट से नजदीकी के चलते ये प्लॉट्स प्राइम लोकेशन पर बेस्ड हैं तथा स्कीम के जरिए सभी प्लॉट्स को 90 साल के लीज होल्ड पर आवंटित किया जाएगा। प्लॉट आवंटन स्कीम के तहत 1000 स्क्वायर मीटर से लेकर 10900 स्क्वायर मीटर के कुल 11 प्लॉट्स के लिए ई.ऑक्शन के जरिए बोली लगने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। इन प्लॉट्स का रिजर्व्ड प्राइस 4.75 करोड़ से लेकर 25.95 करोड़ रुपए के बीच रखा गया है तथा आईसीआईसीआई बैंक ई-ऑक्शन प्रक्रिया में बैंकिंग पार्टनर की भूमिका निभा रहा है। ई-ऑक्शन में भाग लेने के लिए यीडा की आधिकारिक साइट पर 25 हजार रुपए की प्रोसेसिंग फीस जमा करके ब्रोशर डाउनलोड किया जा सकता है। इस स्कीम के जरिए आवंटित होने वाले प्लॉट्स जेवर एयरपोर्ट के साथ ही इंटरनेशनल फिल्म सिटी (नोएडा), एफ1 मोटोजीपी ट्रैक, मेडिकल डिवाइस पार्क, इलेक्ट्रॉनिक मैनुफैक्चरिंग क्लस्टर, टॉय पार्क से भी निकटता होगी तथा यमुना एक्सप्रेसवे से सटा होगा। प्रस्तावित ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे से भी इसका संपर्क सुनिश्चित किया जाएगा।

प्लॉट आवंटन स्कीम के जरिए जो इंस्टीट्यूशंस आवंटित भूमि पर अपनी इकाई लगाएंगी उन्हें कई मानकों को सुनिश्चित करना होगा। इसके अतिरिक्त, उन्हें अपनी इकाई में कई प्रकार की नागरिक सुविधाओं का विकास भी करना होगा। स्कीम के जरिए हॉस्पिटल की स्थापना के साथ ही इंस्टीट्यूशंस को मेडिकल ट्रीटमेंट व फैसिलिटीज के साथ एक ऐसे इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास करना होगा हॉस्पिटल के ट्रीटमेंट सेंटर समेत एटीएम, ऑडिटोरियम, बैंक काउंटर एक्सटेंशन, इनफॉर्मेशन सेंटर, कैंटीन, स्टोर्स, इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर, केमिस्ट शॉप्स, इंटरनेट सेंटर समेत तमाम सुविधाओं का विकास सुनिश्चित करना होगा। इसी प्रकार, नर्सिंग होम के लिए ट्रीटमेंट सेंटर के साथ क्लीनिकल लैबोरेट्री व केमिस्ट शॉप्स जैसी सुविधाओं का विकास करना होगा। इस प्रकार कॉर्पोरेट ऑफिस स्पेस के लिए प्राइम स्थान पर कॉर्पोरेट ऑफिस, कॉन्फ्रेंस रूम, सेमिनल हॉल, मल्टीलेवल पार्किंग व ऑडिटोरियम समेत तमाम सहूलियतें तथा सीनियर सेकेंडरी स्कूल इकाई में स्कूल प्रांगण समेत कैंटीन, स्वीमिंग पूल, लाइब्रेरी, लैब्स, इंडोर गेम्स हॉल तथा हास्टल का निर्माण व विकास किया जाएगा।

गोगामेड़ी को न्याय के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट से हो सुनवाईः प्रदीप सिंह बब्बू

● सुखदेव सिंह की तेरहवीं पर यूपी के 17 क्षत्रिय संगठनों ने दी श्रद्धांजलि

लखनऊ। उत्तर प्रदेश क्षत्रिय समन्वय समिति द्वारा सोमवार को दिवंगत स्वर्गीय सुखदेव सिंह गोगामेडी के तेरहवीं की अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के विभिन्न क्षत्रिय संगठनों के प्रतिनिधियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का आयोजन उत्तर प्रदेश क्षत्रिय समन्वय समिति ने किया था, जिसमें प्रदेश के 17 क्षत्रिय संगठन शामिल हैं। उत्तर प्रदेश के क्षत्रिय संगठनों ने मांग करी कि स्वर्गीय सुखदेव सिंह गोगामेडी के परिवार जनों और शुभचिंतकों को त्वरित न्याय दिलाने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट की स्थापना हो। जिससे कि नियमित सुनवाई होकर हत्यारों को सजा दिलाई जा सके। क्षत्रिय संगठनों ने कहा कि गोगामेड़ी के परिजनों को सुरक्षा दी जाए और गोगामेड़ी के हत्या की जिम्मेदारी लेने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो तभी न्याय की उम्मीद की जा सकती है।

कार्यक्रम में शौर्य फाउंडेशन, क्षत्रिय विकास मंच, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा, भारतीय क्षत्रिय समाज, क्षत्रिय महासभा संपूर्ण भारत, राम सेवा समिति, राजपूताना महासभा, मां करणी सेना, राजपूत करणी सेना, भारतीय क्षत्रिय महासभा, क्षत्रिय कल्याण समिति, क्षत्रिय समाज कल्याण समिति, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा अमर सिंह भदोरिया, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा एकता, क्षत्रिय चेतना परिषद के प्रतिनिधि शामिल थे। शामिल लोगों में महेन्द्र सिंह, बाबा हरदेव सिंह, जूही सिंह, अनिल सिंह, उमाशंकर सिंह कुशवाहा, पूर्व मंत्री राम सिंह राणा, गोपाल सिंह पवार, राममूर्ति सिंह, विजय सिंह टिंटू, एके सिंह, डॉक्टर जेएस चौहान, दुर्गेश सिंह दीपू, आरपी सिंह चौहान, श्याम सिंह राठौड़, हरिशंकर सिंह, उदय प्रताप सिंह, धनंजय सिंह राणा, अमित सिंह, अमरेश सिंह, करुणेश सिंह राठौड़, भानु प्रताप सिंह, संदीप सिंह, डॉ जितेंद्र सिंह, जेपी सिंह, अरुण सिंह चंदेल, ब्लॉक प्रमुख अजीत सिंह, जेपी सिंह चौहान, राम अजय सिंह, अरूण सिंह, आशुतोष सिंह आज़ाद, सर्वेश सिंह, पेंद्र सिंह, विक्की सिंह सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

एटीएस ने आतंकी मामले में फरार चल रहे एएमयू के छात्रों पर घोषित किया ईनाम

लखनऊ। प्रदेश के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने आतंकी मामले में फरार चल रहे एएमयू के दो छात्रों अब्दुल समद मलिक व फैजान बख्तियार पर 25-25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया है। दोनों ही एमएयू के एमए सोशल वर्क के छात्र हैं। दोनों की गिरफ्तारी के बाद परिसर में सक्रिय पूरे गैंग का खुलासा होने की उम्मीद है। पिछले दिनों लीगढ़ से अब्दुल्ला अर्सलान व माज बिन तारिक और छतीसगढ़ के दुर्ग से वजीहुद्दीन की गिरफ्तारी के बाद ही एएमयू में आतंकी संगठन आईएसआईएस के पुणे मॉड्यूल की सक्रियता के प्रमाण मिल गए थे। मुंबई से एनआईए द्वारा गिरफ्तार किए गए आतंकी साकिब को इस माड्यूल का मास्टरमाइंड माना जाता है। उसकी गिरफ्तारी के बाद दिल्ली से लेकर यूपी तक कई आतंकी सुरक्षा एजेंसियों के हत्थे चढ़े। साकिब के जरिए आईएसआईएस से जुड़े रिजवान को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया था। रिजवान ने ही छत्तीसगढ़ के वजीहुद्दीन को जरिया बनाकर अलीगढ़ में नेटवर्क खड़ा किया।

मंत्री ने राज्य हज समिति की वेबसाइट का किया शुभारम्भ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज विभाग के कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह द्वारा आज यहां मौलाना अली मियां मेमोरियल हज हाउस, सरोजनीनगर में राज्य हज समिति की वेबसाइट का शुभारम्भ किया गया। इस वेबसाइट में अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, काउन्सल जनरल आफ इण्डिया जदाह, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग व हज कमेटी आफ इण्डिया मुम्बई की वेबसाइट की महत्वपूर्ण सूचनाएं उपलब्ध रहेंगी, जिससे हज यात्रियों को सहायता व मार्गदर्शन प्राप्त होगा। यह वेबसाइट अंग्रेज़ी व हिन्दी में कार्य करेगी। वेबसाइट पर हज कमेटी आफ इण्डिया का लॉगइन पेज उपलब्ध है जहां से हज यात्रा के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इससे आपको यात्रा के लिए रजिस्टर करने में सुविधा मिलती है।

मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि इस वेबसाइट से हज यात्रा से जुड़े महत्वपूर्ण परिपत्र, प्रमुख अपडेट्स, एक्शन प्लान उड़ान शिड्यूल आदि सूचनाएं भी उपलब्ध हैं। वेबसाइट में दिव्यांगजन फीचर्स एवं दिव्यांग हितैषी मानकों का उपयोग किया गया है। जिससे कोई भी दिव्यांग वेबसाइट का प्रयोग कर सकता है। यूपी राज्य हज समिति की वेबसाइट भारत सरकार और प्रदेश सरकार द्वारा निर्धारित डोमेन पर संचालित की गई।

इससे पूर्व अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री धर्मपाल सिंह की अध्यक्षता में यूपी राज्य हज समिति की बैठक आहूत की गयी जिसमें यूपी के हज यात्रियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान किये जाने हेतु विचार.विमर्श किया गया व सुझाव लिये गये। मंत्री द्वारा हज 2024 हेतु किये गये प्रयासों से अवगत कराया जिसमें प्रत्येक ज़िले में ज़िला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारियों की देख.रेख में कुल 199 हज ई.सुविधा केन्द्र स्थापित किये गये हैंए जहां से इच्छुक हज यात्री ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी बरेलीए गाज़ियाबाद व लखनऊ को हज 2024 के इच्छुक हज आवेदकों के पासपोर्ट के प्रकरण शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिये गये हैं।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के हज यात्रियों के आला हज़रत हज हाउस गाज़ियाबाद से समस्त प्रपत्रों को तैयार करवाने व वहीं से सीधे दिल्ली एयरपोर्ट के लिए प्रस्थान करने का प्रबन्ध करने हेतु व पूर्वी उत्तर प्रदेश के यात्रियों की सुविधार्थ वाराणसी को उड़ान स्थल बनाये जाने हेतु हज कमेटी आफ इण्डिया से अनुरोध किया है। बैठक में अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री दानिश आज़ाद अंसारी ने राज्य हज समिति की वेबसाइट तैयार किए जाने पर बधाई दी और कहा कि यूपी राज्य हज समिति की वेबसाइट भारत सरकार द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरुप नयी तकनीक के साथ तैयार की गयी है। वेबसाइट पर हज यात्री के सुझाव, प्रश्न और समस्याओं के लिए ऑनलाइन फीडबैक का विकल्प दिया गया है। जो हज यात्रियों के लिए उपयोगी साबित होगा। इस अवसर पर यूपी राज्य हज समिति के सदस्यगण उपस्थित रहे। बैठक में अपर मुख्य सचिव अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज मोनिका एस गर्ग ने कहा कि हज यात्रा के संबंध में मंत्री से प्राप्त दिशा निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा और सभी व्यवस्थाएं ससमय पूर्ण की जाएंगी। इस अवसर पर निदेशक अल्पसंख्यक कल्याण जे. रीभा, सचिव हज समिति के सचिव एस. पी. तिवारी, राज्य हज समिति व वित्त एवं लेखाधिकारी रवीन्द्र प्रताप सिंह, हज से संबंधित अन्य अधिकारीध्कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

इंडिया गठबंधन को मजबूत करने की है सपा की रणनीति

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश ने कहा है कि भाजपा सरकार की गलत नीतियों से देश की जनता, किसान और नौजवान सभी लोग दु:खी है। केन्द्र की सरकार उद्योगपतियों की सरकार है। यह गरीब और किसान की सरकार नहीं है। केन्द्र की भाजपा सरकार ने उद्योगपतियों का 10 लाख करोड़ रू0 से ज्यादा का कर्ज माफकर दिया लेकिन किसानों का कर्ज माफनहीं किया। जनता भाजपा से नाराज है और वह परिवर्तन चाहती है। 2024 के लोकसभा चुनाव में जनता भाजपा को सत्ता से हटा देगी। अखिलेश यादव ने कहा कि लोकसभा चुनाव को लेकर इंडिया गठबंधन बनेगा।

सीडीओ ने मिलेट्स कृषक जागरूकता गोष्ठी व प्रशिक्षण का किया शुभारंभ

फतेहपुर। जनपद स्तरीय रबी गोष्ठी श्रीअन्न कृषक जागरूकता, कृषक प्रशिक्षण का शुभांरभ मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल ने प्रेक्षागृह में लगे स्टालों का फीता काटकर किया। उप कृषि निदेशक राम मिलन सिंह परिहार ने संचालन करते हुए कार्यक्रम का विवरण एवं उपस्थित समस्त अधिकारियों एवं अतिथियों का स्वागत एवं माल्यार्पण कर शासन की संचालित लाभार्थीपरक योजनाओं की जानकारी दी। कृषि विज्ञान केंद्र के कृषि वैज्ञानिक डा. जितेन्द्र सिंह ने समय-समय पर कृषकों के मृदा परीक्षण कराने गोबर की खाद का प्रयोग करने, जल संचयन, गेहूं फसल के उपरान्त भूमि की जीवांश मात्रा को बढ़ाए जाने, ढैंचा की बुआई करने एवं मृदा प्रबंधन एवं जैविक खाद के अधिक प्रयोग की जानकारी तथा कृषक वैज्ञानिकों के माध्यम से अपने व कृषकों के अनुभवों को सीधे कृषक व वैज्ञानिक संवाद के माध्यम से जानकारी कृषकों के मध्य साझा की। उद्यान निरीक्षक शब्बीर हुसैन ने विभागीय संचालित

वैज्ञानिकों ने कृषकों से संवाद कर जानकारी की साझा

योजनाओं की विस्तारपूर्वक जानकारी एवं अनुदान के बारे जानकारी कृषकों को उपलब्ध करायी।

कृषि वैज्ञानिक डा. जगदीश किशोर ने आलू, चना फसल में लगने वाले कीट एवं रोग नियंत्रण, फसलों की सिंचाई पाइप से करने एवं जल संचयन करने की अपील की गयी। मत्स्य निरीक्षक कमलेश ने मत्स्य पालन विभाग में संचालित विभागीय योजना प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना आदि की जानकारी कृषकों को उपलब्ध कराते हुए मत्स्य पालन कर अपनी आय को बढ़ाये जाने हेतु प्रेरित किया। कृषि वैज्ञानिक डा. संजय पाण्डेय ने कृषकों से कृषि कार्य के साथ-साथ अधिक से अधिक पशु पालन कर दुग्ध उत्पादन कर अधिक आय प्राप्त करने के साथ देशी गाय की ब्रीड में पशु चिकित्सालयों में उपलब्ध साहीवाल गाय के ब्रीड को सीमन को डलवाकर व दो वर्गीय सीमन अधिक दुध उत्पादन कर अपनी आय को बढ़ाने हेतु प्रेरित किया। कृषि वैज्ञानिक डा. साधना वैश्य ने मोटे अनाज की बुआई विपणन एवं उससे लाभ आदि के बारे में कृषकों को विस्तार से बताया। खरीफ किसान गोष्ठी में प्रगतिशील किसान लोकनाथ पाण्डेय, बजरंग सिंह के अलावा भूमि संरक्षण अधिकारी, ईईसी उप सम्भागीय कृषि प्रसार अधिकारी सदर, परियोजना निदेशक, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, अधिशाषी अभियन्ता सिंचाई, अधिशाषी अभियन्ता नलकूप खण्ड, शब्बीर हुसैन, उद्यान निरीक्षक, अग्रणी जिला प्रबन्धक डा. जितेन्द्र सिंह, डा. एस. पांडेय, डा. राहाना वैश्य, जात जगदीश किशोर, कृषि वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केन्द्र थरियांव मौजूद रहे।

इच्छुक खिलाड़ी जिला स्तरीय ट्रायल हेतु जिला खेल कार्यालय कानपुर देहात से करें संपर्क

कानपुर देहात। खेल निदेशालय, उप्र लखनऊ के आदेश के क्रम में जिला क्रीड़ा अधिकारी ने बताया कि वर्ष 2023.24 में प्रदेश स्तरीय महिला बाल्केटबॉल हैण्डबॉल प्रतियोगिता दिनांक 25 से 27 दिसम्बर, 2023 तक जिला खेल कार्यालय, जौनपुर के तत्वावधान में पूर्वांचल विवि जौनपर में आयोजित की जायेगी। कानपुर मण्डल की टीम भाग लेगी। उक्त प्रदेशस्तरीय प्रतियोगिता से पूर्व जिला स्तरीय ट्रायल्सध्चयन जिला खेल कार्यालय कानपुर देहात में तथा मण्डल स्तरीय ट्रायल्सध्चयन निम्न विवरणानुसार क्षेत्रीय खेल कार्यालय ग्रीनपार्क कानपुर में आयोजित किये जायेगें। जिला स्तरीय ट्रायल्स 21 दिसंबर को प्रात: 10.00 बजे वही मंडल स्तरीय ट्रायल 22 दिसंबर को सायं 3.00 बजे आयोजित किया जाएगा। इच्छुक खिलाड़ी जिला स्तरीय ट्रायल हेतु जिला खेल कार्यालय कानपुर देहात से संपर्क करें। संस्कारिक जीवन में आना जाना तो लगा रहता है किंतु व्यक्ति द्वारा किये गए कार्यों को हमेशा याद किया जाता है उक्त बातें मुलायम सिंह यादव एडवोकेट अध्यक्ष जिला बार एसो. कानपुर देहात ने वरिष्ठ अधिवक्ता चौधरी राजा सिंह यादव के निधन पर शोक सभा करते वक्त जिला बार एसोसिएशन झंडा पार्क जनपद न्यायालय परिसर कानपुर देहात मे कहीं, उनके जीवन के बारे में विस्तार पूर्वक बताया उनकी आत्मा की शांति हेतु 2 मिनट का मौन रखा गया।

विकसित भारत संकल्प यात्रा में लाभार्थियों के खिले चेहरे

फतेहपुर। विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत सोमवार को ग्राम सभा सरैला एवं आलमपुर नरही ब्लाक भिटौरा में पूर्व विधायक विक्रम सिंह एवं युवा भाजपा नेता जिला पंचायत सदस्य अजय सिंह रिंकू लोहारी की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। अजय सिंह रिंकू लोहारी ने बताया कि ग्राम सभा सरैला में प्रधान अंजू देवी व बीडीओ भिटौरा के अलावा 18 विभागों के कर्मचारी उपस्थित रहे। जिसमें समाज कल्याण विभाग की तरफ से संजय कुमार ने बीस लोगों की पेंशन पास हो जाने के बाद खाता केवाईसी नहीं होने के कारण रूकी वृद्धा एवं विधवा पेंशन दिलाने का कार्य किया। पूर्ति विभाग की तरफसे कई लोगों के राशन कार्ड जोड़े गए। इसी क्रम में गर्भवती महिलाओं की गोदभराई एवं बच्चों के अन्नप्रासन कार्यक्रम भी सम्पन्न हुआ। अजय सिंह रिंकू लोहारी ने बताया कि चौबीस जनवरी तक विकसित भारत संकल्प यात्रा पूरे जनपद के प्रत्येक गांव तक पहुंचेगी। संपूर्ण ग्रामवासियों को आवास, शौचालय, राशन, गैस कनेक्शन, सौ प्रतिशत ग्रामीणों को नि:शुल्क सरकार के द्वारा प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष कृष्ण कुमार द्विवेदी, पूर्व मंडल अध्यक्ष गोविंद तिवारी, पन्ना तिवारी, अमित सिंह, सेक्टर प्रमुख बब्लू मिश्रा, जिला मंत्री ओम प्रकाश पाल, युवा मोर्चा एवं किसान मोर्चा के सेक्टर संयोजक जितेंद्र सिंह सेंगर उपस्थित रहे।

संवेदनाओं से जुड़ा है जातीय जनगणना का मुद्दा: पटेल

पुखरायां, कानपुर देहात। एनडीए में शामिल अपना दल 1/4एस1/2 के कार्यकारी अध्यक्ष व यूपी सरकार में प्राविधिक शिक्षा, बाट-माप उपभोक्ता संरक्षण के कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल ने कहा कि जाति जनगणना हमारी संवेदनाओं से जुड़ा मुद्दा है। उनकी पार्टी हमेशा से जातीय जनगणना के पक्ष में रही है। इस मामले हमारी नेता अनुप्रिया पटेल ने कई बार प्रधानमंत्री से बात भी की है। वह सोमवार को कस्बा अमरौधा के नगर पंचायत कार्यालय परिसर में आयोजित एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। बुंदेलखंड के भ्रमण के बाद कानपुर देहात के प्रवेश द्वार कालपी पुल पर कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। सामाजिक कार्यकर्ता नीरज सचान, अपना दल एस के जिला अध्यक्ष बानारसी बाबू पाल समेत दर्जनों कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदा स्वागत किया। जनसभा में उन्होंने कहा कि पिछड़ी जातियों का हितैषी मानने वाले अब सत्ता तक पहुंचने के लिए जातीय जनगणना का राग अलाप रहे हैं उत्तर प्रदेश में चार बार सरकार रही

जनसभा को संबोधित करते कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल

है तब उन्हें जातीय जनगणना की कभी याद नहीं आई। उन्होंने कहा कि हमारी नीति स्थापना के समय से ही जाति जनगणना के पक्ष में रही है। अनुप्रिया पटेल ने पीएम मोदी से इसके लिए कई बार इस बावत बात भी की है। बताया कि जाति जनगणना हमारी संवेदनाओं से जुड़ा हुआ विषय है। कहा कि एनडीए की सरकार ने पिछड़ों के लिए अनेकों कार्य किए हैं।

अब उप्र में विपक्षियों का सूपड़ा साफहोने वाला है। उनके साथ अपना दल 1/4एस1/2 के राष्ट्रीय सचिव विनोद गंगवार, रामफल कटियार, सत्यप्रकाश कुरील, राजकुमार पटेल, प्रदेश उपाध्यक्ष जेएन गंगवार का भी जोरदार स्वागत किया गया। नगर पंचायत अध्यक्ष अनीशा बेगम एवं नगर पंचायत की अधिषासी अधिकारी सुनीति त्रिपाठी ने प्रतीय देकर उन्हें सम्मानित किया। सभासद दीपक सविता, बृजेंद्र सविता, परवेज कुरैशी, बल्लूराम कश्यप, मोहम्मद कामिल, मोमिन, कार्यालय स्टाफ में वरिष्ठ सहायक राजेश कुमार गुप्त, बृजकिशोर श्रीवास्तव स्वागत समारोह में शामिल रहे। नगर पंचायत अध्यक्ष अनीशा बेगम ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और अनूप सचान ने संचालन किया।

युवक का शव खेत में मिट्टी से ढका मिला, साढू सहित दो हिरासत में

कायमगंज फर्रुखाबाद। तीन दिन पूर्व आरोपी गेहूं फसल की सिंचाई के बहाने युवक को घर से अपने साथ बुला ले गये जिसका शव गांव के बाहर गेहूं के खेत में मिट्टी से दबा हुआ पाया गया। सूचना पर डायल पुलिस 112 पहले पहुंची । सूचना पर थाना पुलिस तथा पुलिस क्षेत्राधिकारी भी मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल की। थाना क्षेत्र कंपिल के गांव अलियापुर निवासी 27 वर्षीय हरिनंदन उर्फ बाबा यादव पुत्र धनपाल सिंह को इसी गांव का निवासी नंदराम यादव पुत्र रामराज सिंह यादव 16 दिसंबर की शाम को गांव के रकवे में लगे सरकारी नलकूप से अपने गेहूं की फसल की सिंचाई करने के बहाने अपने साथ बुलाकर ले गया था । किंतु जब वह वापस घर नहीं लौटा तो मृतक हरिनंदन सिंह के भाई प्रवेश तथा पिंटू ने नंदराम से पूछा कि बाबा घर वापस नहीं लौटे हैं ।

प्रवेश के अनुसार नशे की हालत में नंदराम ने उससे कहा कि हरिनंदन को तो मैंने मारकर खेत में ही दफन कर दिया है। लेकिन प्रवेश ने उसकी इस बात को मजाक समझा और शाम को

ही अपने घर आ गया । रात भर इंतजार करने के बाद भी जब हरिनंदन वापस नहीं लौटा तो घर वालों को चिंता हुई। उन्होंने पूरी रात इधर.उधर खोज बीन की । किंतु कहीं कोई पता नहीं चला। सवेरे लगभग 8. 00 बजे से कुछ पहले मृतक के घर वालों ने डायल पुलिस 112 को फोन द्वारा सूचना दी । डायल पुलिस मौके पर पहुंची ।

मृतक के घर वालों से बातचीत करने के बाद मौका देखने गई। इधर.उधर देखने के बाद घटनास्थल से लगभग 50 कम की दूरी पर मृतक की साइकिल झाड़ियां के पास पड़ी हुई दिखाई दी । तो शंका गहरा गई । इसके बाद जिस खेत में पानी लगाया था। उस पर जाकर देखा तो जिस जगह मृतक को मिट्टी में दबाया गया था । वहां उसकी जैकेट का एक भाग मिट्टी से लथपथ पानी से भीगा हुआ दिखाई दिया। उस जगह की मिट्टी हटाकर देखा तो नीचे शव दबा हुआ था । दबे हुए शव को थोड़ा ऊपर किया तो पुलिस के साथ में मौके पर मौजूद मृतक के परिजनों ने शव की पहचान हरिनंदन सिंह यादव उर्फबाबा के रूप में की।

सूचना पाकर पुलिस क्षेत्राधिकारी कायमगंज सोहराव आलम तत्काल मौके पर पहुंच गए। उन्होंने मृतक के पिता भाई तथा अन्य लोगों से बातचीत करके घटना के संबंध में सत्यता जानने का प्रयास किया । साथ ही घटना का बारीकी से निरीक्षण किया। मृतक के पिता धनपाल तथा भाई प्रवेश एवं पिंटू ने पुलिस के सामने बयान दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि नंदराम उसके भाई को घर से बुलाकर लाया था और यहां लाकर उसकी हत्या करने के बाद शव को मिट्टी से ढक दिया ।

सूचना पर पहुंची फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के लिए नमूने एकत्र किए ।समाचार लिखे जाने तक पुलिस शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम को भेजने की कार्यवाही करने में जुटी हुई थी। वहीं पुलिस ने इस घटना का पटाक्षेप करने के लिए गांव के ही दो लोगों को जिसमें एक ने आरोपी के साथ दारू का सेवन किया था। वहीं दूसरा उसका संबंधी बताया जा रहा है। दोनों को फिलहाल पुलिस ने पूछताछ के लिए रोक लिया है। इस घटना से पूरे गांव में शोक का माहौल व्याप्त है। लोगों का कहना है कि मृतक बहुत सीधा.साधा अविवाहित गरीब आदमी था जो मेहनत मजदूरी करके अपना पालन पोषण करता था।

पुलिस ने रिश्ते में एक साढू सहित दो को हिरासत में लिया

थाना क्षेत्र कंपिल के गांव अलियापुर में घटी घटना के संबंध में वहां मौजूद लोग तथा मृतक के पिता एवं भाई तथा बिलखती महिलाएं कह रही थी कि हरिनंदन को पहले यहां शराब पिलाई गई और उससे खेत की सिंचाई भी करवाई । इसके बाद फावड़ा से प्रहार कर उसकी जान ले ली । समाचार लिखे जाने तक बताया जा रहा है कि तीन नामजद लोगों के अलावा एक व्यक्ति जिसने साथ में घटना वाली शाम किसी शराब के ठेके पर जाकर साथ.साथ दारु पी थी । दूसरा आरोपी का रिश्ते में साढू , दोनों को पूछताछ के लिए पुलिस अपनी हिरासत में बैठा ले हुए है । अभी.अभी मिली सूचना के अनुसार हिरासत में लिए गए दो व्यक्तियों में से आरोपी के साढू चंद्रपाल सिंह को पूछताछ के बाद आशंका दूर होने पर छोड़ दिया गया है। वही पंचनामा भरने के बाद शव को भी पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया गया है।

अव्वल रहे खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित

संवाददाता। पुखरायां, कानपुर देहात। कस्बा अमरौधा के श्री बृजबिहारी मेहरोत्रा विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में सोमवार को एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें युवा कल्याण एवं प्रदेशिक विकास दल की ओर से विकास खंड अमरौधा के सर्वोदय पूर्व माध्यमिक विद्यालय सरांय में संपन्न हुई ग्रामीण खेलकूद प्रतियोगिताएं में अव्वल रहे खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य रामनाथ वर्मा ने बताया कि गत 15 एवं 16 दिसंबर को युवा कल्याण एवं प्रदेशिक विकास दल की ओर से विकास खंड अमरौधा के सर्वोदय पूर्व माध्यमिक विद्यालय सरांय के मैदान में ग्रामीण खेलकूद प्रतियोगिताएं संपन्न हुई थीं। इसमें विद्यालयों के छात्र/छात्राओं ने प्रतिभाग किया था। प्रतियोगिता में कस्बा अमरौधा के श्री बृजबिहारी मेहरोत्रा विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के आयुष गौतम, प्रियांशू, लवलेश, हर्षित, आलोक वर्मा, निखिल, सौरभ, अमित निषाद, गुलशन एवं प्रांशू ने प्रतिभाग किया था। सभी खिलाड़ियों ने जीत हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया। शिक्षक विनीत कुमार वाजपेयी, पुष्पेंद्र पांडेय, नंदलाल, गंभीर सिंह, अवनीश शुक्ला, रामबाबू, शारिक अली, प्रदीप कुमार ने छत्र/छात्राओं को प्रशस्ति देकर सम्मानित किया।

डेडीकेटेड फ्रेट कोरिडोर का हुआ लोकार्पण

कानपुर देहात। भारतीय रेल देश की प्रगति का इंजन है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के सशक्त एवं समृद्ध भारत के विज़न को साकार करते हुएए लॉजिस्टिक्स सेक्टर को नई मजबूती प्रदान करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। भारतीय रेल द्वारा देश में बनाए जा रहे पूर्वी और पश्चिमी डेटीकेटेड फ्रेट कोरिडोर देश के एक छोर से दूसरे छोर तक माल ढुलाई को सुगम बनाते हुए अर्थव्यवस्था के विकास में अपना अहम योगदान दे रहे हैं। नारी शक्ति वंदना योजना को प्रोत्साहन देने की दिशा में संचालित ट्रैन की लोको पायलटए असिस्टेंट लोको पायलट व गार्ड महिला रहीं।

18 दिसंबर 2023 माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा पूर्वी डेटीकेटेड फ्रेट कोरिडोर का 402 किमी लंबा न्यू दीन दया उपाध्याय जंण.न्यू भाऊपुर जंण् खण्ड राष्ट्र को समर्पित किया जा रहा हैए जो कि इस्टर्न डेडीकेटेड फ्रेट कोरिडोर का एक महत्वपूर्ण भाग है। रू 10,903 करोड़ की लागत से निर्मित यह खण्ड दिल्ली.हावड़ा रेल मार्ग पर स्थित हैए जो कि उप्र के

चंदौली, मिर्ज़ापुर, प्रयागराज, कौशाम्बी, फतेहपुर, कानपुर नगर एवं कानपुर देहात जनपदों से होकर गुजरता है। इस रेल खण्ड में कुल 12 स्टेशन हैंए जिनमें 06 जंक्शन स्टेशन एवं 06 क्रॉसिंग स्टेशन शामिल हैं। इनमें न्यू दीन दयाल उपाध्याय जंण, न्यू अहरौरा रोड जंण्ए न्यू डगमगपुर, न्यू मिर्जापुर, न्यू ऊँचीडीह, न्यू करछना जं न्यू मनौरी, न्यू सुजातपुरए न्यू रसूलाबादए न्यू मालवांए न्यू कानपुर जंण् एवं न्यू भीमसेन जंण् हैं।यह रेल खण्ड झारखंड एवं पश्चिम बंगाल के इस्टर्न कोलफील्ड्स लि., सेंट्रल कोलफील्ड्स लि., भारत कोकिंग कोल लिमिटेड एवं नार्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड जैसे प्रमुख कोयला क्षेत्रों को उत्तर भारत के बिजली संयंत्रों से जोड़ता है। इस कोरिडोर पर मालगाड़ियां 100 किमीण् प्रति घंटे की अधिकतम गति से चलती हैं। विद्युत संयंत्रों तक कोयले की आपूर्ति तेजी से होने के फलस्वरूप लॉजिस्टिक लागत एवं समय में कमी आई है। तथा आयरन एवं स्टील सहित अन्य आवश्यक वस्तुओं की ढुलाई में भी तेजी आई है। डीएफसी के इस खण्ड के शुरू होने से उत्तर प्रदेश तथा बिहार के कृषिए खाद्य प्रसंस्करणए एमएसएमई एवं हस्तशिल्प उद्योंगों को भी बढ़ावा मिला है।

चोरों ने हजारों की नकदी व जेवरात चोरी की

कायमगंज फर्रुखाबाद। क्षेत्र में आए दिन हो रही चोरियों की घटनाओं को देखकर ऐसा लग रहा है , मानो घटनाओं को अंजाम देने वाले चोरों को पुलिस का कोई खौफही नहीं रहा है। लगातार हो रही चोरियों की कड़ी में एक चोरी की घटना आज और जुड़ गई। गांव अताईपुर जदीद के मोहल्ला खटिकों के निवासी आफक पुत्र अशफाक राजमिस्त्री का काम करते हैं और मजदूरी करने वह किसी दूसरे गांव गए थे । घटना वाली रात वह वहीं रुक गया था । इसलिए घर पर नहीं था ।गृह स्वामी की मां गुड्डी बेगम तथा बहन शबाना घर के बरामदे में सो रही थी। उसी समय दीवार के सहारे चोर आंगन में दाखिल हो गए । और कमरे की कुंडी खोलकर रखे बक्से और अलमारी खंगाली गृह स्वामी के अनुसार बक्से में रखे 75 हजार रुपया नगद एआधा तोला बजनी सोने की झुमकी , एक सोने की अंगूठी एवं एक जोड़ी चांदी की तोड़िया चुरा ले गए । अस्त.व्यस्त पड़ा सामान देखकर घर की महिलाएं चीख पडीं । सूचना पाकर गृह स्वामी आफक भी घर पहुंचा । घटना की सूचना मिलने के तुरंत बाद डायल पुलिस 112 तथा इसकी सूचना पर कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना का बारीकी से निरीक्षण कर जांच पड़ताल की।

घर में अगले महीने 29 जनवरी 24 को बिटिया की होनी थी शादी

कायमगंज फर्रुखाबाद। कोतवाली क्षेत्र के गांव अताईपुर जदीद में आफक के घर हुई चोरी की घटना से परिवार वाले बहुत अधिक परेशान हो रहे हैं। उनका कहना है कि उसकी बहन शबाना की अभी शादी होनी थी। उसी के इंतजाम के लिए रुपए तथा अन्य चीज इंतजाम कर घर में रखी थी। सब कुछ चोरी हो गया। अब शादी की व्यवस्था कैसे कर पाएंगे। इस घटना से पहले भी इसी गांव के मोहल्ला गिलजियान में खलील खान के यहां चोरी हो चुकी है। इतना ही नहीं आफक के जिस घर में चोरों ने घटना को अंजाम दिया। उनके घर के ठीक सामने वाले घर में भी 15 दिन पहले चोर घटना को अंजाम दे चुके हैं। इस तरह एक के बाद एक लगातार हो रही चोरियों के कारण क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है । लोगों का कहना है कि लगातार हो रही चोरियों के बाद भी पुलिस हाथ पर हाथ धरे बैठी है । किसी भी घटना का ना तो खुलासा पुलिस कर पाई है और ना ही किसी चोर को अब तक पुलिस गिरफ्तार करने में सफल हुई है ।शायद इसीलिए चोरों के हौसले भी बुलंद होते जा रहे हैं। डीएम की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार फतेहगढ़ में पीएम विश्वकर्मा योजना की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। जिलाधिकारी ने बड़े पैमाने पर योजना के अंतर्गत 18 ट्रेडों तथा उनमे मिलने वाली अनुदान राशि का प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा के अनुरूप अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों को योजना का लाभ दिलाया जाए। योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक लाभार्थियों से आवेदन कराया जाए । सरकारी राशन की दुकानों पर योजना के पोस्टर पंपलेट आदि लगवाई जाए।

दबंगो द्वारा सरकारी जमीन पर कब्जा को लेकर अपर आयुक्त प्रशासन ने दिये जांच के आदेश

हमीरपुर। मौदहा तहसील के गुढ़ा गांव में सरकारी जमीन पर दबंगों ने अवैध कब्जा कर लिया है,यह भूमि खेल मैदान के लिये सुरक्षित की गयी थी,एसडीएम द्वारा इस मामले में कोई कार्यवाही न करने पर अपर आयुक्त प्रशासन अमर पाल सिंह ने एसडीएम को जांच के आदेश दिये है। गांव के पूर्व प्रधान लेखराम निषाद ने बताया कि गांव का गाटा संख्या 608 में गांव के अच्छेलाल, बदलू, लक्ष्मी प्रजापति ने खेल के मैदान में कब्जा कर लिया है। इस मामले में एसडीएम से शिकायत की गयी थी मगर कोई कार्यवाही नही की गयी है। जबकि एसडीएम द्वारा एक बार जांच भी कर ली गयी है मगर कोई कार्यवाही नही की गयी है। जिससे दबंगो के हौसले बुलंद है। पूर्व प्रधान की शिकायत पर अपर आयुक्त प्रशासन ने एसडीएम को फिर से जाच कर कार्यवाही करने के आदेश दिये है। एसडीएम आरके मिश्रा का कहना है कि मामले की जांच कल करायी जायेगी।

हाईवे पर बेहोशी की अवस्था में मिले किसान नेता

● कोतवाली पुलिस से नाराज किसान नेता धरने पर बैठे, किया प्रदर्शन

गुरसहायगंज (कन्नौज)। भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट के लापता हुए मंडल सचिव संदिग्ध परिस्थितियों में बांगरमऊ हाईवे के किनारे घायल अवस्था में मिले जिसे परिजनों द्वारा स्थानीय कोतवाली लाया गया कार्यवाही में हीला हवाली से नाराज किसान नेताओं ने जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। जिससे घबरा कर कोतवाली पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए कार्वाई शुरू कर दी है। क्षेत्र के ग्राम डम्बरपुर्वा निवासी 27 वर्षीय दीपक उर्फविपिन यादव पुत्र अशोक यादव 12 दिसंबर को घर से छिबरामऊ कहकर गए थे जो कि अचानक लापता हो गए थे। जिसकी परिजनों द्वारा गुमशुदगी 15 दिसंबर को स्थानीय कोतवाली में दर्ज कराई गई थी। दीपक यादव के भाई जीतू

कोतवाली में धरने पर किसानों के साथ बैठे जिलाध्यक्ष शमीम सिद्दीकी।

यादव ने बताया कि दीपक भाकिय टिकैत मे मंडल सचिव है। सोमवार की सुबह फोन पर उन्हें बताया गया कि उसका लापता भाई दीपक बांगरमऊ हाईवे के किनारे खेत में घायल अवस्था में पड़ा हुआ है। जिसकी सूचना उसके द्वारा विवेचना कर रहे उपनिरीक्षक राम गिरीश यादव को दी गई। जब पुलिस ने कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया तो परिजनों द्वारा उसे बांगरमऊ थाने में सूचना देने के उपरांत गुरसहायगंज कोतवाली लाया गया। जहां पुलिस द्वारा इलाज के लिए काफी देर तक मजरूबी चिट्ठी नहीं दी गई। उधर घायल दीपक की हालत बिगड़ते देख किसान नेताओं में पुलिस की लचर कार्यवाही को लेकर आक्रोश व्याप्त हो गया और जिलाध्यक्ष शमीम सिद्दीकी, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष डॉ. कुसुम चौहान सहित उपेंद्र वर्मा, साजिद हुसैन, प्रमोद तिवारी, सत्यम प्रजापति, अनवर खान, मारूफ खान, बबलू नेता, बबलू ठाकुर तमाम किसान नेता दरी बिछाकर कोतवाली में ही धरने पर बैठ गए। इस दौरान जिलाध्यक्ष ने कहा कि कोतवाली पुलिस संवेदनशील नहीं है।

लोगों को कर्तव्य का ज्ञान होना चाहिये

संवाददाता। मौदहा, हमीरपुर **समाज** के अल्पसंख्यक समुदायों के उत्थान के लिए आज अल्पसंख्यक अधिकार दिवस पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया, बतौर मुख्य अतिथि अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी हिमांशु अग्रवाल ने कहा कि लोगो को अपने अधिकारों के साथ साथ कर्तव्य का ज्ञान भी होना चाहिये। अधिकार व कर्तव्य एक दूसरे के पूरक होते है। अग्रवाल ने कहा कि सरकार द्वारा संचालित योजनाओं को सभी को लाभ मिल रहा है। किसी को कोई समस्या हो तो समाधान तुरंत किया जायेगा। अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष अमरजीत अरोड़ा ने शासन द्वारा चलायी जा रही योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया अल्पसंख्यक समुदाय को संविधान द्वारा दिए गए विशेष अधिकारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई साथ ही अधिकारों। भारतीय संविधान में मुस्लिम, सिक्ख,ईसाई, पारसी, जैन, बौद्ध सहित अन्य कम संख्या में पाए जाने वाले सम्प्रदायों को अल्पसंख्यक समुदाय की श्रेणी में रखा गया है और उन्हें कुछ विशेषाधिकार दिए गए हैं।तभी से प्रत्येक वर्ष आज के दिन अल्पसंख्यक अधिकार दिवस के रूप में मनाया जाता है।

भाजपा संम्मेलन में कार्यकर्ताओं का अंग वस्त्र देकर किया गया सम्मान

संवाददाता घाटमपुर। नगर के जहानाबाद रोड पर स्थित एक गेस्ट हाउस में बिधान सभा क्षेत्र घाटमपुर के कार्य कर्ताओं का सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें अकबरपुर लोक सभा सीट के सांसद देवेन्द्र सिह भोले की गैर मौजूदगी में उनके पुत्र बिकास सिंह भोले ने पार्टी के कार्यकर्ताओं को अंग वस्त्र व माला पहना कर सम्मानित किया गया, इस मौके पर भाजपा कानपुर ग्रामीण के मंत्री दलजीत सिंह, कमलेश त्रिवेदी, रुपनरायन तिवारी, सुरेश त्रिवेदी, डा0 दिलीप पटेल, उमेश त्रिवेदी, भाजपा किसान मोर्चा के श्रीकृष्ण मिश्रा, संजय चौहान, बिकाश सैनी, राजेश शाहू और बंश गोपालशर्मा आदि भी मौजूद रहे। संचालन भाजपा कानपुर ग्रामीण के जिला महामंत्री बेदबृत सचान ने किया।

समाजवादी की बैठक नई कार्यकारिणी के साथ संपन्न

फर्रुखाबाद। महानगर समाजवादी पार्टी की आवास विकास स्थित जिला कार्यालय पर एक बैठक संपन्न हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सांसद चंद्रभूषण सिंह जी उर्फ मुन्नू बाबूजी रहे । बैठक की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष राघव दत्त मिश्रा ने की। बैठक का संचालन महानगर महासचिव रजत क्रांतिकारी ने किया। बैठक में महानगर अध्यक्ष ने बताया राष्ट्रीय नेतृत्व की संशुस्ति पर प्रांतीय नेतृत्व में महानगर समाजवादी पार्टी की कमेटी को अनुमोदित कर दिया जो महानगर अध्यक्ष जी को प्रेषित की गई, उसे कमेटी को समाजवादी पार्टी महानगर की बैठक में महानगर अध्यक्ष राघव दत्त मिश्रा जी ने घोषणा की।

जिला कार्यालय पर महानगर कमेटी की घोषणा की। जो आपके समझ निम्नबत है बैठक में मुख्य अतिथि सांसद चंद्रभूषण सिंह ने संबोधन में कहा कि नवनियुक्त पार्टी के सभी पदाधिकारी को बहुत-बहुत शुभकामनाएं और बधाई और मुन्नू बाबूजी ने कहा बड़ी कठिन

परिस्थितियों में महानगर अध्यक्ष को जिम्मेदारी सौपी गयी हैं महानगर कमेटी के साथियो को बड़ी गंभीरता के साथ विचिलित न होते हुए लड़ाई को लड़ना है।

उन्होंने अपने संबोधन में युवाओ को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी युवा आराम को बिल्कुल भूल जाये और पूरी तरह मेहनत मैं जुट जाएं क्यों कि 2024 की ये लड़ाई समाजवादी पार्टी की महत्वपूर्ण लड़ाई है हर तरह से हर कीमत पर हमें फर्रुखाबाद और उत्तर प्रदेश को जितना है।यूनिस अंसारी जी ने कहा आज नवनुक्त महानगर कमेटी के युवा चेहरो को देखकर कहना चाहता हु जिस और जवानी चलती है उस और जमाना चलता है महानगर अध्यक्ष श्री राघव दत्त मिश्रा की कार्यशैली को मैं भली भांति जानता हूं और मुझे विश्वाश है कि फर्रुखाबाद महानगर कमेटी फर्रुखाबाद ही नही बल्कि अपने कार्यो से पूरे उत्तर प्रदेश मे शानदार कार्यशेली वाली कमेटी होगी,

बैठक की अध्यछता कर रहे महानगर अध्यक्ष राघव दत्त मिश्रा ने कहा महानगर अध्यक्ष सभी नवनियुक्त पदाधिकारीयो के साथ हर विषम परिस्थितियों मैं खड़ा हूँ लेकिन पार्टी को एवं अखिलेश यादव के हाथों को मजबूत करने के लिए हर तरीके से हम सभी पदाधिकारी लग जाये हम सभी की मेहनत ही 2024 के परिणाम तय करेगी।

नौकरानी की हत्या के आरोपी डॉक्टर को जमानत पर रिहा करने से इंकार

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नवंबर 2022 में कथित रखैल नौकरानी की हत्या आरोपी डॉ दीपकेन्दु मित्रा को जमानत पर रिहा करने से इंकार कर दिया है और जमानत के लिए एस सी एस टी एक्ट के तहत दाखिल अपील खारिज कर दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन ने डॉ दीपकेन्दु मित्रा की अपील पर दिया है।

वादी मुकदमा बिटोला ने 24 नवंबर 2022 में अपनी बेटी संगीता की हत्या के आरोप में प्रयागराज कोतवाली में डाक्टर के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई थी। आरोप लगाया था कि उसकी बेटी उसके घर काम करने जाती थी और उसके संपर्क में आ गई। उसने बेटी की शादी करनी चाहिए तो उसने मना कर कहा कि वह स्वयं उसकी बेटी की शादी करा उठाएगा। बावजूद इसके वादी ने अपनी बेटी की शादी कर दी। उसकी बेटी डॉक्टर के प्रभाव में अपने ससुराल से वापस आ गई और लाउडर रोड रामबाग स्थित उसके फ्लैट में रहने लगी। वहीं पर बंद कमरे में उसकी लाश पाई गई।

अपीलार्थी की ओर से तर्क दिया गया कि मामला परिस्थितिजन्य साक्ष्य पर आधारित है। कोई चश्मदीद गवाह नहीं है।अपीलार्थी कैंसर विशेषज्ञ है और उसकी उम्र 70 वर्ष है। उसने मानवता वश अपना फ्लैट संगीता को रहने के लिए दे दिया था। वह ढाई माह से फ्लैट पर गया ही नहीं। कहा गया कि गवाहों का कहना है कि अपीलार्थी फ्लैट का मालिक है और संगीता पिछले 10 वर्ष से उसकी पत्नी के रूप में रह रही थी। मृत्यु से दो ढाई महीने पहले से अपीलार्थी ने संगीता को खर्च देना बंद कर दिया था। कोर्ट ने कहा शव फ्लैट में मिला। याची 10 साल से खर्च उठाता था। दोनों का बैंक में संयुक्त खाता भी है। खर्च बंद कर दिया। गवाहों के दर्ज बयान याची की मनोवृत्ति दर्शाते हैं। प्रथम दृष्टया परिस्थितियां याची की तरफ हत्या के अपराध को इंगित कर रही है। याची जमानत पाने के लिए स्वयं को निर्दोष साबित नहीं कर सका। इसलिए वह जमानत पाने का हकदार नहीं है।

बच्चों के 50 फीसदी से कम उपस्थिति वाले 75 विद्यालयों को नोटिस स्पष्टीकरण तलब

प्रयागराज। जिला बेसिक शिक्षा विभाग ने विद्यालयों में बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने और शिक्षण स्तर को भी सुधारने का प्रयास किया है। बावजूद इसके तमाम स्कूलों में पंजीकृत छात्रों की प्रतिदिन की उपस्थिति का प्रतिशत 50 से कम है। इसे लेकर स्कूल शिक्षा महानिदेशक ने नाराजगी जताई है। पिछले दिनों प्रदेश के सभी जिलों में नोटिस देकर इस तत्काल आख्या कराया गया था। जिले में 75 विद्यालय ऐसे चिह्नित है। जहां बच्चों की उपस्थिति 50 प्रतिशत से कम है। सभी से तीन दिन के भीतर लिखित स्पष्टीकरण मांगा गया है। बीएसए प्रवीण कुमार तिवारी ने बताया कि 01 से 15 दिसम्बर के बीच आईवीआरएस प्रणाली पर मध्याह्न भोजन ग्रहण करने वाले बच्चों की संख्या को देखने के बाद पता चला कि जिले के 75 विद्यालयों में मानक के अनुरूप बच्चे उपस्थित नहीं हो रहे हैं। इस पर भारत सरकार राज्य परियोजना कार्यालय मध्याह्न भोजन प्राधिकरण ने नाराजगी जताई है। सभी स्कूलों में उपस्थिति बढ़ाने का निर्देश देने के साथ कार्रवाई कर अवगत कराने का निर्देश मिला है। उन्होंने बताया कि अब सम्बंधित स्कूलों के सभी स्टाफ का दिसम्बर का वेतन रोक दिया गया है। खंड शिक्षाधिकारी के माध्यम से तीन दिन के भीतर सभी स्कूलों से स्पष्टीकरण भी लिया जा रहा है।

बलात्कार आखिर बलात्कार है, चाहे यह पति ने ही क्यों न किया हो: गुजरात उच्च न्यायालय

भाषा। अहमदाबाद

गुजरात उच्च न्यायालय ने कहा है कि बलात्कार आखिर बलात्कार होता है, भले ही यह किसी पुरुष द्वारा अपनी पत्नी के साथ ही क्यों न किया गया हो। इसने कहा कि भारत में महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा पर कायम चुप्पी को तोड़ने की जरूरत है। हाल में में दिए गए एक आदेश में, न्यायमूर्ति दिव्येश जोशी ने कहा कि भारत में महिलाओं के खिलाफ हिंसा की वास्तविक घटनाएं सामने आने वाले आंकड़ों से संभवत: कहीं अधिक हैं। आदेश में कहा गया कि पीछा करने, छेड़छाड़, मौखिक और शारीरिक हमले जैसी कुछ चीजों को समाज में आम तौर पर 'मामूली' अपराध के रूप में चित्रित किया जाता है और साथ ही सिनेमा जैसे लोकप्रिय माध्यमों में इसे प्रचारित भी किया जाता है। इसमें कहा गया कि जहां यौन अपराधों को 'लड़के तो लड़के ही रहेंगे' के चश्मे से देखा जाता है और अपराध को नज़रअंदाज़ किया जाता है, उसका 'पीड़ित लोगों पर एक स्थाई और हानिकारक प्रभाव पड़ता है। अदालत ने बहू के साथ क्रूरता और आपराधिक धमकी देने के आरोप में गिरफ्तार एक महिला की नियमित जमानत याचिका खारिज करते हुए ए टिप्पणियां कीं। आरोप है कि महिला के पति और बेटे ने बहू के साथ बलात्कार किया तथा पैसे कमाने के लालच में अश्लील साइट पर पोस्ट करने के लिए निर्वस्त्र अवस्था में उसके वीडियो बनाए। इसने कहा, ज्यादातर (महिला पर हमला या बलात्कार) मामलों में, सामान्य प्रथा यह है कि यदि पुरुष पति है, लेकिन वह पर पुरुष के समान आचरण करता है, तो उसे छूट दी जाती है। मेरे विचार में, इस चीज को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। एक पुरुष आखिर एक पुरुष है;अ एक कृत्य आखिर एक कृत्य है;अ बलात्कार आखिर बलात्कार है, चाहे यह महिला, यानि के 'पत्नी' के साथ किसी पुरुष, यानि के 'पति' द्वारा किया गया हो। आदेश में कहा गया कि संविधान महिलाओं को पुरुषों के साथ बराबरी का दर्जा देता और विवाह को समान लोगों का एक गठबंधन मानता है। अदालत ने कहा, 'भारत में, अपराधी अकसर महिला को जानते हैंअ ऐसे अपराधों को उजागर करने से सामाजिक और आर्थिक दिक्कतों का भय रहता है। परिवार पर सामान्य आर्थिक निर्भरता और सामाजिक बहिष्कार का डर महिलाओं को किसी भी प्रकार की यौन हिंसा, दुर्व्यवहार या घृणित व्यवहार की जानकारी देने से रोकता है। आदेश में कहा गया कि इसलिए, भारत में महिलाओं के खिलाफ हिंसा की वास्तविक घटनाएं सामने आने वाले आंकड़ों से संभवत: कहीं अधिक हैं। अदालत ने कहा, इस चुप्पी को तोड़ने की जरूरत है। ऐसा करने में, महिलाओं के खिलाफ हिंसा को रोकने और उसका मुकाबला करना पुरुषों, शायद महिलाओं से भी अधिक, का कर्तव्य और भूमिका होनी चाहिए। इसने कहा कि 50 अमेरिकी राज्यों, तीन ऑस्ट्रेलियाई राज्यों, न्यूजीलैंड, कनाडा, इज़राइल, फ्रांस, स्वीडन, डेनमार्क, नॉर्वे, सोवियत संघ, पोलैंड और चेकोस्लोवाकिया तथा कई अन्य देशों में वैवाहिक बलात्कार अवैध है। आदेश में कहा गया कि यहां तक कि ब्रिटेन ने भी पतियों को दी जाने वाली छूट को खत्म कर दिया है। पीड़िता के पति, ससुर और सास को राजकोट साइबर अपराध थाने में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर गिरफ्तार किया गया था। इस संबंध में भारतीय दंड संहिता की धाराओं-354 (ए) (अवांछनीय और स्पष्ट यौन उत्पीड़न, यौन संबंध की मांग, महिला की इच्छा के विपरीत अश्लील सामग्री दिखाना), 376 (बलात्कार), 376 (डी) (सामूहिक बलात्कार), 498 (पति या पति के रिश्तेदार द्वारा महिला के साथ क्रूरता), 506 (आपराधिक धमकी), 508 (किसी व्यक्ति को यह विश्वास कराना कि यदि वह कोई विशेष कार्य नहीं करता है, तो उसे भगवान द्वारा दंडित किया जाएगा)

उच्च न्यायालय ने 150 साल पुरानी मस्जिद को गिराए जाने की आशंका संबंधी याचिका पर कार्यवाही बंद की

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सुनहरी बाग रोड चौराहे पर 150 साल पुरानी मस्जिद को गिराने की आशंका वाली दिल्ली वक्फ बोर्ड की याचिका पर सोमवार को कार्यवाही बंद कर दी, क्योंकि शहर के नगर निकाय ने कहा कि याचिकाकर्ता की आशंका का कोई आधार नही है।

दिल्ली वक्फ बोर्ड के वकील ने कहा कि उन्हे नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) द्वारा कानूनी स्थिति के बाहर कार्वाई किए जाने की आशंका है और अदालत को 'ऐसी मनमानी तथा अवैध कार्वाई रोकनी चाहिए। एनडीएमसी के वकील ने इस दलील का पुरजोर विरोध किया और कहा कि याचिकाकर्ता के पास यह आशंका करने का कोई आधार नही है कि प्रतिवादी कानूनी स्थिति से हटकर कार्य करेगा। उन्होने कहा कि यदि अधिकारियो को कोई कार्वाई करनी होगी, तो वे मौजूदा नियमो का पालन करने के लिए बाध्य है। न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव ने एनडीएमसी का प्रतिनिधित्व कर रहे अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा का बयान दर्ज करते हुए याचिका का निपटारा कर दिया। उच्च न्यायालय ने कहा, चूंकि पक्ष उपरोक्त मुद्दे पर काफी हद तक सहमत है, इसलिए इस स्तर पर, इस अदालत को अब याचिका पर फैसला देने की आवश्यकता नही है।

बेटा पढ़ाओ, बेटी बचाओ

बेलगावी में महिला को निर्वस्त्र करने के मामले में उच्च न्यायालय ने कहा

बेंगलुरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने बेलगावी जिले में एक महिला को निर्वस्त्र करने और उससे मारपीट करने के मामले में स्वत: संज्ञान याचिका पर सुनवाई जारी रखते हुए सोमवार को समाज के लिए सामूहिक जिम्मेदारी तय करने का आह्वान किया। मुख्य न्यायाधीश प्रसन्ना बी वराले के नेतृत्व वाली खंडपीठ ने कहा, यह बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ नहीं है। यह बेटियों को बचाने के लिए बेटा पढ़ाओ है। जब तक आप लड़के को नहीं बताएंगे, आप इसे हासिल नहीं कर पाएंगे। लड़की स्वाभाविक रूप से दूसरी महिला का सम्मान करेगी। लड़के को यह बताना होगा कि वह महिला का सम्मान करे और उसकी रक्षा करे। उच्च न्यायालय ने 12 दिसंबर को हुक्केरी तालुका में 42 वर्षीय महिला को कथित तौर पर बिजली के खंभे से बांधने, निर्वस्त्र करने और उसके साथ मारपीट करने की घटना की खबरों पर स्वत: संज्ञान लिया। महिला के साथ कथित बर्बरता उसके बेटे के उसी गांव की अनुसूचित जनजाति समुदाय की एक लड़की के साथ भाग जाने के बाद की गई। उच्च न्यायालय ने अपनी सुनवाई में ऐसे मामलों में सामूहिक जिम्मेदारी तय करने की जरूरत बताई। अदालत ने कहा, कुछ सामूहिक जिम्मेदारी वाले कदम उठाने होंगे, जो इतिहास में लॉर्ड विलियम बेंटिक ने उठाए थे। अपराधियों की हरकत नहीं, बल्कि मौके पर खड़े लोगों की निष्क्रियता ज्यादा खतरनाक है। मूकदर्शक बनकर खड़े ए लोग हमलावर को नायक बना देंगे। उच्च न्यायालय ने मौखिक रूप से कहा कि लॉर्ड विलियम बेंटिक ने अपराधियों को शरण देने वाले गांवों पर सामूहिक जुर्माना लगाया था। इसने उल्लेख किया कि गांव का केवल एक व्यक्ति महिला के बचाव में आया। दलीलों के दौरान अदालत ने जानना चाहा कि ग्रामीण मूकदर्शक क्यों बने रहे, क्या वे पुलिस से डरते हैं? उच्च न्यायालय ने सोमवार को अपने आदेश में कहा कि जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) ने पीड़िता के पुनर्वास के लिए 50,000 रुपए का अंतरिम मुआवजा दिया था, जिसमें से 50 प्रतिशत निकालने की अनुमति दी गई थी और अन्य 50 प्रतिशत सावधि जमा खाते में रखने की अनुमति दी गई थी। चिकित्सा अधिकारी से परामर्श करने के बाद उच्च न्यायालय ने कहा कि महिला को छह से आठ महीने तक इलाज की आवश्यकता है। इसने डीएलएसए के आदेश को संशोधित किया और पूरी मुआवजा राशि बिना शर्त जारी करने का आदेश दिया। उच्च न्यायालय ने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री राहत कोष से महिला के बैंक खाते में पांच लाख रुपए जमा किए गए हैं और कर्नाटक महर्षि वाल्मिकी अनुसूचित जनजाति विकास निगम ने पीड़िता को बेलगावी के चुलकी गांव में दो एकड़ 3 गुंटा जमीन आवंटित की है। इसने कहा, हम पीड़िता को सांत्वना देने के लिए कर्नाटक सरकार द्वारा उठाए गए इन कदमों की सराहना करते हैं। अदालत ने मामले को जनवरी के तीसरे सप्ताह में अगली सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है।

पत्नी ने अलग हुए पति से आईवीएफ प्रक्रिया में सहयोग मांगा, न्यायालय ने तलाक कार्यवाही पर रोक लगाई

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने एक-दूसरे से अलग हुए पति-पत्नी के बीच तलाक की कार्यवाही पर रोक लगा दी है, क्योंकि पत्नी ने इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) प्रक्रिया के माध्यम से गर्भधारण करने के लिए अपने पति से सहयोग मांगा है और इसके लिए वह उसका शुक्राणु चाहती है। महिला ने अपने पति द्वारा भोपाल में दायर तलाक के लंबित मामले को लखनऊ स्थानांतरित करने का आग्रह करते हुए शीर्ष अदालत का रुख किया है, जहां वह वर्तमान में अपने माता-पिता के साथ रह रही है। मामले को दूसरी जगह स्थानांतरित करने के आग्रह वाली याचिका न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आई, जो मामले पर सुनवाई के लिए सहमत हो गए। पीठ ने एक दिसंबर के अपने आदेश में कहा, दोनों पक्षों के बीच तलाक की याचिका परिवार अदालत, भोपाल में लंबित है। याचिकाकर्ता-पत्नी लखनऊ मे रहती है और चाहती है कि मामले को लखनऊ स्थानांतरित किया जाए। नोटिस (पति को) जारी किया जाए और छह सप्ताह के भीतर इसका जवाब दिया जाए। पीठ ने कहा, इस बीच, प्रमुख न्यायाधीश, परिवार अदालत, भोपाल, मध्य प्रदेश मे लंबित (तलाक मामले) मे आगे की कार्यवाही पर रोक रहेगी। शीर्ष अदालत मे महिला की ओर से वकील असद अल्वी पेश हुए। याचिका मे 44 वर्षीय महिला ने कहा कि उन्होने (दंपति) नवंबर 2017 मे शादी की थी और बार-बार अनुरोध के बावजूद, उसके पति ने पिता बनने मे देरी के लिए अपनी बेरोजगारी का बहाना बनाया। महिला ने कहा कि लगातार अनुरोध के बाद, इस साल मार्च मे उसके आईवीएफ के माध्यम से बच्चा जन्मने के प्रति उसका पति सहमत हो गया। इसके बाद दंपति ने विभिन्न चिकित्सा परीक्षण कराए और एक डॉक्टर की देखरेख मे आवश्यक दवाएं लेनी शुरू कर दी। वकील ऐश्वर्य पाठक के माध्यम से दायर याचिका मे दावा किया गया है, हालाँकि, याचिकाकर्ता को तब झटका लगा जब प्रतिवादी (पति) ने अचानक तलाक के लिए मामला दायर कर दिया...जबकि आईवीएफ उपचार जारी था। उसने याचिकाकर्ता के साथ सभी संपर्क तोड़ दिए, उसकी कॉल ब्लॉक कर दी और उसे भावनात्मक रूप से परेशान कर दिया। लंबित तलाक के मामले को लखनऊ स्थानांतरित करने का आग्रह करते हुए याचिका मे कहा गया है कि महिला को उसके ससुराल के घर से निकाल दिया गया तथा उसे भोपाल मे अपनी पैरवी करने मे महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि वह उत्तर प्रदेश की राजधानी मे अपने माता-पिता के साथ रह रही है।

दिल्ली उच्च न्यायालय का महिला आरक्षण को तत्काल लागू करने संबंधी याचिका पर विचार से इनकार

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को एक वकील की जनहित याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया, जिसमें अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने के लिए महिला आरक्षण कानून को तत्काल एवं समयबद्ध तरीके से लागू करने का आग्रह किया गया था। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मिनी पुष्करणा की पीठ ने कहा कि यह मुद्दा पहले से ही उच्चतम न्यायालय के समक्ष लंबित है और अधिनियम ने स्वयं ही इसके कार्यान्वयन के लिए एक तंत्र एवं प्रक्रिया प्रदान की है। आधिकारिक तौर पर नारी शक्ति वंदन अधिनियम के रूप में जाना जाने वाला महिला आरक्षण कानून महिलाओं के लिए लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं में एक तिहाई सीट के आरक्षण का प्रावधान करता है। 29 सितंबर को राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद यह विधेयक कानून बन गया। हालांकि, कानून तुरंत लागू नहीं होगा। यह नई जनगणना होने के बाद लागू होगा जिसके आधार पर महिलाओं के लिए सीट आरक्षित करने के वास्ते परिसीमन किया जाएगा। याचिकाकर्ता योगमाया एमजी के वकील ने अदालत से कहा कि जनहित याचिका 'संपूर्ण नारीत्व' के हित में है और आगामी आम चुनाव से पहले महिला आरक्षण अधिनियम का कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए एक समाधान निकाला जाना चाहिए। अदालत ने कहा, 'जया ठाकुर का मामला (याचिका) उच्चतम न्यायालय के संज्ञान में है। वे इस पर विचार कर रहे हैं' अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने कहा कि याचिका एक 'प्रचार याचिका' है और विधायिका में महिलाओं के लिए आरक्षण शुरू करने की प्रक्रिया पहले से ही अधिनियम में शामिल है। याचिकाकर्ता ने उच्चतम न्यायालय जाने की छूट के साथ याचिका वापस ले ली। योगमाया एमजी ने पहले एक रिट याचिका दायर की थी जिस पर उच्च न्यायालय की एकल न्यायाधीश पीठ ने सुनवाई की थी।

अवैध धर्मांतरण मामले में आरोपी की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 19 को सुनवाई करेगा

नई दिल्ली (भाषा)। उच्चतम न्यायालय उप्र के सैम हिगिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति राजेंद्र बिहारी लाल और छह अन्य की इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर मंगलवार को सुनवाई करेगा। उच्च न्यायालय ने उनके खिलाफ दर्ज कथित धर्म परिवर्तन संबंधी प्राथमिकी को रद्द करने से इनकार कर दिया था। गिरफ्तारी के डर से, कुलपति और अन्य ने शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया है, जिसने उच्च न्यायालय के 11 दिसंबर के आदेश के खिलाफ उनकी याचिका पर सुनवाई के लिए न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस और केवी विश्वनाथन की अवकाशकालीन पीठ का गठन किया है। उच्च न्यायालय के 11 दिसंबर के आदेश में उनसे 20 दिसंबर तक आत्मसमर्पण करने को कहा गया है। जिस मामले में उन्होंने राहत मांगी है वह बलात्कार, अवैध धर्म परिवर्तन और अनैतिक तस्करी के आरोपों से संबंधित है। उनके खिलाफ प्राथमिकी 4 नवंबर, 2023 को उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में एक महिला ने दर्ज कराई थी। उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा था, चूंकि याचिकाकर्ताओं पर जघन्य अपराध का आरोप है, इसलिए हम निर्देश देते हैं कि उन्हें 20 दिसंबर, 2023 को या उससे पहले अदालत के सामने आत्मसमर्पण करना चाहिए।

कैबिनेट के लिए गए नीतिगत फैसले की चुनौती याचिका पर फैसला सुरक्षित

सरकारी शोध व प्रशिक्षण संस्थान में रामपुर पब्लिक स्कूल चलाने का मामला

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मौलाना मोहम्मद अली जौहर प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान सरकारी संस्था के भवन में पूर्व कैबिनेट मंत्री मोहम्मद आज़म खां द्वारा रामपुर पब्लिक स्कूल खोलने की योजना को सरकार द्वारा रद्द करने के आदेश की वैधता की चुनौती याचिका पर फैसला सुरक्षित कर लिया है। मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट की कार्यकारिणी परिषद की तरफसे दाखिल याचिका की सुनवाई कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार गुप्ता तथा न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेन्द्र की खंडपीठ कर रही थी। कोर्ट ने रामपुर पब्लिक स्कूल के छात्रों को अन्यत्र समायोजित करने की सरकार को योजना तैयार करने का भी निर्देश दिया है। मालूम हो कि 2004 में राज्य सरकार ने रामपुर में सरकारी प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान खोलने का निर्णय लिया। जमीन अधिगृहीत की गई। 80 फीसदी भवन निर्माण कार्य पूरा हो गया। आजम खां ने तत्कालीन मुख्यमंत्री पर दबाव डालकर कैबिनेट प्रस्ताव पारित कराया और सरकारी संस्था को मौलाना जौहर अली विश्वविद्यालय से सम्बद्ध करा लिया। हालांकि अल्पसंख्यक मंत्रालय की कई आपत्तियां थी परन्तु उन्हें नजर अंदाज किया गया। आपत्ति थी कि सरकारी संस्था प्राइवेट संस्थान से सम्बद्ध नहीं किया जा सकता। हितों में टकराव के चलते सरकार को 20७44 करोड़ के नुकसान की रिपोर्ट की अनदेखी की गई। महाधिवक्ता की विधिक राय लेकर विधि विभाग की राय की अनदेखी कर कैबिनेट मंत्री ने सरकारी संस्था को प्राइवेट विश्वविद्यालय से सम्बद्ध करा लिया और एक एकड़ जमीन की 100 रूपये किराये पर 99 साल की लीज कैबिनेट मंत्री ने स्वयं अनुमोदित कर लिया। जो कि ट्रस्ट के आजीवन अध्यक्ष हैं। सरकारी संस्थान के भवन में रामपुर पब्लिक स्कूल स्थापित कर लिया। सरकार बदलने पर हुई शिकायत पर एसआईटी गठित हुई। उसकी रिपोर्ट हाई पावर कमेटी ने कैबिनेट के समक्ष रखी। वर्तमान कैबिनेट ने 2014 के प्रस्ताव को पलट दिया और लीज निरस्त कर दी। रामपुर पब्लिक स्कूल को कब्जे में लेकर प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान स्थापित किया। इसे चुनौती दी गई है। याची का कहना है कि कैबिनेट के फैसले को दूसरी सरकार रद्द नहीं कर सकती। ऐसा करने से पहले याची को सुनवाई का मौका नहीं दिया गया जो नैसर्गिक न्याय के खिलाफ है। सरकार की तरफ से कहा गया कि नीतिगत मामलों में किसी पक्ष को सुनवाई का मौका देने का औचित्य नहीं है। एक सरकारी संस्था को प्राइवेट सोसायटी से सम्बद्ध नहीं किया जा सकता। ऐसा करना ग्रांट एक्ट का उल्लघंन है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित कर लिया है।

जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक आजमगढ़ स्पष्टीकरण सहित तलब

कोर्ट ने पूछा, मांगी गई जानकारी देने में असमर्थ क्यों

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मांगी गई जानकारी उपलब्ध न कराने पर आजमगढ़ के जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को 22 दिसम्बर को स्पष्टीकरण के साथ पेश होने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि दोनों अधिकारी व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल कर बतायें कि उनके द्वारा सरकारी वकील को मांगी गई जानकारी देने में क्यों विफल रहे। उनके इस आचरण से केस की सुनवाई अनावश्यक रूप से टालनी पड़ी। यह आदेश न्यायमूर्ति सलिल कुमार राय तथा न्यायमूर्ति सुरेंद्र सिंह की खंडपीठ ने ठेकेदार बृजेंद्र यादव की याचिका की सुनवाई करते हुए दिया है। याची का कहना है कि वह जिला पंचायत सहित कई संस्थानों का ठेकेदार हैं। पंजीकरण का नवीनीकरण करने के लिए चरित्र प्रमाण पत्र की आवश्यकता है। उसके खिलाफ कोई आपराधिक केस नहीं है। उसके भाई के खिलाफ दर्ज आपराधिक केस के कारण उसे प्रमाणपत्र जारी नहीं किया जा रहा है। जिससे उसका भारी नुक्सान हो रहा है। कोर्ट ने सरकारी वकील से जानकारी मांगी थी। केस की सुनवाई के दौरान सरकारी वकील ने यह कहते हुए अतिरिक्त समय मांगा कि सही जानकारी न मिल पाने के कारण वह कोर्ट को सहयोग करने में असमर्थ हैं। इस पर कोर्ट ने जिलाधिकारी व एसपी आजमगढ़ को सफाई के साथ 22 दिसम्बर को तलब किया है।

पेज एक का शेष

दोनों सदनों...

यह घटनाक्रम निचले सदन में इसी तरह के दृश्यों के बाद लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी, डीएमके के टीआर बालू और टीएमसी के सौगत रे सहित 33 विपक्षी सदस्यों को निलंबित किए जाने के तुरंत बाद हुआ। जबकि राज्यसभा के 34 सांसदों को शेष शीतकालीन सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया, 11 को विशेषाधिकार समिति द्वारा उनके आचरण पर जांच रिपोर्ट आने तक सदन से दूर रहने का निर्देश दिया गया है। सदन द्वारा शेष सत्र के लिए 34 सांसदों को निलंबित करने और 11 अन्य विपक्षी सांसदों के आचरण के मामलों को विशेषाधिकार समिति को भेजने के लिए सदन के नेता पीयूष गोयल द्वारा पेश एक प्रस्ताव को अपनाने के बाद सदस्यों को निलंबित कर दिया गया था। समिति को तीन महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट देने को कहा गया है और तब तक 11 सांसद सदन की कार्यवाही में शामिल नहीं हो सकेंगे। सभापति जगदीप धनखड़ ने पहले निलंबित सदस्यों के नाम बताए और फिर प्रस्ताव को मतदान के लिए रखा, जिसे ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। विपक्षी सदस्य लोकसभा में सुरक्षा उल्लंघन पर गृह मंत्री अमित शाह से बयान की मांग करते हुए सदन में हंगामा कर रहे थे और नारे लगा रहे थे और सदन की कार्यवाही बाधित कर रहे थे, जिसके कारण सुबह से ही सदन की कार्यवाही बार-बार स्थगित हुई। शेष सत्र के लिए निलंबित 34 सांसदों में से 12 सांसद कांग्रेस के हैं। निलंबित सदस्य इस प्रकार हैं - प्रमोद तिवारी, जयराम रमेश, अमी याजनिक, नारणभाई जे राठवा, सैयद नासिर हुसैन, श्रीमती फूलो देवी नेताम, शक्तिसिंह गोहिल, के.सी. वेणुगोपाल, रजनी अशोकराव पाटिल, रंजीत रंजन, इमरान प्रतापगढ़ी, रणदीप सिंह सुरजेवाला (सभी कांग्रेस के), जबकि सात सदस्य टीएमसी से हैं - सुखेंदु शेखर रे, मोहम्मद नदीमुल हक, अबीर रंजन विश्वास, शांतनु सेन, मौसम नूर, प्रकाश चिक बड़ाइक और समीरुल इस्लाम। शीतकालीन सत्र के लिए निलंबित अन्य लोगों में एम शनमुगम, एन. महुआ माजी, जोस के. मणि और अजीत कुमार भुइयां। जिन 11 विपक्षी सदस्यों के नाम विशेषाधिकार समिति को भेजे गए हैं वे हैं - जेबी माथेर हिशाम, एल हनुमंथैया, नीरज डांगी, राजमणि पटेल, कुमार केतकर, जी.सी.चंद्रशेखर, बिनॉय विश्वम, संदोश कुमार पी, मोहम्मद अब्दुल्ला, जॉन ब्रिटासैंड ए ए रहीम। लोकसभा ने संसद की सुरक्षा उल्लंघन के मुद्दे पर तख्तियां दिखाने और नारे लगाने के लिए अधीर रंजन चौधरी, टीआर बालू और सौगत रे सहित 33 विपक्षी सदस्यों को सदन से निलंबित कर दिया। द्रमुक के 10, तृणमूल कांग्रेस के नौ, कांग्रेस के आठ और आईयूएमएल, जेडी (यू) और आरएसपी के एक-एक सदस्य सहित 30 सदस्यों को शीतकालीन सत्र के शेष के लिए निलंबित कर दिया गया था, तीन अन्य कांग्रेस सदस्यों को विशेषाधिकार समिति की रिपोर्ट लंबित रहने तक निलंबित कर दिया गया था। पिछले हफ्ते, 13 विपक्षी सदस्यों को लोकसभा से निलंबित कर दिया गया था और एक को कार्यवाही में बाधा डालने के लिए राज्यसभा से निलंबित किया गया था। निलंबित विपक्षी सदस्यों की कुल संख्या अब 47 है। 33 सदस्यों के निलंबन की घोषणा के तुरंत बाद लोकसभा को दिन भर के लिए स्थगित कर दिया गया।

सोमवार को निलंबित किए गए लोगों में अधीर रंजन चौधरी, गौरव गोगोई, के सुरेश, अमर सिंह, राजामोहन उन्नीथन, सु. थिरुनावुक्करासर, के मुरलीधरन, एंटो एंटनी (सभी कांग्रेस से), कल्याण बनर्जी, अपरूपा पोद्दार, प्रसून बनर्जी, सौगत रे, शताब्दी रे, प्रोतिमा मंडल, काकोली घोष दस्तीदार, असित कुमार मल, सुनील कुमार मंडल (सभी टीएमसी से), टीआर बालू , ए राजा, दयानिधि मारन, टी सुमाथी, के नवास कानी, कलानिधि वीरासामी, सी एन अन्नादुराई, एस एस पलानीमणिक्कम, जी सेल्वम, एस रामलिंगम (सभी डीएमके से), ईटी मोहम्मद बशीर (आईयूएमएल), एन के प्रेमचंद्रन (आरएसपी) और कौशलेंद्र कुमार (जद-यू)।

संसद सुरक्षा...

सूत्रों ने कहा कि मेटा से आरोपियों की व्हाट्सऐप चैट साझा करने का भी अनुरोध किया गया है, क्योंकि उनके मोबाइल फोन क्षतिग्रस्त हो गए हैं। पुलिस के अनुसार, संसद सुरक्षा चूक की साजिश के साजिशकर्ता ललित झा ने राजस्थान के नागौर में अपना मोबाइल फोन फेंक दिया और अन्य आरोपियों के मोबाइल फोन जला दिए। पुलिस के अनुसार, ललित घटना के बाद वहां भाग गया था। बाद में पुलिस ने झा की निशानदेही पर टूटे और जले हुए मोबाइल फोन के टुकड़े बरामद किए। इन हिस्सों को फोरेंसिक विभाग में यह पता करने के लिए भेजा गया है कि क्या इनसे डेटा रिकवर किया जा सकता है। दिल्ली पुलिस ने संसद सुरक्षा उल्लंघन मामले में उनकी कथित संलिप्तता के लिए अब तक छह लोगों- सागर शर्मा, मनोरंजन डी, अमोल शिंदे, नीलम देवी, ललित झा और महेश कुमावत को गिरफ्तार किया है। उन पर कड़े गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत मामला दर्ज किया गया है। वहीं विशेष न्यायाधीश की अदालत में दिल्ली पुलिस ने सोमवार को कहा कि संसद की सुरक्षा उल्लंघन को लेकर दर्ज की गई एफआईआर 'अत्यंत संवेदनशील प्रकृति' की थी और इसलिए मामले के आरोपियों को फिलहाल इसकी प्रति उपलब्ध नहीं कराई जा सकती। दिल्ली पुलिस ने विशेष न्यायाधीश हरदीप कौर के समक्ष यह दलील दी, जिन्होंने नीलम आज़ाद द्वारा दायर आवेदन पर आदेश 19 दिसंबर के लिए सुरक्षित रख लिया। पुलिस ने अदालत को बताया कि आतंकवाद सहित गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) की कड़ी धाराओं के तहत दर्ज एफआईआर की प्रति संवेदनशील प्रकृति के कारण 'सीलबंद लिफाफे' में है। आगे की जांच जारी है और आरोपी पुलिस रिमांड में है। कुछ अन्य व्यक्ति जो इसमें शामिल हो सकते हैं वे अभी भी फरार हैं। इसलिए इस स्तर पर आरोपी को एफआईआर की प्रति प्रदान करना जांच को प्रभावित कर सकता है, बहस के दौरान आजाद के वकील ने कहा कि उन्हें परेशान किया जा रहा है। सूत्रों ने कहा कि 50 से अधिक टीमें गठित की गई हैं और आरोपियों के डिजिटल और बैंक विवरण और पृष्ठभूमि की जांच कर रही हैं। एक आरोपी सागर शर्मा से स्पेशल सेल साकेत दक्षिणी रेंज की टीम पूछताछ कर रही है।

नए भारत...

' मोदी ने कहा, 'मैं छठी बात कहता हूं कि किसानों को प्राकृतिक खेती के बारे में अधिक से अधिक जागरूक करते रहो। ये आग्रह मैंने पिछली बार भी आपसे किया था, अब फिर दोहरा रहा हूं। ये धरती मां को बचाने का बहुत महत्वपूर्ण अभियान है। मेरा सातवां आग्रह है बाजरे को अपने दैनिक आहार जीवन में श्री-अन्न के रूप में शामिल करें। इसका व्यापक प्रचार करें, यह एक सुपर फूड है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'मेरा आठवां अनुरोध है, चाहे फिटनेस हो, योग हो या खेल, इसे अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाएं। और नौवां अनुरोध है, कम से कम एक गरीब परिवार का सहारा बनें, उनकी मदद करें। भारत में गरीबी दूर करने के लिए यह आवश्यक है।'पीएम द्वारा समर्पित अन्य परियोजनाओं में अन्य रेलवे परियोजनाओं के अलावा लगभग 10,900 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित न्यू पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर-न्यू भाऊपुर डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर परियोजना का उद्घाटन शामिल है। पीएम ने नए उद्घाटन किए गए डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पर दोहरीघाट-मऊ मेमू ट्रेन और लॉन्ग हॉल मालगाड़ियों की एक जोड़ी को भी हरी झंडी दिखाई। उन्होंने बनारस लोकोमोटिव वर्क्स द्वारा निर्मित 10,000वें लोकोमोटिव को भी हरी झंडी दिखाई। उन्होंने स्मार्ट सिटी मिशन के तहत यूनिफाइड टूरिस्ट पास सिस्टम भी लॉन्च किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने विकसित भारत की पूर्व शर्त के रूप में नारी शक्ति, युवा शताब्दी, किसानों और गरीबों के विकास पर जोर दिया। मोदी ने जोर देकर कहा, 'मेरे लिए ये केवल चार जातियां हैं और इन्हें मजबूत करने से देश मजबूत होगा।' इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्र और राज्य सरकार के मंत्री उपस्थित थे। दुनिया के सबसे बड़े ध्यान केंद्र स्वर्वेद महामंदिर का उद्घाटन करते हुए मोदी ने कहा कि देश ने गुलाम मानसिकता से आजादी की घोषणा कर दी है और अपनी विरासत पर गर्व महसूस कर रहा है। उन्होंने कहा, 'गुलामी के दौर में भारत को कमजोर करने का प्रयास करने वाले अत्याचारियों ने सबसे पहले हमारे प्रतीकों को निशाना बनाया।

आडवाणी व जोशी से राम मंदिर के समारोह में शामिल न होने का अनुरोध : राम मंदिर न्यास

● स्वास्थ्य और उम्र संबंधी के कारणों से ऐसा किया गया

भाषा। अयोध्या (उप्र)

अयोध्या में राम मंदिर के लिए आंदोलन में आगे रहे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी के स्वास्थ्य और उम्र संबंधी के कारणों से अगले महीने होने वाले मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने की संभावना नहीं है। मंदिर न्यास ने सोमवार को यह जानकारी दी। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण करा रही संस्था श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने यहां संवाददाताओं को बताया कि पूर्व उप प्रधानमंत्री आडवाणी और पूर्व मानव संसाधन विकास मंत्री जोशी स्वास्थ्य और उम्र संबंधी कारणों से समारोह में शामिल नहीं हो सकेंगे। उन्होंने कहा, प्राण-प्रतिष्ठा समारोह की सभी तैयारियां 15 जनवरी तक पूरी कर ली जाएंगी। प्राण प्रतिष्ठा के लिए पूजा 16 जनवरी को शुरू होगी जो 22 जनवरी तक जारी रहेगी, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शामिल होंगे। उन्होंने इस कार्यक्रम में आमंत्रित किए गए लोगों का विस्तृत विवरण देते हुए कहा, "दोनों (आडवाणी और जोशी) परिवार के बुजुर्ग हैं और उनकी उम्र को देखते हुए उनसे न आने का अनुरोध किया गया है, जिसे दोनों ने स्वीकार कर लिया है। आडवाणी अब 96 साल के हैं और जोशी अगले महीने 90 साल के हो जाएंगे। उन्होंने कहा, विभिन्न परंपराओं के 150 साधु-संतों और छह दर्शन परंपराओं के शंकराचार्यों सहित 13 अखाड़े इस समारोह में भाग लेंगे। कार्यक्रम में लगभग चार हजार संतों को आमंत्रित किया गया है। इसके अलावा 2200 अन्य मेहमानों को भी निमंत्रण भेजा गया है। राय ने बताया कि काशी विश्वनाथ, वैष्णोदेवी जैसे प्रमुख मंदिरों के प्रमुखों, धार्मिक और संवैधानिक संस्थानों के प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया गया है। उन्होंने बताया कि आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा, केरल की माता अमृतानंदमई, योग गुरु बाबा रामदेव, अभिनेता रजनीकांत, अमिताभ बच्चन, माधुरी दीक्षित, अरुण गोविल, फिल्म निर्देशक मधुर भंडारकर और प्रमुख उद्योगपति मुकेश अंबानी, अनिल अंबानी, प्रसिद्ध चित्रकार वासुदेव कामत, इसरो के निदेशक नीलेश देसाई और कई अन्य जानी-मानी हस्तियां भी प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में मौजूद रहेंगी। प्रतिष्ठा समारोह के बाद 24 जनवरी से उत्तर भारत की परंपरा के अनुसार 48 दिनों तक मंडल पूजा होगी। वहीं, 23 जनवरी से आम लोग रामलला के दर्शन कर सकेंगे। राय ने बताया कि अयोध्या में तीन से अधिक स्थानों पर मेहमानों के ठहरने की उचित व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा विभिन्न मठों, मंदिरों एवं गृहस्थ परिवारों द्वारा 600 कमरे उपलब्ध कराए गए हैं तथा आगामी 25 दिसंबर से तीन प्रमुख स्थानों पर भंडारा भी शुरू हो जाएगा। इस बीच, अयोध्या नगर निगम ने प्राण-प्रतिष्ठा समारोह की तैयारी शुरू कर दी हैं।नगर आयुक्त विशाल सिंह ने बताया कि अयोध्या में श्रद्धालुओं के लिए शौचालय और महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम बनाए जाएंगे।राम जन्मभूमि परिसर में राम कथा कुंज गलियारा बनाया जाएगा, भगवान राम के पुत्रेष्टि यज्ञ से लेकर राम के राज्याभिषेक तक की घटनाओं को मूर्तियों के माध्यम से मनाने के लिए झांकियां सजाई जाएंगी ताकि युवा पीढ़ी श्री राम के जीवन को करीब से समझ सके। राम कथा कुंज गलियारे को भगवान राम के जीवन पर आधारित 108 प्रसंगों के माध्यम से सजाया जाएगा। सिंह ने बताया कि इसके अलावा यात्री सुविधा केंद्र के मार्ग पर गलियारे को भी सजाया जाएगा।

कई राजनीतिक दलों ने की जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने, अनुच्छेद 371 के विस्तार की मांग

जम्मू। विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने सोमवार को यहां एक बैठक की और बाद में प्रदर्शन किया। उन्होंने जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा तत्काल बहाल करने, विधानसभा चुनाव कराने और अनुच्छेद 371 का विस्तार इस केंद्र शसित प्रदेश तक करने की मांग की। शिवसेना (यूबीटी), नेशनल पैंथर्स पार्टी (एनपीपी) और डोगरा स्वाभिमान संगठन पार्टी (डीएसएसपी) सहित विभिन्न राजनीतिक दलों ने अवैध रूप से बसे प्रवासियों को वापस भेजने, कश्मीरी प्रवासी पंडितों की शीघ्र वापसी और दिहाड़ी मजदूरों के नियमितीकरण की मांग भी की। अगस्त 2019 में केंद्र द्वारा अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के फैसले को बरकरार रखने के उच्चतम न्यायालय के 11 दिसंबर के फैसले के बाद जम्मू में यह पहली ऐसी बैठक थी। हर्ष देव सिंह ने बैठक के बाद पीटीआई-भाषा से कहा, हमने शिवसेना और सैनिक समाज पार्टी द्वारा आयोजित सर्वदलीय बैठक में भाग लिया।

क्विक न्यूज

मणिपुर में जातीय हिंसा के लिए ड्रग माफिया और अवैध अप्रवासी जिम्मेदार : बीरेन सिंह

इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने सोमवार को राज्य मे महीनो से जारी जातीय तनाव के लिए ड्रग माफिया और अवैध प्रवासियों को जिम्मेदार ठहराया। सिंह ने मौजूदा संकट के लिए राज्य की सीमाओ की सुरक्षा मे पिछली सरकार की विफ्लता को भी जिम्मेदार ठहराया।मई से कुकी और मेइती समुदायों के बीच जातीय संघर्ष के कारण लगभग 200 लोग मारे गए है और 60,000 से अधिक लोग बेघर हो गए है।थौबल जिले के लीलॉन्ग मे लोगो को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा, मौजूदा संघर्ष की साजिश ड्रग माफिया और अवैध प्रवासियो ने रची जो वास्तविक जनजातियो की आवाज को दबाते है। लड़ाई मेइती और कुकी के बीच नही है, बल्कि सरकार और अवैध प्रवासियो के बीच है। मुख्यमंत्री ने कहा, रोज मै अपने कुकी दोस्तो से फोन पर बातचीत करता हूं। वे असहाय है और सच बोलने मे असक्षम है क्योकि उनको बंदूक के बल पर धमकाया जा रहा है। सिंह ने कहा, पड़ोसी देश म्यांमा मे सेना और सैन्य शासन विरोधी समूहो के बीच जारी संघर्ष की वजह से वहां से छह हजार से अधिक प्रवासी कामजोंग जिले मे दाखिल हुए है। पुलिस टीम स्थिति की निगरानी के लिए भेजी गई है और उन्हे अस्थाई आश्रय देने के लिए बायोमेट्रिक जानकारी एकत्रित की जा रही है। उन्होने कहा, हम चिन कुकी के खिलाफ नही है लेकिन अवैध अप्रवासियो के विरोध मे है। हम केवल बायोमेट्रिक आंकड़े एकत्र कर उन अवैध घड़ो की पहचान करना चाहते है और बाद मे म्यांमा मे स्थिति सुधरने पर उन्हे वापस भेजेगे।

संसद ने जम्मू-कश्मीर, पुडुचेरी की विधानसभाओं में महिलाओं के आरक्षण संबंधी दो विधेयक पारित किए

नई दिल्ली। संसद ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर और पुडुचेरी की विधानसभाओ मे महिलाओ के लिए एक तिहाई सीटें आरक्षित करने के प्रावधान वाले दो अहम विधेयको को मंजूरी प्रदान कर दी। राज्यसभा ने जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (दूसरा संशोधन) विधेयक, 2023 और संघ राज्य क्षेत्र शासन (सशोधन) विधेयक, 2023 को संक्षिप्त चर्चा के बाद ध्वनिमत से मंजूरी दी। सदन ने विपक्ष के हंगामे के बीच दोनो विधेयको को मंजूरी दी। उस समय विपक्ष के सदस्य संसद की सुरक्षा मे चूक मुद्दे पर तत्काल चर्चा कराने की मांग को लेकर हंगामा और नारेबाजी कर रहे थे।लोकसभा ने पिछले दिनो इन विधेयको को मंजूरी दी थी।चर्चा मे अधिकतर सदस्यो ने विधेयको के प्रावधानो का स्वागत किया और कहा कि इससे महिलाएं अधिकार संपन्न होंगी। वही कुछ सदस्यो ने जम्मू कश्मीर मे जल्दी चुनाव कराए जाने की मांग की।गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने दोनो विधेयको को चर्चा एवं पारित करने के लिए सदन मे पेश किया।सभापति जगदीप धनखड़ ने विधेयको को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि ए महिलाओ के लिए आरक्षण एवं उनके सशक्तीकरण से जुड़े है। चर्चा मे भाग लेते हुए बीजद के सस्मित पात्रा ने दोनो विधेयको को अहम बताते हुए उनका समर्थन किया, वही वाईएसआर सीपी के वी विजय साई रेड्डी ने पिछड़ा वर्ग की महिलाओ को भी आरक्षण मुहैया कराने की मांग की।भाजपा की कविता पाटीदार ने कहा कि इन विधेयको से महिलाएं अधिकारसंपन्न होंगी।

शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह चालू वित्त वर्ष में अबतक 21% बढ़कर 13.70 लाख करोड़ रुपए

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष मे अभी तक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 20.66 प्रतिशत बढ़कर 13.70 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है।आयकर विभाग ने सोमवार को बताया कि 17 दिसंबर, 2023 तक 13,70,388 करोड़ रुपए के शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह मे 6.95 लाख करोड़ रुपए कॉरपोरेट कर (सीआईटी) से मिले। व्यक्तिगत आयकर (पीआईटी) की हिस्सेदारी 6.73 लाख करोड़ रुपए रही। इसमें प्रतिभूति लेनदेन कर शामिल है। चालू वित्त वर्ष मे शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह बजट अनुमान के 75 प्रतिशत तक पहुंच गया है। चालू वित्त वर्ष मे प्रत्यक्ष करो से 18.23 लाख करोड़ रुपए जमा होने की उम्मीद है। इसमे व्यक्तिगत आयकर और कॉरपोरेट कर शामिल है।

समानता को बढ़ावा देने के लिए प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल किया जाना चाहिए

खड़गपुर (पश्चिम बंगाल)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को जोर देकर कहा कि प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल समाज में मतभेद बढ़ाने के बजाय सामाजिक न्याय और समानता को बढ़ावा देने के लिए होना चाहिए।राष्ट्रपति मुर्मू ने सोमवार को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी)खड़गपुर के 69वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि हर किसी को प्रौद्योगिकी तक पहुंच का अधिकार होना चाहिए और इसका उपयोग मतभेदो को बढ़ाने के बजाय सामाजिक न्याय और समानता को बढ़ावा देने के लिए किया जाना चाहिए। उन्होने कहा, हमारा मानना है कि हर किसी को प्रौद्योगिकी तक पहुंच का अधिकार होना चाहिए।

सर्दियों में गीजर की मांग बढ़ी

बेंगलुरु। जाड़े के बढ़ने के साथ गीजर की मांग बढ़ी। अपने घर को आरामदायक माहौल और क्रिसमस के उत्वी रंगों से सराबोर करें। अमेज़न डॉट इन की होम शॉपिंग स्प्री के साथ इस बार सर्दियों में अपने घर को एक आरामदायक और आकर्षक स्थल के रूप में बदलें और हैवेल्स, लिवगार्ड,ल्यूमिनस आदि टॉप ब्रांड्स के गीजर, रूम हीटर और अन्य जैसे सर्दियों की आवश्यक वस्तुओं पर शानदार ऑफर प्राप्त करें। उपभोक्ता होम, किचन और आउटडोर उत्पादों पर 70 प्रतिशत तक की छूट के साथ सिटी बैंक, कोटक बैंक, बैंक ऑफ बड़ोदा आदि से 10 प्रतिशत का इंस्टैंट बैंक डिस्काउंट का लाभ उठा सकते हैं।

अवैध फोन टैपिंग पर तीन साल की जेल, दो करोड़ जुर्माना या दोनों का प्रावधान

नई दिल्ली। अवैध रूप से फोन संचार को बाधित करना, अनधिकृत डेटा स्थानांतरण या दूरसंचार नेटवर्क तक पहुंच हासिल करने का प्रयास करने पर जल्द ही तीन साल तक की कैद की सजा या दो करोड़ रुपए तक का जुर्माना या दोनों लागू हो सकते है।लोकसभा मे सोमवार को पेश किए गए नए दूरसंचार विधेयक, 2023 के अनुसार, यदि कोई राष्ट्रीय सुरक्षा, दूसरे देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधो के हित के खिलाफ किसी भी तरह से काम करता है और अवैध रूप से दूरसंचार उपकरणों का उपयोग करता है, तो उसे तीन साल तक की कैद की सजा सुनाई जा सकती है या दो करोड़ रुपए तक का जुर्माना लग सकता है या दोनों सजा दी जा सकती है। यदि केंद्र सरकार उचित समझती है तो ऐसे व्यक्ति की दूरसंचार सेवा निलंबित या समाप्त भी कर सकती है। विधेयक मे कहा गया है कि जो कोई भी महत्वपूर्ण दूरसंचार बुनियादी ढांचे के अलावा दूरसंचार नेटवर्क को नुकसान पहुंचाता है, वह नुकसान के एवज में मुआवजे और 50 लाख रुपए तक के जुर्माने के लिए उत्तरदाई होगा। विधेयक के अनुसार, अधिकृत व्यक्ति इस तरह के उपकरण को अपने कब्जे मे ले सकता है।

आईएसआईएस के आठ आतंकवादी गिरफ्तार

एनआईए ने 19 स्थानों पर की छापेमारी

भाषा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने सोमवार को तीन राज्यों और दिल्ली में 19 स्थानों पर छापेमारी कर आईएसआईएस के एक मॉड्यूल सरगना सहित आठ कथित आतंकवादियों को गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। एनआईए ने आतंकी समूह इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया (आईएसआईएस) के खिलाफ सुबह-सुबह कार्वाई करते हुए कर्नाटक में बेल्लारी और बेंगलुरु, महाराष्ट्र में अमरावती, मुंबई और पुणे, झारखंड में जमशेदपुर और बोकारो के अलावा दिल्ली में 19 ठिकानों पर छापेमारी की। इससे आरोपियों द्वारा आतंकी कृत्यों, विशेषकर इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) विस्फोटों को अंजाम देने की योजना को विफल कर दिया गया। अधिकारी ने कहा कि मॉड्यूल प्रमुख मिनाज को सैयद समीर के साथ बेल्लारी से गिरफ्तार किया गया, जबकि मुंबई से अनस इकबाल शेख को, बेंगलुरु से मोहम्मद मुनीरुद्दीन, सैयद समीउल्लाह उर्फ सामी और मोहम्मद मुजम्मिल को गिरफ्तार किया गया। दिल्ली से शायान रहमान उर्फ हुसैन और जमशेदपुर से मोहम्मद शहबाज उर्फ जुल्फिकार उर्फ गुड्डू को गिरफ्तार किया गया। एनआईए के एक प्रवक्ता ने कहा, छापेमारी के दौरान गिरफ्तार किए गए आईएसआईएस के आठ एजेंट प्रतिबंधित संगठन आईएसआईएस के आतंक और आतंकवाद से संबंधित कृत्यों और गतिविधियों को सक्रिय रूप से बढ़ावा देने में शामिल थे। ए लोग मिनाज उर्फ मोहम्मद सुलेमान के नेतृत्व में काम कर रहे थे। अधिकारी ने कहा कि छापेमारी में सल्फर, पोटैशियम नाइट्रेट, चारकोल, बारूद, चीनी और इथेनॉल जैसी विस्फोटक सामग्री के अलावा तेज धार वाले हथियार, स्मार्टफोन और अन्य डिजिटल उपकरणों के साथ-साथ बेहिसाबी नकदी और कुछ दस्तावेज भी बरामद किए गए। एनआईए प्रवक्ता ने कहा कि प्रारंभिक जांच के अनुसार आरोपियों ने आईईडी बनाने के लिए विस्फोटकों का उपयोग करने की योजना बनाई थी, जिसका इस्तेमाल आतंकवादी कृत्यों को अंजाम देने के लिए किया जाना था। अधिकारी ने कहा कि जांच में यह भी पता चला है कि आरोपी हिंसक जिहाद, खिलाफत और आईएसआईएस के रास्ते पर चलते हुए एन्क्रिप्टेड ऐप के जरिए लगातार एक-दूसरे के संपर्क में थे। एनआईए प्रवक्ता ने कहा, वे अपने आतंकवादी समूह में भर्ती के उद्देश्य से विशेष रूप से कॉलेज के छात्रों को लक्षित कर रहे थे, और जिहाद के उद्देश्य से मुजाहिदीन की भर्ती से संबंधित दस्तावेजों को भी प्रसारित कर रहे थे। अधिकारी ने कहा कि यह छापेमारी भारत के खिलाफ इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया (आईएसआईएस) की आतंकी साजिश को नष्ट करने के एनआईए के प्रयासों का हिस्सा थी।

केरल के राज्यपाल ने मुख्यमंत्री और एसएफआई के खिलाफ रुख कड़ा किया, कहा-मैं डरने वाला नहीं

भाषा। मलप्पुरम (केरल)

केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और सत्तारूढ़ माकपा की छात्र इकाई के खिलाफ अपना रुख सख्त करते हुए सोमवार को उन्हें धमकाने वाला करार दिया। उन्होंने साथ ही कहा कि वह उनसे डरने वाले नहीं हैं। विजयन ने एक दिन पहले राज्यपाल पर आरोप लगाया था कि वह भड़काऊबयान देकर राज्य की शांति को भंग करने की कोशिश कर रहे हैं। इस बारे में संवाददाताओं द्वारा पूछे जाने पर राज्यपाल ने मुख्यमंत्री का उल्लेख धमकाने वाले के तौर पर किया। खान ने संवाददाताओं से कहा, आप उनका (विजयन का) इतिहास जानते हैं? वह कितने हत्या के मामलों में शामिल हैं? एक बुली (धमकाने वाला) क्या कहेगा? मैं कैसे उकसा रहा हूं? अगर मैं मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा)के लोगों को (विश्वविद्यालय के)सीनेट में नामांकित करता हूं, तो यह ठीक है? उन्होंने स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) के कार्यकर्ताओं को भी बुली करार दिया। खान ने कहा, यदि वे मुझे नुकसान पहुंचाना चाहते हैं तो उनका हार्दिक स्वागत है। मैं कह रहा हूं, यहां आइए, यदि आप मुझे नुकसान पहुंचाना चाहते हो तो यहां आइए। आप क्यों नहीं आते? वे केवल बुली हैं। वे छात्र नहीं हैं। सभी छात्र एसएफआई से जुड़े हुए हैं। किसी छात्र ने प्रदर्शन नहीं किया, यह केवल एसएफआई थी। क्यों? क्योंकि उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद उन्होंने महसूस किया कि वे विश्वविद्यालयों को नियंत्रित और संचालित नहीं कर सकते हैं।

कांग्रेस नेतृत्व ने लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर उप्र के नेताओं के साथ रणनीतिक बैठक की

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अगले लोकसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर सोमवार को पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई से जुड़े वरिष्ठ नेताओं के साथ रणनीतिक बैठक की।पार्टी मुख्यालय में हुई इस बैठक में कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, महासचिव और उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी वाद्रा, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय, वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी, राजीव शुक्ला, सलमान खुर्शीद तथा कई अन्य नेता शामिल हुए। सूत्रों का कहना है कि बैठक में लोकसभा चुनाव की तैयारियों के साथ ही सीट बंटवारे को लेकर भी मंथन किया गया।

सार्वजनिक नोटिस

मै, बिजेंद्र सिंह, पुत्र प्रताप सिंह, निवासी 87, जोशी चौहान, सोनीपत, हरियाणा, (आधार संख्या 5025 0330 1494), यह कहता हूं कि मेरी बेटी अपर्णा उर्फ सिम्मी, उम्र 22 वर्ष, ने अपनी मर्जी से और हमारी मर्जी के खिलाफ आदेश, पुत्र राकेश, निवासी कानपूर, उत्तर प्रदेश, के साथ लव मैरिज की है। मैं अपनी लड़की के साथ कोई भी सम्बन्ध नहीं रखना चाहता हूं। मै अपनी लड़की को अपनी तमाम चल-अचल सम्पति से बेदखल करता हूं। आज के बाद मेरे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य के साथ इसका किसी प्रकार का तालुक नहीं होगा। अगर भविष्य में वह किसी से कोई लेन-देन करती है या कोई गलत कदम उठाती है तो उसके लिए वह स्वय जिम्मेदार होगी और मैं या मेरे परिवार उसके लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

बिजेंद्र सिंह

PUBLIC NOTICE

Be it known to all that I, CHUAITEI D/O H. ZAKUNGA R/O- H. NO. 71, REPUBLIC HMARVENG,TOWN VILLAGE AIZAWL, DISTT.AIZAWL-796001 I am the mutatee/legal owner of LIG FLAT NO.25,FF,BLK-C4,PKT-2,SEC-G2, NARELA,DELHI-40,FILE NO.L/339(2451)2015 /DDA 14 /NA which is allotted by the DDA.I have lost the Original Allotment Letter, Possession Letter, NOC for Electric & Water Connection, Fitting Fixture Inventory,Site Possession Slip of the above Plot.FIR/NCR to this effect has lodged in P.S.Crime Branch, Delhi vide LR No.1248338/2023,Dated-18-12-2023.Any person(s)claiming any right, interest,having any objection or found in possession of original documents,may write/ contact with above named person at above address/phone No.9873731323 within 15 days from the date of publication of this notice .Any person claiming any right, interest, or having any objections with respect to this property can also personally inform/contact me.

महाराष्ट्र विधानसभा में लोकायुक्त विधेयक पारित

लोकपाल के दायरे में होंगे मुख्यमंत्री व मंत्री

भाषा। नागपुर

महाराष्ट्र विधानसभा ने सोमवार को लोकायुक्त विधेयक 2022 पारित कर दिया। यह मुख्यमंत्री और उनके मंत्रिपरिषद को भ्रष्टाचार विरोधी लोकपाल के दायरे में लाता है। इसे उद्योग मंत्री उदय सामंत ने सदन में पेश किया। यह विधेयक शुक्रवार को विधान परिषद से पारित हो गया। महाराष्ट्र ऐसा विधेयक पारित करने वाला देश का पहला राज्य है जिसके दायरे में मुख्यमंत्री और उनका मंत्रिमंडल आते हैं। विधेयक के मुताबिक, लोकायुक्त को मुख्यमंत्री के खिलाफ कोई भी जांच शुरू करने से पहले विधानसभा की मंजूरी लेनी होगी, जिसके लिए सदन में एक प्रस्ताव लाना होगा। विधेयक के अनुसार, ऐसे प्रस्ताव को विधानसभा के कुल सदस्य संख्या के कम से कम दो-तिहाई सदस्यों द्वारा पारित करना होगा। इसमें यह भी कहा गया है कि लोकायुक्त आंतरिक सुरक्षा या सार्वजनिक व्यवस्था से संबंधित मामलों पर मुख्यमंत्री के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों से जुड़े मामलों की जांच नहीं करेगा। विधेयक में कहा गया, ऐसी किसी भी जांच को गुप्त रखा जाएगा और यदि लोकायुक्त इस निष्कर्ष पर पहुंचता है कि शिकायत खारिज करने योग्य है, तो जांच के रिकॉर्ड प्रकाशित नहीं किए जाएंगे या किसी को भी उपलब्ध नहीं कराए जाएंगे। इसमें यह भी कहा गया है कि मुख्यमंत्री, मंत्रियों या निर्वाचित प्रतिनिधियों के खिलाफ मुकदमा शिकायत की तारीख से एक साल के भीतर पूरा किया जाना चाहिए।लोकायुक्त में एक अध्यक्ष होगा, जो उच्च न्यायालय का वर्तमान या पूर्व मुख्य न्यायाधीश या उच्चतम न्यायालय या बंबई उच्च न्यायालय का न्यायाधीश होगा।

देश भर में 1,000 वाहन कबाड़ केंद्रों की जरूरत: गडकरी

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कहा कि देश में वाहनों को कबाड़ में बदलने वाले 1,000 केंद्रों और 400 स्वचालित फिटनेस जांच केंद्रों की जरूरत है। गडकरी ने वाहनों उपयोगिता अवधि का प्रमाणपत्र जमा करने वाले मंच डिजीईएलवी की शुरुआत करते हुए कहा कि सड़क परिवहन मंत्रालय ने अब तक देश भर में 85 वाहन कबाड़ केंद्रों को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा, हमें देश भर में वाहनों को कबाड़ में बदलने वाले 1,000 केंद्रों और कम-से-कम 400 स्वचालित वाहन फिटनेस जांच केंद्रों की जरूरत है। डिजीईएलवी वाहनों की जीवन अवधि खत्म होने वाला प्रमाणपत्र जमा करने का एक मंच है। पुराना वाहन जमा करने का प्रमाणपत्र रखने वाला कोई भी व्यक्ति इस मंच के जरिए अपने प्रमाणपत्र को बेच सकता है। जमा प्रमाणपत्र उस समय जारी किया जाता है जब कोई उपयोगकर्ता आरवीएसएफ में अपने वाहन को कबाड़ में बदलने के लिए जमा करता है। गडकरी ने राष्ट्रीय वाहन कबाड़ नीति को सभी संबद्ध पक्षों के लिए फायदेमंद बताते हुए कहा कि भारत दक्षिण एशिया में वाहनों का कबाड़ में बदलने का केंद्र बन सकता है। गडकरी ने कहा, संसाधनों के अनुकूलतम उपयोग वाली (सर्कुलर) अर्थव्यवस्था बेहद अहम है और इससे देश में नौकरियां पैदा होने जा रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अगस्त, 2021 में राष्ट्रीय वाहन कबाड़ नीति जारी करते हुए कहा था कि इससे खस्ताहाल और प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को चरणबद्ध ढंग से हटाने में मदद मिलेगी और एक सर्कुलर अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। इस नीति के तहत केंद्र ने कहा था कि राज्य और केंद्रशासित प्रदेश पुराने वाहनों को कबाड़ में बदलने के बाद खरीदे जाने वाले नए वाहनों को सड़क कर पर 25 प्रतिशत तक कर छूट देंगे।

भौतिक कब्जा सूचना

ICICI Bank | शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लि., लैंडमार्क बिल्डिंग, चतुर्थ तल, 228ए, एजेसी बोस रोड, कोलकाता-700020 सीआईएन नंबर : एल65190जीजे1994पीएलसी021012, www.icibank.com

जबकि,

अधोहस्ताक्षरी ने आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत और प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 3 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नवर्णित कर्जदारों को मांग सूचनाएं जारी की थी, जिसमें उनसे सूचना में वर्णितानुसार बकाया राशि का भुगतान, उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिन के भीतर करने की मांग की गई थी। कर्जदार उपरोक्त राशि चुकाने में असफल रहे हैं, एतदद्वारा कर्जदार और जनसाधारण को सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमावली के नियम 8 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के तहत उसको प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यहां नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा निम्नवर्णित तिथियों को प्राप्त कर लिया है। कर्जदार को विशेष रूप से तथा जन साधारण को एतदद्वारा उक्त सम्पत्ति के संबंध में संव्यवहार नहीं करने हेतु सावधान किया जाता है तथा उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी संव्यवहार आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड की बकाया राशि के प्रभाराधीन होगा।

क्र. सं.	कर्जदार का नाम/ ऋण खाता संख्या	सम्पत्ति का वर्णन/भौतिक कब्जा की तिथि	मांग सूचना की तिथि/ मांग सूचना में राशि (रू.)	शाखा का नाम
1.	एक्सेल ऑटो(कर्जदार)/"विनीत कुमार झा, अजय कुमार सिंह, सत्येन्द्र कुमार सिन्हा (सह-कर्जदार)/विनीत कुमार झा, अजय कुमार सिंह, सत्येन्द्र कुमार सिन्हा, रोली सिन्हा, ललिता सिन्हा, सूर्य देव सिंह, निर्मला सिंह (गारंटर)/सूर्य देव सिंह, निर्मला सिंह, रोली सिन्हा, ललिता सिन्हा, सत्येन्द्र कुमार सिन्हा (बंधकदाता)/फ्लैट नंबर 204, द्वितीय तल, चंदन विला अपार्टमेंट 'जगदेवपथ ' निकट अर्राह गार्डन "पटना-800014/ 194351000001,194355000003 और 625905051907	तौजी नंबर 181, खाता नंबर 82, प्लॉट नंबर 787 मौजा - शेखपुरा, पी.एस. फुलवारी शरीफ, सब और सदर रजिस्ट्री कार्यालय तथा जिला पटना पी. एस. नंबर 111, पटना, परिमाप क्षेत्रफल 7 कठ्ठा भौतिक कब्जा की तिथि 13-12-2023	26-11-2021 रू. 6,81,55,076.99/-	पटना

उपरोक्त कर्जदार (रों)/गारंटर (रों) को एतदद्वारा सूचना दी जाती है कि उपरोक्त राशि 30 दिन के भीतर चुकता कर दें, अन्यथा इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 30 दिन की अवधि व्यतीत होने पर उक्त बंधक रखी सम्पत्तियां प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002, के नियम 8 और 9 के तहत प्रावधानों के अनुसार बेच दी जाएंगी।

तिथि : 19-12-2023
स्थान : गुरूग्राम

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

सीट बंटवारे समेत कई मुद्दों पर होगी चर्चा

● इंडी गठबंधन की बैठक आज

भाषा। नई दिल्ली

विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के घटक दलों के प्रमुख नेताओं की बैठक मंगलवार को यहां होगी, जिसमें अगले लोकसभा चुनाव के लिए सीट के बंटवारे, साझा जनसभाएं करने और नए सिरे से रणनीति बनाने समेत कई मुद्दों पर चर्चा होगी। यह बैठक हाल में संपन्न विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के खराब प्रदर्शन की पृष्ठभूमि में हो रही है। राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा है। सूत्रों का कहना है कि इस बैठक में सकारात्मक एजेंडा तय करने, सीट के बंटवारे, नए सिरे से रणनीति बनाने, और साझा जनसभाओं को लेकर मुख्य रूप से चर्चा संभव है। यह बैठक दिल्ली के अशोका होटल में होगी। बैठक से पहले तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि इंडिया गठबंधन के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार का फैसला 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद किया जाएगा। यह पूछे जाने पर कि क्या इंडिया गठबंधन सीट-बंटवारे जैसे मुद्दों पर कदम उठाने में देर कर रहा है, इस सवाल पर ममता बनर्जी ने कहा, देर आए, दुरुस्त आए। टीएमसी प्रमुख ने कहा कि वह गठबंधन सहयोगियों के लिए देश भर में प्रचार करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के साथ भी बैठक की और देश की राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की।बिहार के उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने यहां संवाददाताओं से कहा कि पहले गठबंधन की जो समितियां बनाई गई थीं, वे पर्दे के पीछे काम कर रही थीं और चुनाव की तैयारी की जा रही थी।यादव ने कहा कि विपक्षी समूह में हर कोई अपनी भूमिका निभाएगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि क्षेत्रीय दल बहुत मजबूत हैं। राजद नेता ने कहा, जहां भी क्षेत्रीय पार्टियां हैं, वहां भाजपा कहीं नजर नहीं आती। ज्यादातर क्षेत्रीय पार्टियां इंडिया गठबंधन के साथ हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की इंडिया गठबंधन में आगे की भूमिका के बारे में पूछे जाने पर यादव ने कहा कि सभी की भूमिका एक समान है और सभी का उद्देश्य एक ही है जो विभाजनकारी ताकतों को सत्ता से बाहर करना है।जनता दल (यू) के शीर्ष नेता नीतीश कुमार और शिवसेना (यूबीटी) सुप्रीमो उद्धव ठाकरे बैठक के लिए सोमवार शाम को राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे।कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मुकाबला करने के लिए विपक्षी दलों का इरादा एकजुटता बनाए रखते हुए मैं नहीं, हम नारे के साथ आगे बढ़ने का है।

सांकेतिक कब्ज़े की सूचना

ICICI Bank | **शाखा कार्यालय :** आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंज़िल, प्लॉट नंबर- 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली- 110005.

जबकि

अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए नीचे वर्णित कर्ज़दारों को माँग सूचनाएँ निर्गमित की थीं, जिसमें उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर सूचना में वर्णित राशि का प्रतिभुगतान करने को कहा गया था।

कर्ज़दार/सह-कर्ज़दार/ज़मानतदार राशि का प्रतिभुगतान करने में विफल रहे हैं, अतएव एतद् द्वारा कर्ज़दार तथा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरदाता द्वारा सांकेतिक अधिग्रहण किया गया है जो कि उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के तहत नियम 8 में दर्शाया गया है। संपत्ति तथा अधिग्रहण की तिथि नीचे दर्शाई गई है। एतद् द्वारा विशेष रूप से कर्ज़दार एवं जनसाधारण को संपत्ति के संव्यवहार नहीं करने के लिए सचेत किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार इसमें वर्णित राशि तथा उस पर आगे ब्याज हेतु आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र. सं.	कर्ज़दार/ सह-कर्ज़दार का नाम/ ऋण खाता क्र.	संपत्ति का विवरण/ सांकेतिक कब्ज़े की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	विजय कुमार/किरण/ LBDEL00004858772	डीडीए एमआईजी फ्लैट नंबर 276, तीसरी मंजिल, प्रसाद नगर (छत के अधिकार के साथ) दिल्ली-110005/ दिसंबर 13, 2023	जुलाई 29, 2023 रु. 75,31,683/-	दिल्ली/ एनसीआर
2.	मंजुल माहूर/ प्रियंका कावल/ LBNOD00005155474/ LBNOD00005159726	फ्लैट नंबर 3जी/907, टावर 3जी, 9वीं मंजिल (बिना छत के), निलय ग्रीन्स, खसरा नंबर 1015, 1023/1, 1023/2 और 1023 मिन पर स्थित विलेज मोरटा, राज नगर एक्सटेंशन गाजियाबाद/ दिसंबर 13, 2023	जुलाई 14, 2023 रु. 32,87,177/-	दिल्ली/ एनसीआर
3.	पंकुर त्यागी/ अभिषेक त्यागी/ सुमन लता त्यागी/ LBGHZ00005337379/ LBGHZ00004960883	हाउस नंबर-54 ए, ग्राउंड फ्लोर, ब्लॉक-ए, ईडब्ल्यूएस, सेक्टर-ए, नंदनी कुंज, गाजियाबाद/ दिसंबर 13, 2023	अगस्त 29, 2022 रु. 34,75,918.74/-	दिल्ली/ एनसीआर
4.	पर्सिस सोलोमन इस्माईल/ आशा डी सिंग/ LBGUR00002415972	यूनिट नंबर जी-57, ग्राउंड फ्लोर, ब्लॉक सी, टावर-सी, ''स्पेज़ बिजनेस पार्क'', सेक्टर 66, गुड़गांव/ दिसंबर 13, 2023	जुलाई 31, 2023 रु. 11,20,213/-	दिल्ली/ एनसीआर
5.	नरेंद्र सिंग नेगी/ गौरी एन/ LBGUR00003766171	फ्लैट नंबर-303, तीसरी मंजिल, टावर-बी, सुपरटेक अराविले, गांव नौरंगपुर, सेक्टर-79, गुड़गांव, हरियाणा/ दिसंबर 13, 2023	जून 23, 2021 रु. 1,29,20,628/-	दिल्ली/ एनसीआर
6.	शिखा सिंगला/ तरुण कुमार कुरील/ LBDEL00003466165	फ्लैट नंबर 1606, 16वीं मंजिल अराविले टावर ई, गांव नौरंगपुर सेक्टर 79, गुड़गांव, हरियाणा/ दिसंबर 13, 2023	जून 23, 2021 रु. 78,55,950/-	दिल्ली/ एनसीआर
7.	धरमवीर सिंह/ हरीश चौधरी/ अस्पेक मीडिया प्रायव्हेट लिमिटेड/ चौधरी व्हेंचर्स प्रायव्हेट लिमिटेड/ LBGUR00003339948	संपत्ति क्रमांक 803, खसरा क्रमांक 315/8 का भाग अर्जुन नगर कोटला मुबारक पुर, दिल्ली/ दिसंबर 13, 2023	सितम्बर 15, 2023 रु. 4,90,76,990/-	दिल्ली/ एनसीआर

उपरोक्त दर्शाए गए कर्ज़दार/सह-कर्ज़दार एवं ज़मानतदारों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें, अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात् अधिग्रहित संपत्ति की नीलामी कर दी जाएगी जो पूर्णत: नियम 8 और 9 प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के अंतर्गत है।

दिनांक : दिसंबर 19, 2023
स्थान : दिल्ली /एनसीआर

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लि.

पायनियर
नई दिल्ली, मंगलवार, 19 दिसंबर 2023

इजराइल सैनिकों के हाथों 3 बंधकों की मौत

फलस्तीनियों के खिलाफ सख्ती को लेकर बहस तेज

भाषा। तेल अवीव

इजराइली नागरिक उस समय स्तब्ध रह गए जब इजराइली सैनिकों ने हमास द्वारा बंधक बनाए गए तीन लोगों की युद्ध क्षेत्र में जान ले ली। इससे पहले बंधकों ने सफेद झंडा दिखाया था और चिल्ला कर हिब्रू भाषा में कहा था कि उनसे कोई खतरा नहीं है।कुछ लोगों के लिए यह घटना युद्ध की वीभत्सता का एक चौंकाने वाला उदाहरण है, जहां जटिल और खतरनाक युद्धक्षेत्र में कोई भी सुरक्षित नहीं है। लेकिन आलोचकों के लिए, यह घटना इस बात को उजागर करती है कि फलस्तीनियों के खिलाफ इजराइली सुरक्षा तंत्र कितना हिंसक है। इस घटना में, इजराइलियों ने खुद को बचाने की कोशिश कर रहे तीन लोगों की जान ले ली। इजरायली मानवाधिकार समूह बी टी सेलेम के निदेशक रॉय एलिन ने कहा, "यह दुखद घटना है लेकिन इसमें आश्चर्य की बात नहीं है। हमने पिछले कुछ वर्षों में उन लोगों की कई घटनाओं का दस्तावेजीकरण किया है जिन्होंने स्पष्ट रूप से आत्मसमर्पण किया था लेकिन उसके बाद भी उन्हें गोली मार दी गई थी।" एलिन ने कहा कि हत्या की ऐसी घटनाएं सैन्य नैतिकता और अंतरराष्ट्रीय कानून का स्पष्ट उल्लंघन हैं, जिनमें आत्मसमर्पण करने की कोशिश कर रहे लोगों पर गोली चलाने पर रोक है, चाहे वे लड़ाके हों या नहीं। उन्होंने कहा कि यह बड़े पैमाने पर अत्यधिक बल प्रयोग की लंबी प्रवृत्ति का हिस्सा है जिसमें हाल के दिनों में खुद इजरायली फंस रहे हैं। एक सैन्य अधिकारी के अनुसार, तीनों बंधकों की उम्र 20 से 30 साल के बीच थी और वे गाजा शहर में एक इमारत से बाहर निकले, जहां इजराइली सैनिक हमास के लड़ाकों से जूझ रहे हैं। अधिकारी ने किहा कि तीनों लोगों ने सफेद झंडा लहराया और वे संकेत देने की कोशिश कर रहे थे कि उनसे कोई खतरा नहीं है। लेकिन उनमें से दो तुरंत मारे गए और तीसरा व्यक्ति मदद के लिए हिब्रू में चिल्लाते हुए वापस इमारत में भाग गया। उन्होंने कहा कि कमांडर ने गोलीबारी बंद करने का आदेश जारी किया, लेकिन एक अन्य गोलीबारी में तीसरे व्यक्ति की भी मौत हो गई। सेना के प्रमुख लेफ्टिनेंट कर्नल हर्जी हलेवी ने कहा कि बंधकों ने यह स्पष्ट करने के लिए "हरसंभव कोशिश की कि उनसे कोई ख़तरा नहीं हैं। उन्होंने कहा कि बंधकों पर गोलीबारी नियमों के खिलाफ है और किसी भी ऐसे व्यक्ति पर गोली चलाना मना है ।

निर्वाचन आयोग ने इमरान की पार्टी में संगठनात्मक चुनाव पर फैसला सुरक्षित रखा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान निर्वाचन आयोग (ईसीपी) ने जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की अगुवाई वाली पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी में विवादास्पद संगठनात्मक चुनावों को चुनौती देने वाले एक मामले में सोमवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। ईसीपी की पांच सदस्ईय समिति ने पेशावर में दो दिसंबर को हुए संगठनात्मक चुनाव के खिलाफ पीटीआई के सदस्यों द्वारा दायर कई याचिकाओं की सुनवाई पूरी की। पीटीआई के पूर्व नेता अकबर एस. अहमद के नेतृत्व में कई याचिकाकर्ताओं ने पार्टी पर चुनाव के नाम पर मनमाने तरीके से पदाधिकारियों का चयन करने का आरोप लगाते हुए ईसीपी में इसे चुनौती दी है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त सिकंदर सुल्तान राजा के नेतृत्व वाली ईसीपी की समिति ने प्रतिद्वंद्वी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया।

अमेरिका के रक्षामंत्री इजराइल पहुंचे

लक्षित हमले के लिए राजी करना होगी चुनौती

भाषा। तेल अवीव

इजराइल और हमास के बीच करीब ढाई महीने से जारी युद्ध के बीच अमेरिका के रक्षामंत्री लॉयड ऑस्टिन सोमवार को तेल अवीव पहुंचे। ऑस्टिन की इस यात्रा को अमेरिका की कूटनीतिक परीक्षा माना जा रहा है क्योंकि इससे स्पष्ट होगा कि अमेरिका फलस्तीनियों पर विनाशकारी असर के बावजूद इजराइल का पूर्ण समर्थन जारी रख है या नहीं। साथ ही ऑस्टिन के लिए इजराइल को गाजा में लक्षित हमले के लिए मनाने की भी चुनौती होगी ताकि आम फलस्तीनियों को कम से कम नुकसान हो।
इजराइल के करीबी माने जाने वाले फ्रांस, ब्रिटेन और जर्मनी सप्ताहांत में युद्ध विराम लागू करने की वैश्विक मांग में शामिल हो गए हैं। इजराइल में इजराइली सेना द्वारा गलती से चलाई गई गोली में तीन बंधकों की मौत के बाद सभी बंधकों को रिहा कराने के लिए हमास से नए सिरे से बातचीत को लेकर प्रदर्शन हो रहे हैं। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने जोर देकर कहा है कि इजराइल तब तक लड़ता रहेगा जब तक वह हमास को सत्ता से उखाड़ नहीं फेंकता और सात अक्टूबर के हमले के बाद समूह द्वारा बंधक बनाए गए सभी लोगों को छुड़ा नहीं लेता। सात अक्टूबर के हमले के बाद ही इजराइल ने गाजा में जवाबी कार्वाई शुरू की थी। अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में संघर्ष विराम के प्रस्ताव को वीटो कर दिया था और नागरिकों को नुकसान पहुंचाने से बचने के लिए बड़े कदम उठाने के लिए दबाव डालते हुए अपने करीबी सहयोगी इजराइल को हथियारों की आपूर्ति की थी। ऑस्टिन और ज्वाइंट चीफ चेयरमैन जनरल सीक्यू ब्राउन सोमवार को तेल अवीव पहुंचे। उम्मीद है कि वे हफ्तों की भारी बमबारी और जमीनी हमले के बाद इजराइली नेताओं पर युद्ध के एक नए चरण में जाने के लिए दबाव डालेंगे।अमेरिकी अधिकारियों ने हमास नेताओं को खत्म करने, सुरंगों को नष्ट करने और बंधकों को बचाने के उद्देश्य से लक्षित अभियानों का आह्वान किया है। गाजा में हमास शासित सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि करीब 10 सप्ताह से जारी युद्ध में कुल 18,700 फलस्तीनी मारे गए हैं जिनमें अधिकतर महिलाएं और बच्चे हैं।

क्विक न्यूज

म्यांमा: उच्चतम न्यायालय ने रिश्वत मामले में सू ची की विशेष अपील की खारिज

बैंकॉक। म्यांमा के उच्चतम न्यायालय ने देश की अपदस्थ नेता आंग सान सू ची की उस विशेष अपील को सोमवार को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने भ्रष्टाचार के एक मामले मे दोषी ठहराए जाने के खिलाफ अपील की थी। सू ची पर एक पूर्व राजनीतिक सहयोगी से रिश्वत के रूप में सोना और हजारों डॉलर लेकर भ्रष्टाचार करने का आरोप है। एक कानूनी अधिकारी ने यह जानकारी दी। सू ची (78) को एक फरवरी, 2021 को गिरफ्तार किया गया था, जब सेना ने उनकी चुनी हुई सरकार से सत्ता छीन ली थी। वह कई आपराधिक आरोपों में दोषी ठहराए जाने के बाद कुल 27 साल जेल की सजा काट रही है। उनके समर्थकों और स्वतंत्र विश्लेषकों का कहना है कि उन्हें बदनाम करने और सेना द्वारा सत्ता पर कब्जा करने को वैध बनाने के लिए मनगढ़ंत आरोप लगाए गए है। सोमवार की सुनवाई में मीडियाकर्मियो, राजनयिकों और दर्शकों को हिस्सा लेने की अनुमति नही थी।

करतारपुर में राज्य सरकार दर्शन रिजॉर्ट बनाएगी

लाहौर। पाकिस्तान में पंजाब प्रांत की सरकार करतारपुर में गुरुद्वारा दरबार साहिब के करीब एक दर्शन रिजॉर्ट का निर्माण कराएगी ताकि वहां रहने वाले सिख तीर्थयात्री पवित्र स्थल का मनोरम दृश्य देख सकें। पंजाब प्रांत के पर्यटन सचिव राजा जहांगीर अनवर ने सोमवार को पीटीआई-भाषा से कहा, पांच मंजिला दर्शन रिजॉर्ट का निर्माण अगले महीने शुरू होगा और इसपर 30 करोड़ पाकिस्तानी रुपए खर्च होने का अनुमान है। करतारपुर गलियारा का उद्घाटन 2019 में किया गया था। यह गलियारा भारत को पाकिस्तान स्थित गुरुद्वारा दरबार साहिब से जोड़ता है, जहां सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव 16 वी शताब्दी की शुरुआत में रहे थे और उनका यही ज्योति ज्योत समाना (देहावसान) हुआ था। करीब चार किलोमीटर लंबा यह गलियारा भारतीय तीर्थयात्रियों को गुरुद्वारा दरबार साहिब की यात्रा के लिए वीजा मुक्त सुविधा प्रदान करता है। अनवर ने कहा कि इस परियोजना की परिकल्पना दुनियाभर से आने वाले सिखों की सुविधा के लिए की गई है।

भारतीय मूल के पत्रकार ने ब्रिटेन में स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों के शोषण को उजागर किया

लंदन। भारतीय मूल के एक ब्रिटिश पत्रकार ने उत्तर-पूर्व इंग्लैंड में बुजुर्गों की स्वास्थ्य देखभाल के लिए संचालित होने वाले एक केंद्र मे देखभाल कर्मियो के शोषण को उजागर किया है। केरल से ताल्लुक रखने वाले पत्रकार बालकृष्णन बालगोपाल खुद एक स्वास्थ्य देखभाल कर्मी के रूप मे इस केंद्र में काम करने गए और वहां के कामकाजी हालात की विपरीत परिस्थितियो व कर्मियो से जुड़ी अन्य समस्याओ को उजागर किया है। बीबीसी पैनोरमा के लिए तैयार की गई इस रिपोर्ट को यहां सोमवार शाम को प्रसारित किया जाना था। रिपोर्ट में सामने आया कि देखभाल करने वालों से एक भारतीय भर्ती एजेंसी द्वारा हजारों पाउंड का शुल्क लिया जाता है और उन्हे लंबे अनुबंध के तहत बांध दिया जाता है, अगर नर्से नौकरी छोड़ने की कोशिश करती है तो उन पर आर्थिक दंड लगाया जाता है। पिछले वर्ष के आधिकारिक आंकड़ो के अनुसार, स्वास्थ्य और देखभाल उद्योग में कर्मचारियों की कमी को पूरा करने के लिए ब्रिटेन आने के लिए विदेशी श्रमिकों को 1,40,000 वीजा जारी किए गए थे और इनमें से 39,000 वीजा भारतीयों के पास गए थे।

अफ्रीका के रैंड रिफाइनरी से आएगा सोना

लंदन। मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने 100 प्रतिशत ट्रेसेबल रैंडप्योर सोना खरीदने के लिए दुनिया के अग्रणी सोना-चांदी रिफाइनरों में एक रैंड रिफाइनरी के साथ साझेदारी की। मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के एमडी - इंटरनेशनल ऑपरेशंस शामलाल अहमद ने डीन सुब्रमण्यन (सीएफओ - रैंड रिफाइनरी) और मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में प्रवीण बैजनाथ (सीईओ - रैंड रिफाइनरी) से 100 प्रतिशत ट्रेसेबल व एथिकली सोर्स किए गए रैंडप्योर सोने की पहली खेप प्राप्त की। रैंड रिफाइनरी को लंदन बुलियन मार्केट एसोसिएशन (एलबीएमए) से मान्यता मिली हुई है और वह दक्षिणी गोलार्ध में एकमात्र रेफरी दर्जा प्राप्त रिफाइनर है। उन्होंने 100प्रतिशत ट्रेसेबल व प्रमाणित रैंडप्योर गोल्ड का उत्पादन करने के अपने समर्पण के साथ उद्योग जगत में मानक विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। रैंडप्योर गोल्ड को पूरी तरह से एथिकल तरीकों से सोर्स किया जाता है मलाबार ग्रुप के चेयरमैन एम पी अहमद नेकहा कि मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स में हमारे काम करने के तरीके स्थाई और जिम्मेदार व्यावसायिक प्रथाओं से तैयार हुए हैं। रैंड रिफाइनरी के साथ हमारे सहयोग और रैंडप्योर सोने की खरीद के माध्यम सेहम उद्योग जगत के कठोर मानदंडों पर खरा उतरने वाले वाले सोने का चयन कर जिम्मेदार व एथिकल सोर्सिंग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता साबित कर रहे हैं.।

श्रीलंका ने 14 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया

कोलंबो। श्रीलंका की नौसेना ने द्वीपीय राष्ट्र के जलक्षेत्र में मछली पकड़ने के आरोप में 14 भारतीय मछुआरो को गिरफ्तार किया है और उनके ट्रॉलर जब्त कर लिए है। इस घटना के बाद इस साल गिरफ्तार भारतीय मछुआरो की कुल संख्या लगभग 240 हो गई है। नौसेना ने सोमवार को एक विज्ञप्ति में कहा कि इन मछुआरों को रविवार को उत्तरी जाफना प्रायद्वीप में कराईनगर अपतटीय क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। इससे पहले छह दिसंबर को, मन्नार और कोविलन के पूर्वोत्तर जलक्षेत्र में कम से कम 21 भारतीय मछुआरो को गिरफ्तार किया गया था तथा उनके चार ट्रॉलर जब्त कर लिए गए थे।श्रीलंकाई जलक्षेत्र में भारतीय मछुआरो द्वारा अवैध रूप से मछली पकड़े जानै की समस्या का जिक्र करते हुए मत्स्य पालन मंत्री डगलस देवानंदा ने पिछले सप्ताह संसद में कहा था कि इसके लिए दोनों देशों के बीच एक शीर्ष-स्तरीय राजनयिक समाधान की आवश्यकता है।

संदिग्ध साइबर हमले के कारण ईरान के करीब 70 प्रतिशत गैस स्टेशन पर कामकाज ठप

तेहरान, /ईरान के करीब 70 प्रतिशत गैस स्टेशन का कामकाज सोमवार को संदिग्ध साइबर हमले के कारण ठप हो गया। ईरान के सरकारी टेलीविजन चैनल ने यह जानकारी दी। खबर के मुताबिक सॉफ्टवेयर मे समस्या के कारण गैस स्टेशन के काम-काज मे अनियमितता आ गई। चैनल के माध्यम से लोगों से आग्रह किया गया कि वे उन गैस स्टेशन पर न जाएं जो अब भी काम कर रहे है। टाइम्स ऑफ इजराइल सहित इजराइली मीडिया ने इस समस्या के लिए गोंजेश्के दारांडे या प्रेडेटरी स्पैरो नामक हैकर समूह के हमले को जिम्मेदार ठहराया। सरकारी टेलीविजन चैनल ने तेल मंत्रालय के बयान के हवाले से बताया कि देश में 30 प्रतिशत से अधिक गैस स्टेशन अब भी काम कर रहे है। देश मे लगभग 33,000 गैस स्टेशन है। हाल के वर्षों मे ईरान के गैस स्टेशन, रेलवे प्रणाली और उद्योगों पर कई बार साइबर हमले हुए है। यहां तक जेल सहित सरकारी इमारतों की निगरानी के लिए लगाए गए कैमरे भी हैक किए जा चुके है।

चिली के नागरिकों ने संविधान में बदलाव को नकारा

सैंटियागो (चिली)। चिली के मतदाताओ ने देश के तानाशाही युग के संविधान को बदलने के लिए प्रस्तावित कंजरवेटिव संविधान को रविवार को नकार दिया। रविवार देर रात तक 96 फीसदी मतों की गिनती की गई जिसमे से करीब 55.8 प्रतिशत लोगो ने नए संविधान के खिलाफ जबकि करीब 44.2 फीसदी लोगों ने इसके पक्ष मे वोट दिया है। यह मतदान ऐसे वक्त में हुआ है जब करीब साल भर पहले चिली के नागरिकों ने वामपंथी झुकाव वाली एक परिषद द्वारा लिखे प्रस्तावित संविधान को साफ तौर पर नकार दिया। कई लोगों ने इस संविधान को दुनिया के सबसे प्रगतिशील संविधान मे से एक बताया था।कंजरवेटिव काउंसिलर्स द्वारा लिखा गया नया संविधान पहले से कही ज्यादा रूढ़िवादी है क्योंकि इसमे मुक्त बाजार के सिद्धांतो को और गहरा बनाने, सरकार का हस्तक्षेप कम करने और कुछ महिला अधिकारों को सीमित करने का प्रावधान है।

ऑस्ट्रेलिया के उत्तरपूर्वी हिस्से में बाढ़, 300 से अधिक लोगों को बचाया गया

ब्रिसबेन। ऑस्ट्रेलिया के उत्तरपूर्वी हिस्से में आई बाढ़ से रात में 300 से अधिक लोगों को बचाया गया। इनमें से दर्जनों लोग अपने घर की छत पर फंसे हुए थे। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। केर्न्स हवाई अड्डे को सोमवार को बाढ़ का पानी भर जाने से बंद कर दिया गया। अधिकारियों को चिंता है कि 1,60,000 की आबादी वाले शहर में पीने की पानी की किल्लत हो जाएगी। केर्न्स में जहां बारिश की रफ्तार कम हो गई वहीं समीपवर्ती पोर्ट डगलस, डेनट्री, कुकटाउन, वुजल वुजल और होप वेले में बहुत खराब मौसम की चेतावनी के साथ साथ और बारिश होने का अनुमान जताया गया। क्वींसलैंड राज्य की पुलिस कमिश्नर कैटरीना कैरोल ने बाढ़ को विनाशकारी बताया। कैरोल ने संवाददाताओं से कहा कि पिछली रात हमारे लिए चुनौतीपूर्ण थी जब हमने करीब 300 लोगों को बचाया। उन्होंने कहा कि किसी के मरने या गंभीर रूप से घायल होने की कोई सूचना नहीं आई है।

भारत में इजराइल के नए राजदूत होंगे रूवेन अजार, श्रीलंका, भूटान के लिए भी करेंगे काम

भाषा। यरुशलम

इजराइल सरकार ने रूवेन अजार को भारत में नए राजदूत के रूप में नियुक्त करने की रविवार को मंजूरी दे दी। इजराइल के विदेश मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, अजार (56) श्रीलंका और भूटान में अनिवासी राजदूत के रूप में भी काम करेंगे। उनके साथ ही इजराइल सरकार ने विदेशों में स्थित दूतावासों में 21 नए राजनयिकों की नियुक्ति को भी मंजूरी दी है जो जल्द ही पदभार संभालेंगे। विदेश मंत्री अली कोहेन ने नए राजनयिकों को बधाई देते हुए कहा कि वे इजराइल और उसके नागरिकों का प्रतिनिधित्व करेंगे, उसकी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाएंगे और इजराइल सरकार के लिए अंतरराष्ट्रीय समर्थन को मजबूत करेंगे। आधिकारिक सूत्रों से मिली सूचना के अनुसार, अजार अभी रोमानिया में इजराइल के राजदूत के रूप में काम कर रहे हैं। अभी यह पता नहीं चला है कि वह नई दिल्ली में प्रभार कब संभालेंगे। वह नाओर गिलोन का स्थान लेंगे जो 2021 से भारत में इजराइल के राजदूत के रूप में नियुक्त हैं। अजार पहले विदेश मंत्रालय में इजराइल–अमेरिका–चीन आंतरिक कार्य बल के प्रमुख के रूप में भी सेवाएं दे चुके हैं। इससे पहले वह इजराइल के प्रधानमंत्री के विदेश नीति सलाहकार और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में विदेश नीति के लिए उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के रूप में भी काम कर चुके हैं। अजार 2014 से 2018 तक वाशिंगटन में इजराइल दूतावास में उप राजदूत भी रह चुके हैं। उन्होंने फलस्तीनी प्राधिकरण के साथ सहयोग और बातचीत के विभिन्न पहलुओं पर भी काम किया और साथ ही फलस्तीनी मुद्दों पर अनुसंधान भी किया है।

रणवीर ने मैडम तुसाद संग्रहालय में अपने मोम के पुतले का अनावरण किया

भाषा। लंदन,

अभिनेता रणवीर सिंह ने सोमवार को लंदन और सिंगापुर के मैडम तुसाद संग्रहालय में अपने मोम के पुतलों का अनावरण किया। इसके साथ ही रणवीर सिंह सबसे हालिया भारतीय शख्सियत बन गए हैं, जिनका मोम का पुतला मैडम तुसाद संग्रहालय में लगाया गया है।सिंह का मोम का पुतला लगाने को लेकर मूल रूप से 2019 में घोषणा की गई थी, जब अभिनेता को अंतरराष्ट्रीय भारतीय फिल्म अकादमी (आईफा) पुरस्कार समारोह में मैडम तुसाद ऑफ द फ्यूचर अवार्ड मिला था। सिंह की मां अंजू भवनानी यहां प्रतिष्ठित संग्रहालय में पुतलों के अनावरण के अवसर पर उनके साथ थीं। रणवीर सिंह ने एक बयान में कहा, मेरे लिए यह बेहद अविश्वसनीय क्षण है कि मैं अपनी मां के साथ लंदन के मैडम तुसाद संग्रहालय में अपने खुद के मोम के पुतलों का अनावरण कर रहा हूं।

मध्य मेक्सिको में क्रिसमस समारोह के दौरान हुई गोलीबारी में 16 लोगों की मौत

भाषा। मेक्सिको सिटी

मेक्सिको के उत्तर–मध्य प्रांत गुआनाजुआतो के साल्वाटिएरा शहर में रविवार तड़के एक क्रिसमस समारोह में शामिल लोगों पर बंदूकधारियों ने हमला कर दिया, जिसमें करीब 12 लोगों की मौत हो गई। अभियोजक ने यह जानकारी दी।राज्य अभियोजक ने यह भी बताया कि सलामांका शहर में गोलीबारी की एक अन्य घटना में चार और लोगों की मौत हो गई, लेकिन हमले के हालातों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। स्थानीय मीडिया में बताया गया है कि साल्वाटिएरा में क्रिसमस समारोह के खत्म होने के बाद जब लोग कार्यक्रम स्थल से बाहर निकल रहे थे तभी उन पर गोलीबारी की गई। गुआनाजुआतो में जलिस्को माफिया और सिनालोआ माफिया समर्थित स्थानीय गिरोहों के बीच खूनी संघर्ष देखा जाता रहा है। मेक्सिको के इस राज्य में सबसे अधिक हत्याएं दर्ज की गई हैं। अधिकारियों ने कहा कि इस बीच, कैरेबियन तट के रिसॉर्ट टुलम में रविवार को हुए हमले में तीन लोगों की गोली लगने से मौत हो गई और चार लोग घायल हो गए।प्रांत अभियोजक क्विंटाना रू ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है गोलीबारी की यह घटना मादक पदार्थ तस्करों के बीच विवाद का नतीजा है। ऐसे में इससे देश की आम जनता और हमारे पर्यटकों की सुरक्षा को कोई खतरा नहीं है। हालांकि, पूर्व में टुलम में स्थानीय मादक पदार्थ गिरोहों के बीच गोलीबारी में पर्यटकों के मारे जाने की घटनाएं भी सामने आई थीं। साल 2021 में टुलम में दो पर्यटक– भारत में जन्मे कैलिफोर्निया ट्रैवल ब्लॉगर और जर्मनी के पर्यटक, की एक रेस्तरां में दो मादक पदार्थ गिरोहों के बीच हुई गोलीबारी में मौत हो गई थी।

चंद्रमा पर उतरने के लिहाज से महत्वपूर्ण हो सकता है आने वाला साल

गोल्डन (कोलोराडो)। साल 2024 के स्वागत के लिए उल्टी गिनती शुरू हो गई है और अगले साल चंद्रमा के लिए कई मिशन उड़ान भर सकते हैं। अगले साल चंद्रमा के लिए 12 मिशन भेजे जा सकते हैं या उसकी सतह पर उतर सकते हैं। ए एक साल में सर्वाधिक चंद्र मिशन होंगे। अकेले जनवरी में ही तीन ऐसे मिशन संचालित होने की संभावना है। जापान के एसएलआईएम मिशन ने 19 जनवरी को पहली चंद्र उड़ान की योजना बनाई है। यदि यह मिशन सफल रहा तो जापान चंद्रमा की सतह पर उतरने वाला पांचवां देश होगा। इससे पहले रूस, अमेरिका, चीन और भारत यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। इनट्यूशिव मशीन्स और एस्ट्रोबोटिक नामक दो कंपनियां चंद्रमा पर पहली व्यावसायिक लैंडिंग की दौड़ में शामिल हैं। दोनों ही नासा के व्यावसायिक चंद्र पेलोड सेवा (सीएलपीएस) कार्यक्रम का हिस्सा हैं और अमेरिकी व्यावसायिक अंतरिक्ष क्षेत्र की महत्वाकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती हैं। चंद्रमा को लेकर देशों की इस कदर रुचि बढ़ने के तीन प्रमुख कारण हैं। पहला प्रक्षेपण यान और अंतरिक्षयान प्रणालियों की कीमत कम होने के साथ अंतरिक्ष यात्रा की लागत में भी कमी आ रही है। इससे नए प्रतिभागी बाजार में उतर रहे हैं। भारत के चंद्रयान–3 से यह बात सामने आई कि चंद्र मिशन की लागत 10 करोड़ डॉलर से कम रह सकती है। एस्ट्रोबोटिक कंपनी मेक्सिको द्वारा विकसित छोटे रोवरों को ले जाने के लिए उस देश के पहले चंद्र मिशन पर काम कर रही है। दूसरा कारण चंद्रमा के बारे में अन्वेषण को लेकर वैज्ञानिक और आर्थिक रुचि बढ़ी है। चंद्रमा पर जल संसाधन की उपलब्धता मानी जाती है। वर्ष 2024 में प्रस्तावित अधिकतर मिशन का उद्देश्य प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से चंद्रमा की सतह पर पानी की खोज करना है। तीसरी वजह भूराजनीतिक प्रतिस्पर्धा के पैदा होने से अंतरिक्ष कार्यक्रम के प्रति समर्थन मजबूत होना है। अंतरिक्ष में स्पर्धा को रेखांकित करते हुए, चीन और अमेरिका दोनों ने 2024 में अपने महत्वपूर्ण मिशनों की योजना बनाई है।

पुतिन ने रूसी राष्ट्रपति चुनाव के लिए प्रत्याशी के रूप में आधिकारिक तौर पर दस्तावेज पेश किए

भाषा। मॉस्को

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में उम्मीदवार के रूप में पंजीकरण कराने के लिए सोमवार को रूस के केंद्रीय चुनाव आयोग के समक्ष दस्तावेज प्रस्तुत किए। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने रूस के सरकारी मीडिया को बताया, उन्होंने (दस्तावेज) उन्हें सौंपे हैं। पुतिन के समर्थकों ने शनिवार को औपचारिक रूप से उन्हें 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में भाग लेने के लिए नामांकित किया। रूसी चुनाव कानून के तहत पार्टी के टिकट पर चुनाव नहीं लड़ने वालों के लिए कम से कम 500 समर्थकों के एक समूह द्वारा नामांकन अनिवार्य है। स्वतंत्र उम्मीदवारों को भी 40 या अधिक क्षेत्रों से समर्थन के कम से कम तीन लाख हस्ताक्षर जुटाने की आवश्यकता है। पुतिन को नामांकित करने वाले समूह में सत्तारूढ़ यूनाइटेड रशिया पार्टी के शीर्ष अधिकारी, प्रमुख रूसी अभिनेता और गायक, एथलीट और अन्य सार्वजनिक हस्तियां शामिल हैं। पुतिन ने पिछले कुछ वर्षों में अलग–अलग रणनीति का इस्तेमाल किया है। वह 2018 में निर्दलीय चुनाव लड़े और उनके प्रचार अभियान के जरिए हस्ताक्षर जुटाए गए। वह 2012 में क्रेमलिन की यूनाइटेड रशिया पार्टी के उम्मीदवार के रूप में लड़े थे इसलिए हस्ताक्षर की कोई आवश्यकता नहीं थी। इस महीने की शुरुआत में, रूस में सांसदों ने देश के 2024 के राष्ट्रपति चुनाव के लिए 17 मार्च की तारीख तय की, जिससे पुतिन के कार्यालय में पांचवें कार्यकाल के एक कदम और करीब दिखे। पुतिन द्वारा किए गए संवैधानिक सुधारों के तहत, वह अगले साल मौजूदा कार्यकाल समाप्त होने के बाद छह साल के दो और कार्यकाल के लिए चुनाव लड़ सकते हैं, जो संभावित रूप से उन्हें 2036 तक सत्ता में बने रहने की अनुमति देता है।

उत्तर कोरिया ने लंबी दूरी की मिसाइल का परीक्षण किया

सियोल। उत्तर कोरिया ने लगभग पांच के अंतराल के बाद सोमवार को अपना पहला अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण किया। इसे परमाणु गतिविधियां रोकने के लिए अमेरिका और दक्षिण कोरिया द्वारा उठाए गए कदम के बदले दबाव की रणनीति के तौर पर उत्तर कोरिया का जवाब माना जा रहा है। दक्षिण कोरियाई सरकार ने उत्तर कोरिया की ह्वासोंग–18 आईसीबीएम का संदर्भ देते हुए मिसाइल को ठोस ईंधन वाला हथियार बताया है। कहा जाता है कि तरल–ईंधन वाले हथियारों की तुलना में विरोधियों के लिए इसके प्रक्षेपण का पता लगाना बेहद मुश्किल होता है। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने कुछ समय पहले ह्वासोंग–18 को अपने परमाणु आयुध का सबसे शक्तिशाली हथियार बताया था।दक्षिण कोरिया की सेना ने कहा कि उत्तर कोरियाई मिसाइल ने कोरियाई प्रायद्वीप और जापान के बीच पानी में उतरने से पहले लगभग 1,000 किलोमीटर (620 मील) की उड़ान भरी।

नया अध्ययन कैंसर: इंग्लैंड के सबसे गरीब इलाकों में रहने वाले लोगों को मृत्यु का अधिक खतरा

भाषा। लंदन

राष्ट्रीय स्तर पर, अधिकांश तरह के कैंसर से मरने का जोखिम कम हो रहा है और यह उचित जांच, निदान और उपचार में सुधार से संभव हुआ है। लेकिन नए शोध से पता चलता है कि जब कैंसर की देखभाल की बात आती है तो इंग्लैंड में अभी भी गंभीर स्वास्थ्य असमानताएं मौजूद हैं।अध्ययन में पाया गया कि जो लोग इंग्लैंड के सबसे गरीब हिस्सों में रहते हैं, उनमें अधिक समृद्ध क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की तुलना में कैंसर से मरने का जोखिम 70ञ से अधिक है।अपने अध्ययन का संचालन करने के लिए, शोधकर्ताओं ने इंग्लैंड के 314 जिलों में 2002–2019 के बीच सबसे अधिक मौतों का कारण बनने वाले दस कैंसर पर राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के डेटा का विश्लेषण किया। किसी व्यक्ति की मृत्यु के समय पोस्टकोड का उपयोग प्रत्एक कैंसर से होने वाली मृत्यु को एक जिले के साथ निर्दिष्ट करने के लिए किया जाता था।प्रत्एक जिले की सामाजिक–आर्थिक स्थिति को अभाव के अंग्रेजी सूचकांकों के डेटा का उपयोग करके मापा गया था। यह कम आय के कारण अभाव का अनुभव करने वाली जनसंख्या के अनुपात का अनुमान लगाता है।टीम ने अपने अध्ययन में केवल 80 वर्ष की आयु से पहले कैंसर से हुई मौतों को शामिल किया। यह सुनिश्चित करने के लिए था कि डेटा सटीक था, क्योंकि बहु–रुग्णता (दो या अधिक दीर्घकालिक स्वास्थ्य स्थितियों की उपस्थिति) 80 के बाद अधिक आम हो जाती है, और ऐसे में यह जानना मुश्किल होता है कि किसी व्यक्ति की मृत्यु कैंसर से हुई है या किसी अन्य कारण से।यह अध्ययन जिला स्तर पर कैंसर से होने वाली मौतों के रुझान का पता लगाने वाला पहला अ ध्य य न था।निष्कर्षों से पता चलता है कि इंग्लैंड के उत्तर के शहरों – जिनमें हल, लिवरपूल, मैनचेस्टर और न्यूकैसल शामिल हैं – के साथ–साथ लंदन के पूर्व में तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों में कैंसर से मरने की संभावना सबसे अधिक थी।लंदन में रहने वालों के कैंसर से मरने का खतरा सबसे कम था। यहां तक कि लंदन के गरीब हिस्सों में रहने वाले लोगों में भी देश के समान रूप से वंचित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की तुलना में कैंसर से मरने का जोखिम कम था।वेस्टमिंस्टर में एक महिला के कैंसर से मरने का जोखिम दस में से एक था, जबकि मैनचेस्टर में रहने पर छह में से एक। पुरुषों के लिए, यदि वह हैरो में रहता है तो कैंसर से मरने का जोखिम आठ में से एक था, लेकिन मैनचेस्टर में पांच में से एक था। हालांकि 2002–2019 के बीच इंग्लैंड के सभी जिलों में कैंसर से मरने का समग्र जोखिम कम हो गया, लेकिन ए कटौती समान नहीं थी। पुरुषों के लिए, यदि वह लंदन में रहते थे तो कैंसर से मरने का कुल जोखिम 37ञ कम हो गया – जबकि ब्लैकपूल में, रहने वाले आदमी का समग्र जोखिम केवल 13ञ कम हुआ। यदि महिलाएं लंदन में रहती हैं, तो उनके कैंसर से मरने का कुल जोखिम 30ञ कम हो जाता है – जबकि एसेक्स में, एक महिला का समग्र जोखिम केवल 7ञ कम होता है। कैंसर के प्रकार से लोगों के मरने का खतरा सबसे अधिक था और यह भी क्षेत्र के अनुसार अलग–अलग था। सबसे अधिक गरीब जिलों में रहने वालों को फेफड़े, कोलोरेक्टल, ग्रासनली और मूत्राशय के कैंसर से मरने का अधिक खतरा था।

सीओपी28- ने दुनिया के छोटे द्वीपों को कैसे विफल कर दिया

भाषा। बारबाडोस

जैसे ही दुबई में जलवायु वार्ता के नवीनतम दौर की चर्चा हुई, सीओपी28 प्रेसीडेंसी से हम एकजुट हुए, हमने कार्वाई की, हमने कर दिखाया की घोषणाएं हुईं। इससे जलवायु परिवतन के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक अंतर सरकारी संगठन एलायंस ऑफ स्मॉल आइलैंड स्टेट्स (एओसिस) के प्रतिनिधियों के बीच डेजा वू की भावना पैदा हुई।शिखर सम्मेलन के बाद अपने बयान में, एओसिस के प्रमुख वार्ताकार ऐनी रासमुसेन ने भ्रम व्यक्त किया कि संयुक्त अरब अमीरात की सहमति, सीओपी28 का अंतिम समझौता, तब अनुमोदित किया गया था जब छोटे–द्वीप विकासशील राज्यों (या सिड) के प्रतिनिधि कमरे में नहीं थे।बक कुछ प्रतिनिधियों ने आम सहमति को जीवाश्म ईंधन युग के अंत की शुरुआत के रूप में सराहा, एओसिस ने कहा कि दस्तावेज़ में खामियों का ढेर था, जिसने जलवायु परिवर्तन को रोकने और द्वीपों को न्याय दिलाने के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण कार्यों को आगे बढ़ाने में बहुत कम योगदान दिया। और निचले स्तर के देश जलवायु संकट के सबसे गंभीर परिणामों का सामना कर रहे हैं।एओसिस के सदस्य देश मिस्र में एक साल पहले सीओपी27 के अंतिम क्षणों में अपनी जीत की गति को आगे बढ़ाने के लिए सीओपी28 में आए थे, जब प्रतिनिधियों ने एक हानि और क्षति कोष स्थापित करने पर सहमति व्यक्त की थी जो विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन के अपरिहार्य और चरम परिणामों के लिए भुगतान करेगा। समूह ने इस फंड के लिए जलवायु वार्ता में 30 वर्षों तक संघर्ष किया था।इसके अतिरिक्त, एओसिस ने समुद्र के स्तर में वृद्धि, मरुस्थलीकरण और जलवायु प्रवासन जैसे प्रभावों से सिड को बचाने के लिए आवश्यक मूलभूत क्षेत्रों की पहचान की।

रजत या रिंकू को मिल सकता है पदार्पण का मौका

● दक्षिण अफ्रीका से दूसरा वनडे आज
● श्रृंखला जीतने पर भारत की नजरें

भाषा। गकबेरहा (दक्षिण अफ्रीका)

भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला के दूसरे एकदिवसीय में मंगलवार को यहां जब मैदान पर उतरेगी तब उसके सामने बेहद प्रतिभाशाली रजत पाटीदार या आकर्षक बल्लेबाजी करने वाले रिंकू सिंह में से किसी एक को पदार्पण का मौका देने की चुनौती होगी। अर्शदीप सिंह और आवेश खान जैसे युवा तेज गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से भारतीय टीम को श्रृंखला का पहला मैच आठ विकेट से जीतने में कोई परेशानी नहीं हुई। कप्तान लोकेश राहुल की अगुवाई में भारतीय टीम को 2022 में वनडे श्रृंखला में 0–3 की करारी हार का सामना करना पड़ा था ऐसे में वह इस मैच को जीतकर पिछली नाकामी को पीछे छोड़ना चाहेंगे। अनुभवी बल्लेबाज श्रेयस अय्यर इस मैच के बाद टेस्ट टीम से जुड़ गए जिससे मध्यक्रम में एक जगह खाली है। रिंकू ने पिछले कुछ समय में अपनी बल्लेबाजी से काफी प्रभावित किया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टी20 मैचों में अपनी तकनीक और समझदारी की छाप छोड़ी है। दक्षिण अफ्रीका में उछाल वाली पिचों पर भी उनकी बल्लेबाजी सहज दिखी। टीम में हालांकि फिलहाल उनकी भूमिका फिनिशर की है ऐसे में चौथे क्रम के बल्लेबाज अय्यर की जगह एकादश में पाटीदार का दावा ज्यादा मजबूत है क्योंकि घरेलू मैचों में वह मध्यप्रदेश के लिए इसी क्रम पर बल्लेबाजी करते हैं। पाटीदार 2022 में भी भारतीय वनडे टीम में जगह बनाने में सफल रहे थे लेकिन उन्हें अंतिम एकादश में मौका नहीं मिला था। इसके बाद एड़ी की सर्जरी के कारण उन्हें एक साल तक संघर्ष करना पड़ा। टीम ने इस श्रृंखला में मैच फिनिशर की भूमिका अनुभवी संजू सैमसन को दी है जो राहुल के बाद छठे क्रम पर बल्लेबाजी करेंगे। लिस्ट ए क्रिकेट में रिंकू का औसत लगभग 50 का है ऐसे में टीम प्रबंधन दोनों के नाम पर गंभीरता से विचार करेगा। इस मैच में पाटीदार और रिंकू दोनों को पदार्पण का मौका मिल सकता है लेकिन इसके लिए तिलक वर्मा या सैमसन को बाहर होना होगा जिसकी संभावना कम दिखती है। पहले मैच में तिलक को सिर्फ तीन गेंद खेलने का मौका मिला जबकि सैमसन को बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला।पहले मैच में युवा सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन ने नाबाद अर्धशतक लगाकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।दक्षिण अफ्रीका के लिए दिग्गज क्विंटन डिकॉक के संन्यास के बाद टीम में सामंजस्य बैठाने की चुनौती है। डिकॉक की प्रवाहमय बल्लेबाजी के कारण रासी वैन डेर डुसेन, हेनरिक क्लासेन और डेविड मिलर जैसे बल्लेबाजों को खुल कर खेलने का मौका मिलता था। उनकी गैरमौजूदगी में टीम के शीर्ष क्रम के सामने भारत के स्विंग गेंदबाजों के खिलाफ सतर्कता से बल्लेबाजी करने की चुनौती होगी।भारतीय टीम की गेंदबाजी में हालांकि कोई बदलाव नहीं करना चाहेगी। अर्शदीप और आवेश के सामने दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज असहाय नजर आए लेकिन इस मैच में मुकेश कुमार ने सात ओवर में बिना किसी सफलता के 46 रन लुटाए।टीम प्रबंधन अगर प्रयोग करने का मन बनाता तो वह मुकेश की जगह बंगाल टीम के उनके साथी आकाश दीप को मौका दे सकता है। टीम श्रृंखला जीतने की कोशिश करेगी ऐसे में इसकी संभावना कम है।स्पिन विभाग में अक्षर पटेल और कुलदीप यादव टीम के टीम में बने रहने की संभावना है। इनके विकल्प वाशिंगटन सुंदर और युजवेंद्र चहल को मौके के लिए इंतजार करना होगा।

नई सोच लेकर आएंगे हार्दिक : गावस्कर

मुंबई इंडियंस की बल्लेबाजी मे कम योगदान दे रहे थे रोहित

भाषा। नई दिल्ली

अपने जमाने के दिग्गज भारतीय बल्लेबाज सुनील गावस्कर का मानना है कि मुंबई इंडियंस के नवनियुक्त कप्तान हार्दिक पंड्या इस टीम में नई सोच लेकर आएंगे, क्योंकि रोहित थके हुए नजर आ रहे थे और पिछले कुछ वर्षों से उन्होंने बल्लेबाजी में पर्याप्त योगदान नहीं दिया। भारत की टी20 टीम के कप्तान हार्दिक को मुंबई इंडियंस ने दुबई में मंगलवार को होने वाली आईपीएल नीलामी से पहले अपनी टीम से जोड़ा। मुंबई ने बाद में उन्हें अपना नया कप्तान नियुक्त किया। रोहित और चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी आईपीएल के सबसे सफल कप्तानों में शामिल हैं। इन दोनों की अगुवाई में उनकी टीम ने पांच-पांच खिताब जीते हैं। मुंबई इंडियंस हालांकि 2021 के बाद खिताब नहीं जीत पाया और 2022 में वह अंतिम स्थान पर रहा था। गावस्कर ने कहा कि ऐसा रोहित के थके होने के कारण हो सकता है क्योंकि वह लगातार सिर्फ आईपीएल टीम ही नहीं बल्कि भारत के कप्तान की भूमिका भी निभा रहे थे। गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, हमें इसे (हार्दिक को मुंबई इंडियंस का कप्तान बनाना) सही या गलत के रूप में नहीं देखना है। उन्होंने यह फैसला टीम के फायदे के लिए लिया है। हम कह सकते हैं कि रोहित का यहां तक कि बल्लेबाजी में भी योगदान थोड़ा कम हो गया है। इससे पहले रोहित बल्लेबाजी में काफी योगदान देते थे लेकिन पिछले कुछ वर्षों में वे नौवें या दसवें नंबर पर रहे हैं। पिछली बार उन्होंने प्लेऑफ में जगह बनाई, लेकिन मुंबई इंडियंस में जो जोश पहले दिखाई देता था वैसा नहीं दिखाई दिया। गावस्कर ने कहा, ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि वह (रोहित) लगातार क्रिकेट खेलता रहा है जिससे वह थक गए होंगे। वह लगातार भारतीय टीम और फिर मुंबई इंडियंस की कप्तानी कर रहे थे। हार्दिक की अगुवाई में गुजरात टाइटंस ने 2022 में अपने पदार्पण सत्र में ही खिताब जीता था जबकि इस साल उसकी टीम उप विजेता रही थी। क्रिकेटर से कमेंटेटर बने गावस्कर का मानना है की हार्दिक ने गुजरात की टीम के साथ खुद को साबित किया है और मुंबई इंडियंस में उनकी वापसी से टीम में नई सोच जुड़ेगी। मुंबई ने यह फैसला कर लिया है। वह कप्तानी के मामले में युवा खिलाड़ी है जो गुजरात टाइटंस को दो बार फाइनल में पहुंचाकर और एक बार खिताब दिलाकर खुद को साबित कर चुका है। उन्होंने इसी सोच के साथ उसे कप्तान बनाया है, क्योंकि कई बार आपको नई सोच की जरूरत पड़ती है और वह टीम में नई सोच जोड़ सकता है। मुझे लगता है जो फैसला किया गया उससे मुंबई इंडियंस को नुकसान नहीं फायदा ही होगा।

चैंपियंस लीगः मैनचेस्टर सिटी को आसान ड्रॉ,

नियोन (स्विट्जरलैंड)। पिछली बार के चैंपियन मैनचेस्टर सिटी को चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट के अंतिम 16 में आसान ड्रॉ मिला है और उसका पहला मुकाबला कोपेनहेगन से होगा जो 2011 के बाद पहली बार इस चरण में खेलेगा। यूरोपीय फुटबॉल महासंघ (यूएफा) के मुख्यालय में सोमवार को डाले गए ड्रॉ के अनुसार बार्सिलोना का सामना नैपोली से होगा। अपने ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहने वाले पेरिस सेंट जर्मेन का मुकाबला रीयाल सोसिडाड से होगा, जिसकी टीम पिछले एक दशक में पहली बार चैंपियंस लीग में खेल रही है।

प्रणवी लेडीज यूरोपीय टूर के अंतिम चरण में संयुक्त पांचवें स्थान पर

माराकेश (मोरक्को)। भारत की प्रणवी उर्स सोमवार को यहां लेडीज यूरोपीय टूर (एलईटी) के अंतिम क्वालीफायर के दूसरे दौर में चार अंडर 68 के स्कोर से संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर चल रही है। दो दौर के बाद प्रणवी का कुल स्कोर नौ अंडर है। उन्होंने पहले दौर में अल मादेन कोर्स पर 68 का स्कोर बनाया था। प्रणवी ने दूसरा दौर रॉयल गोल्फ डि माराकेश कोर्स पर खेला। सिंगापुर की शेनन टेन ने भी 68 का स्कोर बनाया और वह प्रणवी के साथ संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर चल रही है। प्रणवी और शेनन मैक्सिको की फर्नांडा लिरा से तीन शॉट पीछे है जो दूसरे दौर में 71 के स्कोर से कुल 12 अंडर के स्कोर के साथ शीर्ष पर चल रही है।

खेलो इंडिया विवि खेलों की मेजबानी के लिए तैयार गुवाहाटी

गुवाहाटी। असम का सबसे बड़ा शहर गुवाहाटी अगले साल फरवरी में खेलो इंडिया विश्वविद्यालय खेलो की मेजबानी के लिए तैयार है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्रतियोगिता के चौथे सत्र में 200 से अधिक विश्वविद्यालयों के चार हजार से अधिक खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक्स (पूर्व मे ट्विटर) पर लिखा, माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गुवाहाटी भारत की खेल राजधानी में बदल रहा है। दक्षिण एशियाई खेलो और खेलो इंडिया युवा खेलो की सफलता के बाद शहर अब खेलो इंडिया विश्वविद्यालय खेलो की मेजबानी के लिए तैयार है।

पीएसजी ने लिले को बराबरी पर रोका

पेरिस। पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) को लीग वन (फ्रांस की शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग) मैच में लिले के खिलाफ रविवार को ज्यादातर समय तक बढ़ने बनाने के बावजूद।-। की बराबरी से संतुष्ट होना पड़ा। काइलियान एमबापे ने मैच के 66वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदल कर टीम को बढ़त दिला दी थी। मौजूदा सत्र में एमबापे का यह 16वां गोल था। कनाडा के स्ट्राइकर जोनाथन डेविड ने मैच के आखिरी क्षणो (90.4 मिनट) में गोल कर स्कोर को बराबर कर दिया। इस ड्रा के बाद टीम 16 मैचों में 37 अंक के साथ तालिका में मजबूती से शीर्ष स्थान पर बनी हुई है।

खिलाड़ियों के संघ फीफा प्रो ने जताई निराशा

जेद्दा। विश्व फुटबॉल के शासी निकाय फीफा ने रविवार को कहा कि अमेरिका में फीफा क्लब विश्व कप के पहले सत्र का आयोजन 15 जून से 13 जुलाई 2025 तक किया जाएगा। फुटबॉल खिलाड़ियों के संघ फीफ्प्रो ने हालांकि फीफा के इस फैसले की आलोचना की है। फीफा ने कहा कि 32-टीमों के इस टूर्नामेंट को आधिकारिक तौर पर मुंडियाल डी क्लब्स फीफा कहा जाएगा। इसका आयोजन अंतरराष्ट्रीय मैचों के कैलेंडर के साथ सामंजस्यपूर्ण तरीके से तैयार किया जाएगा।

सुपर कपः चैंपियन ओडिशा एफसी और उपविजेता बेंगलुरू एफसी एक ही ग्रुप में

नई दिल्ली। मौजूदा चैंपियन ओडिशा एफसी और उपविजेता बेंगलुरू एफसी को भुवनेश्वर में 9 से 28 जनवरी के बीच होने वाले सुपर कप फुटबॉल टूर्नामेंट के लिए एक ही ग्रुप में रखा गया है। ग्रुप चरण के ड्रॉ के अनुसार इन दोनों के अलावा ग्रुप डी में इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में खेलने वाली एक अन्य टीम एफसी गोवा और आई लीग में खेलने वाले क्लब (जो क्वालीफाइंग प्लेऑफ के बाद तय होगा) को रखा गया है। हाल में एएफसी के अंतर क्षेत्रीय प्लेऑफ के सेमीफाइनल में जगह बनाने वाले ओडिशा एफसी ने 2030 के सुपर कप फाइनल में बेंगलुरू एफसी को हराया था। कोलकाता की दो चिर प्रतिद्वंद्वी टीमों मोहन बागान और ईस्ट बंगाल को भी एक ही ग्रुप में रखा गया है। विभिन्न क्लब से खेलने वाले राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ी हालांकि सुपर कप के अधिकतर मैचों में नहीं खेल पाएंगे, क्योंकि इस दौरान वे दोहा में एएफसी एशिया कप में भाग लेंगे, जो 12 जनवरी से शुरू होगा। सुपर कप में कुल 16 टीम भाग लेंगी जिनमें आईएसएल की 12 और आई लीग की चार टीम शामिल हैं। इन टीम को चार ग्रुप में बांटा गया है। प्रत्एक ग्रुप से शीर्ष पर रहने वाली टीम सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी जबकि 28 जनवरी को होने वाले फाइनल की विजेता टीम 2024–25 में होने वाली एएफसी चैंपियंस लीग के लिए क्वालीफाई करेगी। आई लीग की पांच टीमों गोकुलम केरल एफसी, श्रीनिदी डेक्कन एफसी, शिलांग लाजोंग एफसी, इंटर काशी और राजस्थान यूनाइटेड एफसी ने सुपर कप में अपनी भागीदारी की पुष्टि कर दी है।

हेजलवुड मई में ही खेल पाएंगे आईपीएल

● तास्किन व शोरिफुल ने नाम वापस लिया

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की टीमों को सूचित किया है कि ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड मई के पहले सप्ताह से ही आईपीएल 2024 के लिए उपलब्ध रहेंगे।ऑस्ट्रेलिया की वनडे विश्व कप में जीत में अहम भूमिका निभाने वाले हेजलवुड अपने पहले बच्चे के जन्म के कारण मार्च और अप्रैल में आईपीएल में नहीं खेल पाएंगे। इस तेज गेंदबाज को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने रिलीज कर दिया था तथा उन्हें मंगलवार को दुबई में होने वाली खिलाड़ियों की नीलामी में दो करोड़ रुपए के आधार मूल्य वाले वर्ग में रखा गया है। ईएसपीएनक्रिकइन्फो की रिपोर्ट के अनुसार विश्व कप फाइनल के नायक ट्रेविस हेड सहित ऑस्ट्रेलिया के अन्य खिलाड़ी आईपीएल के पूरे सत्र के लिए उपलब्ध रहेंगे। बांग्लादेश के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान 22 मार्च से 11 मई तक ही उपलब्ध रहेंगे। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज तास्किन अहमद और शोरिफुल इस्लाम हालांकि अगले साल होने वाले आईपीएल के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे क्योंकि उन्हें मार्च और अप्रैल में श्रीलंका और जिंबॉब्वे के खिलाफ होने वाली घरेलू श्रृंखला के लिए बांग्लादेश की टीम में जगह मिलने की उम्मीद है। श्रीलंका के स्पिनर वानिंदु हसरंगा और तेज गेंदबाज दुष्मंथा चमीरा भी आईपीएल के पूरे सत्र के लिए उपलब्ध रहेंगे क्योंकि वह अपने देश की टेस्ट टीम में शामिल नहीं है। श्रीलंका की टेस्ट टीम में शामिल अन्य खिलाड़ी बांग्लादेश के खिलाफ तीन अप्रैल को समाप्त होने वाली श्रृंखला के बाद ही आईपीएल में खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे। इंग्लैंड के युवा लेग स्पिनर रेहान अहमद ने नीलामी से नाम वापस ले लिया है।

सिराज का समर्थन करने के लिए अधिक गेंदबाजी विकल्प हासिल करना प्राथमिकताः आरसीबी

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के क्रिकेट निदेशक मो बोबट ने सोमवार को कहा कि आगामी आईपीएल नीलामी में तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज का समर्थन करने के लिए अधिक गेंदबाजी विकल्प हासिल करना टीम की सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। आरसीबी ने स्टार बल्लेबाज विराट कोहली, कप्तान फाफ डु प्लेसिस, ग्लेन मैक्सवेल और सिराज समेत 18 खिलाड़ियों को रिटेन (टीम में बरकरार) किया है और 11 खिलाड़ियों को रिलीज (टीम से बाहर) कर दिया है। जिन खिलाड़ियों को रिलीज किया गया है उनमें मध्यम तेज गेंदबाज हर्षल पटेल, श्रीलंका के लेग स्पिनर वानिंदु हसरंगा और ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की तिकड़ी शामिल है। इससे टीम की गेंदबाजी कमजोर हुई है। बोबाट ने यहां जारी मीडिया विज्ञप्ति में कहा, हम जो करते है मोहम्मद सिराज उसका मुख्य हिस्सा है। हमारे लिए सिराज का समर्थन करने के लिए गेंदबाजी विदेशी गेंदबाज सहित कुछ और गेंदबाजी विकल्पों को टीम में शामिल करना एक वास्तविक प्राथमिकता होगी।

आईएलटी-20 ने नवीन उल हक पर प्रतिबंध लगाया

दुबई। अफगानिस्तान के तेज गेदबाज नवीन उल हक को शारजाह वॉरियर्स के साथ अपने अनुबंध का उल्लंघन करने के लिए इंटरनेशनल लीग टी20 (आईएलटी20) क्रिकेट टूर्नामेंट में भाग लेने से 20 महीने के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया है।नवीन ने इस टूर्नामेंट के पहले सत्र के लिए वॉरियर्स के साथ अनुबंध किया था। उनका अनुबंध एक और साल बढ़ाने की पेशकश की गई लेकिन इस तेज गेदबाज ने दूसरे सत्र के लिए अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया।शारजाह वॉरियर्स ने इस मामले में हस्तक्षेप करने के लिए आईएलटी20 से संपर्क किया। आईएलटी20 ने पहले मध्यस्थ के जरिए मामला सुलझाने की कोशिश की लेकिन इसमे उसे असफलता मिली।

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने लिवरपूल को ड्रॉ पर रोका, आर्सेलन तालिका में फिर से शीर्ष पर

लिवरपूल। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल में लिवरपूल को गोलरहित ड्रॉ पर रोक दिया जबकि आर्सेनल ने रविवार को ब्रिगटन को 2-0 से शिकस्त दी। लिवरपूल इस ड्रॉ मुकाबले बाद तालिका में दूसरे स्थान पर खिसक गया जबकि आर्सेनल एक बार फिर से शीर्ष पर काबिज हो गया। आर्सेनल और लिवरपूल के नाम मौजूदा सत्र में 17-17 मैचों में क्रमशः 39 और 38 अंक है। मैनचेस्टर यूनाइटेड को लिवरपूल ने इस साल मार्च में 0-7 के बड़े अंतर से हराया था लेकिन नए कोच एरिक टेन हैग की देख रेख में टीम ने अपने प्रदर्शन के स्तर को ऊंचा करते हुए उसे एक भी गोल करने का मौका नही दिया। आर्सेनल ने दूसरे हाफ मे गैब्रियल जेसुस और काइ हैवर्ट्ज के गोल से ब्रिगटन को शिकस्त दी।

वार्नर एक और साल टेस्ट क्रिकेट खेल सकते हैः हीली

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर इयान हीली का मानना है कि डेविड वार्नर पर्थ में पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट में शतक जड़ने वाले प्रदर्शन को अगर जारी रखे तो वह एक और साल तक टेस्ट क्रिकेट खेल सकते है। पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला के पहले टेस्ट में वार्नर की 211 गेंदों पर 164 रन की पारी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने 360 रन से जीत दर्ज की। माना जा रहा है कि सिडनी मे अपने घरेलू मैदान पर इस श्रृंखला का आखिरी मैच खेलने के बाद वह टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह देंगे। हीली ने एसईएन रेडियो से कहा, मुझे उसके बारे में जो बात पसंद है वह है उसका लगातार खेलने के बावजूद फिटनेस बनाए रखना। हम सभी जानते है कि वह कितना फिट है क्योकि उसने विकेटो के बीच अपनी तेज दौड़ को बनाए रखी है। मुझे यह काफी पसंद आया।

विलारीयाल को हराकर मैड्रिड तालिका में शीर्ष पर पहुंचा

मैड्रिड। जूड बेलिंगहैम, रोड्रिगो, ब्राहिम डियाज और लुका मोड्रिक के गोल के बूते रीयाल मैड्रिड रविवार को विलारीयाल को 4-। से शिकस्त देकर लालीगा (स्पेन की शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग) की तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया। इस मुकाबले के दौरान डिफेंडर डेविड अलबा के घुटने में गंभीर चोट लगने से हालांकि रीयाल मैड्रिड को झटका भी लगा। टीम ने मैच के बाद बताया कि अलबा को चोट से उबरने के लिए सर्जरी की जरूरत होगी।विलारीयाल के लिए मैच का इकलौता गोल जोस लुइस मोरालेस ने किया। रीयाल मैड्रिड की टीम इस जीत के बाद गिरोना पर एक अंक की बढत के साथ तालिका मे शीर्ष पर है। मैड्रिड के 17 मैचो मे 42 जबकि गिरोना के 16 मैचो मे 41 अंक है। रीयाल मैड्रिड से सात अंक पीछे तीसरे स्थान पर काबिज गत चैम्पियन बार्सिलोना को वालेंसिया ने शनिवार को।-। की बराबरी पर रोका था। छठे स्थान पर रहे रीयाल सोसिदाद को किस्मत का साथ नही मिला और टीम को रीयाल बेटिस के खिलाफ गोलरहित ड्रा खेलना पड़ा।

राइडरों ने रफ्तार में दिखाया दम

मुंबई। बजाज ने पल्सरमेनिया मास्टर्स एडिशन का आयोजन किया। 100 शहरों में आयोजित इस प्रतियोगिता को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली, जिसमें 25 हजार से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और 1 लाख से अधिक दर्शकों ने इसका आनंद उठाया। मुंबई में नेशनल फिनाले ने उपस्थितगणों को रोमांच से भरपूर अनुभव प्रदान किया, और साथ ही सर्वश्रेष्ठ राइडरों को पल्सर पर अपनी मास्टरी, सटीकता और जुनून की जांच करने का मौका मिला। रोमांच से भरपूर प्रतियोगिता एंटरटेनमेन्ट का बेहतरीन मिश्रण साबित हुई, जहां भारत के जाने-माने कलाकारों के परफोर्मेन्सेस, हैरतअंगेज करने वाले स्टंट शोज, शानदार स्ट्रीट कल्चर स्टेशन और एक्सक्लुसिव ब्राण्ड कोलाबोरेशन्स ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस आयोजन के बारे में बात करते हुए सारंग कनाडे (प्रेसीडेन्ट, मोटरसाइकिल बिजनेस), बजाज ऑटो लिमिटेड ने कहा, ''पिछले बाईस सालों में हमने देश भर में 'पल्सरमेनियाक्स' की जबरदस्त फॉलोइंग बनाई है, जो बाईक के सटीक इंजीनियर्ड डीएनए और इसके एटीट्यूड के लिए इसे खूब पसंद करते हैं। पल्सरमेनिया मास्टर्स एडीशन सिर्फ प्रतियोगिता नहीं है, यह पल्सर की भावना का जश्न है। पल्सरमेनिया मास्टर्स एडीशन में 100 से अधिक शहरों से राइडरां ने हिस्सा लिया। हमने हर किसी को उत्कृष्ट अनुभव प्रदान करने के लिए कार्यक्रमों की एक रेंज क्यूरेट की है, फिर चाहे वे शौकीन राइडर हों, मोटरस्पोर्ट प्रशंसक या स्टाइल और संस्कृति के प्रशंसक।'

गुकेश, हरिकृष्णा के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंचे

चेन्नई। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने सोमवार को यहां चौथे दौर मे सर्बिया के एलेक्सांद्र प्रेडके को हराकर चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स शतरंज चैंपियनशिप में पहली जीत दर्ज की। शुरुआती तीन बाजी ड्रॉ खेलने के बाद 17 साल के गुकेश ने सफेद मोहरों से खेलते हुए 44 चाल में जीत दर्ज की। गुकेश के चार दौर मे 2.5 अंक हो गए है और वह हमवतन पी हरिकृष्णा के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंच गए है जिन्होने यूक्रेन के पावेल एलजानोव से ड्रॉ खेला। इस जीत से गुकेश की अगले साल होने वाले कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने की संभावना बढ़ गई है। टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे एक अन्य भारतीय अर्जुन एरिगेसी ने काले मोहरों से खेलते हुए अमेरिका के लेवोन अरोनियन को 41 चाल मे ड्रॉ पर रोका। कैंडिडेट्स टूर्नामेंट मे जगह बनाने की दौड़ मे शामिल ईरान के ग्रैंडमास्टर परहम माघसूदलू ने सेनन सुगिरोव को हराकर पहली जीत दर्ज की।

आईपीएल में बेहद कम संवाद के साथ फ्रेंचाइजी से बाहर किए जाने पर खिलाड़ियों में निराशा

बेंगलुरु। सिद्धार्थ कौल पिछले कई वर्षो से सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 टूर्नामेंट मे लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे है लेकिन इस तेज गेंदबाज को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के लिए 2022 और 2023 सत्र में सिर्फ एक आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) मैच खेलने का मौका मिला और टीम ने इस साल उन्हे रिलीज (फ्रेंचाइजी से बाहर) कर दिया। कौल ने 2021 मे सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी मे पांच मैचो मे 10 विकेट लिए। वह 2022 मे 10 मैचो मे 19 विकेट के साथ सबसे सफल गेंदबाज थे। इस साल उन्होने 10 मैचों में 16 विकेट लेकर पंजाब को चैम्पियन बनाने में अहम भूमिका निभाई। तेज गेंदबाजो के लिए असरहीन भारतीय पिचो मे शानदार प्रदर्शन के बाद भी कौल को दो सत्र मे सिर्फ एक मैच खेलने का मौका मिला। भारत के लिए तीन एकदिवसीय और इतने ही टी20 खेलने वाले 33 साल के खिलाड़ी को इस बात की निराशा है कि उन्हे आईपीएल के पिछले दो सत्र मे अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका नही मिला। मै ऐसा नही कहूंगा कि इससे मुझे कोई निराशा नही है। मै भी इंसान हू लेकिन ऐसे मामले मे आपके हाथ मे कुछ भी नही होता है। उन्होने कहा, मै हालांकि इससे निराश होकर खेल छोड़ने के बारे मे सोच भी नही सकता।

मानसी-मुरुगेसन को पैरा बैडमिंटन में स्वर्ण, भगत को दो रजत

भषा। नई दिल्ली

मानसी जोशी और तुलसीमति मुरुगेसन ने यहां पांचवें फाजा दुबई पैरा बैडमिंटन इंटरनेशल 2023 टूर्नामेंट में महिला युगल का स्वर्ण पदक जीता जबकि तोक्यो पैरालंपिक चैंपियन प्रमोद भगत ने दो रजत पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता का आयोजन यूएई में 11 से 17 दिसंबर तक किया गया। विश्व पैरा बैडमिंटन रैंकिंग में दुनिया की दूसरे नंबर की मानसी और मुरुगेसन की जोड़ी ने एसएल3–एसयू5 महिला युगल वर्ग के फाइनल में लियानी रातरी ओकतिला और खालिमातुस सादिया की इंडोनेशिया की जोड़ी को 15–21 21–14 21–6 से हराया। पैरा एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता भगत को हालांकि एसएल3 पुरुष एकल फाइनल में इंग्लैंड के डेनियल बेथेल के खिलाफ 17–21 18–21 से शिकस्त झेलनी पड़ी। मिश्रित युगल एसएल3–एसयू-4 वर्ग में भगत और मनीषा रामदास की जोड़ी को फाइनल में हिकमत रामदानी और लियानी की इंडोनेशिया की जोड़ी के खिलाफ 14–21 11–21 से हार का सामना करना पड़ा। कुमार नितीश और मुरुगेसन ने एसएल3–एसयू5 मिश्रित युगल वर्ग में कांस्य पदक जीता। पुरुष एसएल4 वर्ग में तोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता सुहास यथिराज ने रजत पदक जीता जबकि सुकांत कदम और तरुण को कांस्य पदक मिला। महिला एकल (एसएल4) में पलक कोहली को कांस्य पदक मिला। पुरुष युगल एसएल3–एसएल4 वर्ग में मनोज सरकार और कोरिया के उनके जोड़ीदार चो नदान ने रजत पदक जीता जबकि नितीश और तरुण को कांस्य पदक मिला।

भारतीय टीम में चयन के लिए पीआईओ खिलाड़ियों से संपर्क करेगा एआईएफएफ : चौबे

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने कहा है कि एआईएफएफ राष्ट्रीय टीम में चयन के लिए भारतीय मूल के व्यक्तियों (पीआईओ) के चयन की संभावना पर गौर कर रहा है और जल्द ही ऐसे 24 खिलाड़ियों से संपर्क करेगा। पीआईओ और भारत के विदेशी नागरिक (ओसीआई) खिलाडियों का राष्ट्रीय टीम में चयन लंबे समय से बहस का मुद्दा रहा है। राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमक पहले ही भारतीय टीम में पीआईओ खिलाड़ियों के चयन की जरूरत की वकालत कर चुके हैं। लेकिन ऐसा करना आसान नहीं होगा क्योंकि भारतीय कानून दोहरी नागरिकता को स्वीकृति नहीं देता। अगर कोई पीआईओ खिलाड़ी भारत के लिए खेलना चाहता है तो उसे भारतीय नागरिकता लेनी होगी। नागरिकता के लिए आवेदन करने से पहले उस व्यक्ति को 12 महीने भारत में रहना होगा। चौबे ने खिलाड़ियों के नाम का खुलासा किए बिना पीटीआई को दिए साक्षात्कार में कहा, हम 24 पीआईओ खिलाड़ियों से संपर्क करने पर विचार कर रहे हैं जो दुनिया भर में खेल रहे हैं। लेकिन आपको पता है कि दोहरी नागरिकता का मुद्दा है। इसलिए हमें देखना होगा कि केंद्र सरकार के नियमों के भीतर यह कैसे हो पाता है। इस मुद्दे पर हमारी आंतरिक चर्चा हुई है और एक बार अधिक स्पष्टता होने के बाद हम और जानकारी देंगे। नौ नवंबर को हुई कार्यकारी समिति की बैठक के ड्राफ्ट मिनट के अनुसार पंजाब फुटबॉल संघ के अध्यक्ष समीर थापर के नेतृत्व में एआईएफएफ की एक उप समिति इस विषय पर जानकारी एकत्रित करेगी।

इंटरनेशनल स्पोर्ट्स क्लब फाइनल में

लखनऊ। मैन ऑफद मैच जितेंद्र कुमार-74 व अभय जायसवाल 56 के अर्धशतकों की बदौलत इंटरनेशनल स्पोर्ट्स क्लब ने प्रथम तारा देवी मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट के दूसरे सेमीफाइनल में गियर क्रिकेट क्लब को 4 विकेट से हराते हुए फाइनल में स्थान सुरक्षित किया। गियर क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 35 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 186 रन बनाए। मनीष कुमार ने 34 रन देकर 3 और सावंत पाल ने 39 रन देकर दो विकेट हासिल किए। जवाब में इंटरनेशनल स्पोर्ट्स क्लब ने 6 विकेट के नुकसान पर 186 रन बनाते हुए जीत के साथ फाइनल में इंट्री की। टीम अच्छी शुरुआत नहीं कर सकी और सलामी बल्लेबाज चंदन जायसवाल आठ रन बनाकर पवैलियन लौट गए। उस समय टीम का स्कोर 13 रन था। टूर्नामेंट का फाइनल 20 दिसंबर को द क्रिएटर्स क्रिकेट क्लब व इंटरनेशनल स्पोर्ट्स क्लब के बीच खेला जाएगा।

हरि सिंह क्लब सेमीफाइनल में

फाजिलनगर। गौरव तोमर-52 रन, 4 विकेट के आलराउंड प्रदर्शन और संजीव सिंह-76 व प्रशांत गुर्जर-82 के अर्धशतकों से हरि सिंह क्लब दिल्ली ने 17वीं ऑल इंडिया शहीद मेजर अमिय त्रिपाठी क्रिकेट टूर्नामेंट के दूसरे क्वार्टर फाइनल में शानदार जीत दर्ज की। राजमालती स्टेडियम फाजिलनगर में खेले गए मैच में हरि सिंह क्लब दिल्ली ने बोध गया इलेवन बिहार को 173 रन से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। हरि सिंह क्लबए दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 30 ओवर में 9 विकेट पर 348 रन का विशाल स्कोर बनाया। संजीव सिंह 76 रन व गौरव तौमर 52 ने पारी की शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 96 रन की साझेदारी की। जवाब में बोध गया इलेवन की टीम 18 ओवर में 175 रन ही बना सकी और जीत से 173 रन दूर रह गयी। शीर्ष दो विकेट 7 रन पर गिरने के बाद गौतम कुमार यादव 50 रन ने अर्धशतक जड़ा। उनके अलावा कुमार शांतनु ने 31 रोशन कुमार ने 33, रोहित सिंह ने 34 और प्रियरंजन ने नाबाद 15 रन बनाए लेकिन टीम जीत के लक्ष्य तक पहुंचने में नाकाम रही। हरि सिंह क्लब दिल्ली से गौरव तोमर ने 6 ओवर में 2 मेडन के साथ 30 रन देकर 4 विकेट हासिल किए। निशांत ठाकुर को दो विकेट मिले। मैन ऑफद मैच हरि सिंह क्लब दिल्ली के गौरव तोमर को 5 हजार रुपए का नगद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया।

सुमित सर्वाधिक 7 अंक के साथ बने विजेता

वर्तिका सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी, वेटरन में सईद अहमद व इंद्राणी अव्वल

लखनऊ। पूर्व यूपी चैंपियन कानपुर के सुमित कुमार झा रेटेड 1935 ने चरंस प्लाजा शतरंज कप–2023 में शानदार खेल दिखाते हुए सर्वाधिक 7 अंक के साथ ओपन वर्ग की विजेता ट्रॉफी जीत ली। शतरंज क्लब ब्लैक एंड व्हाइट –सीसीबीडब्ल्य लखनऊ के तत्वावधान में आयोजित इस टूर्नामेंट में महिला वर्ग में वर्तिका वर्मा सर्वाधिक अंक के साथ चैंपियन बनी। 60 से अधिक आयु वर्ग में सईद अहमद पुरुषों और इंद्राणी बसु महिलाओं में पहले स्थान पर रहे। ओपन वर्ग के सातवें व अंतिम राउंड में सुमित कुमार झा ने सबको पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया। लखनऊ के सीनियर खिलाड़ी टॉप सीड आरिफ अली 2039, यूपी के टॉप रेटेड जूनियर हर्षित अमरनानी–1811, 5.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। इस जीत से उत्साहित दस साल बाद पेशेवर शतरंज में वापसी करने वाले सुमित कुमार झा इंडियन बैंक, बहराइच में सहायक शाखा प्रबंधक ने कहा कि उनका छठें राउंड में आरिफअली के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ गेम रहा। इस करीबी मुकाबले में आरिफके समय के दबाव में लड़खड़ाने के चलते मुझे जीत का मौका मिल गया। उन्होंने वर्तमान में अशोका यूनिवर्सिटी, सोनीपत में पढ़ रहे युवा हर्षित को भी सराहा जो हाल ही में फुकेट ब्लू शेवेलियर्स इंटरनेशनल शतरंज ओपन 2023 में अंडर.18 श्रेणी में रजत पदक जीतने के बाद यहां खेल रहे थे। पुरुषों के 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में वरिष्ठ प्रशिक्षक सईद अहमद 5 अंक के साथ विजेता बने। इस वर्ग में केके खरे 4 अंक दूसरे और मोहम्मद इरफ ान 3.5 अंकद्ध तीसरे स्थान पर रहे। इसी आयु वर्ग में महिलाओं में पूर्व राज्य चैंपियन समीर की दादी इंद्राणी बसु अव्वल रही। महिला 18 वर्ष से अधिक वर्ग में अनरेटेड वर्तिका आर वर्मा 4 अंक के साथ पहले स्थान पर रहीं। उन्होंने ऐमान अख्तर को पछाड़ा जो तीन अंक के साथ दूसरे स्थान पर रही। समापन समारोह में चरंस प्लाजा, हजरतगंज, लखनऊ के महाप्रबंधक नरेंद्र शर्मा ने पुरस्कार वितरित किए।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाषः 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादकः प्रदीप तिवारी।
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।
पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879900।